हिन्दी दैनिक

पटना (बिहार) तथा लुधियाना (पंजाब) से एक साथ प्रकाशित

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना, सोमवार | 17 मार्च 2025 | वर्ष : 03 | अंक : 72 | पृष्ठ - 12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के पिता का निधन

एजेंसी

नई दिल्ली: केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव के पिता कदम सिंह का शनिवार सुबह निधन हो गया। मंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि पिता का अंतिम संस्कार हरियाणा के जमालपुर गांव में किया गया।राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, भाजपा की राज्य इकाई के प्रमुख मदन राठौर और अन्य नेताओं ने केंद्रीय मंत्री के पिता के निधन पर शोक व्यक्त किया।यादव, राजस्थान के अलवर से लोकसभा सदस्य हैं।शर्मा ने एक्स पर पोस्ट में कहा, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के पिता कदम सिंह के निधन की खबर अत्यंत दुःखद है। प्रभु राम पुण्यात्मा को अपने चरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिवार को यह दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।केंद्रीय मंत्री के पिता के अंतिम संस्कार में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भीशामिल हुए।राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, भाजपा की राज्य इकाई के प्रमुख मदन राठौर और अन्य नेताओं ने केंद्रीय मंत्री के पिता के निधन पर शोक व्यक्त किया।यादव, राजस्थान के अलवर से लोकसभा सदस्य हैं।

7वें राज्य वित्त आयोग का गठन, नीतीश सरकार ने

पूर्व आईएएस अशोक चौधरी को सौंपी कमान

बिहार में सातवें राज्य वित्त आयोग का गठन कर दिया गया है। पूर्व आईएएस अधिकारी अशोक कुमार इसकी अध्यक्षता करेंगे। इसमें दो अन्य सदस्य भी शामिल हैं। इसका गठन बिहार पंचायत राज अधिनियम, 2006 की धारा 168 और बिहार नगर अधिनियम, 2007 की धारा 71 के प्रावधानों के तहत किया गया है

एजेंसी

पटना: बिहार कैडर के सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी अशोक चौधरी राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष बनाये गये हैं। राज्य सरकार ने सप्तम राज्य वित्त आयोग का गठन कर दिया है। तीन सदस्यीय राज्य वित्त आयोग में बिहार प्रशासनिक सेवा के अधिकारी अनिल कुमार और पटना विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त अर्थशास्त्र विभाग की प्राध्यापक डॉ. कुमुदनी सिन्हा को सदस्य बनाया गया है। रविवार को मिली जानकारी के अनुसार, आयोग का गठन भारतीय संविधान के अनुच्छेद-243 के तहत राज्य पंचायत अधिनियम 2006 की धारा-168 और नगर पालिका अधिनियम 2007 की धारा- 71 के प्रावधानों के तहत किया गया है।आयोग की अनुशंसाएं वित्तीय वर्ष 2026-31 तक होगी लागू : सप्तम राज्य वित्त आयोग को अपनी अनुशंसाएं वित्तीय वर्ष 2026 तक देनी होगी। आयोग की सभी अनुशंसाएं

2026-31 तक लागू होगी। मालूम हो कि, राज्य वित्त आयोग एक संवैधानिक निकाय है। इसकी स्थापना 73 वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम, 1992 के तहत की गई थी। राज्यपाल, पांच साल के कार्यकाल के लिए राज्य वित्त आयोग की नियुक्ति करते हैं।राज्य वित्त आयोग का मुख्य कार्य : राज्य वित्त आयोग का मुख्य कार्यों में राज्य की वित्तीय स्थिति की जांच करना, वित्तीय स्थिति में सुधार के लिए अपनी अनुशंसाएं करना, पंचायतों एवं नगर निकायों के संसाधनों के लिए राज्य के वित्त में सुधार लाना, राज्य के विभाज्य पूल से पंचायतों और नगर निकायों के लिए धन वितरित करना है। वहीं, इसके प्रमुख कार्यों में ही पंचायतों के लिए आय के नए स्रोतों की पहचान करना, राज्य और पंचायतों के बीच टैक्स (कर), शुल्क एवं जुमार्ना और टोल टैक्स जैसे कर राजस्व के विभाजन को नियंत्रित करने वाले सिद्धांतों को लेकर सलाह देना तथा राज्य के राजस्व और खर्च का पूवार्नुमान लगाना भी इनमें शामिल है।बिहार में सातवें राज्य वित्त आयोग का गठन कर दिया गया है। पूर्व आईएएस अधिकारी अशोक कुमार इसकी अध्यक्षता करेंगे। इसमें दो अन्य सदस्य भी शामिल हैं। इसका गठन बिहार पंचायत राज अधिनियम, 2006 की धारा 168 और बिहार नगर अधिनियम, 2007 की धारा 71 के प्रावधानों के तहत किया गया है।

नीतीश ने अपने आवास पर लोगों से मिलकर होली की शुभकामनाएं दीं

एजेंसी

पटना: बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने होली के अवसर पर अपने आवास पर नेताओं, पार्टी कार्यकताओं और आम जनता से मुलाकात कर उन्हें होली की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।पटना के एक अणे मार्ग स्थित मुख्यमंत्री आवास पर नीतीश से मिलकर लोगों ने खुशी जताई। उन्होंने मुख्यमंत्री को होली की शुभकामनाएं भी दीं। होली के अवसर पर जल संसाधन एवं संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, ऊर्जा, योजना एवं विकास मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव, शिक्षा मंत्री सुनील कुमार, भवन निर्माण मंत्री जयंत राज, सांसद संजय कुमार झा, बिहार विधानसभा के उपाध्यक्ष नरेंद्र नारायण यादव सहित राज्य सरकार के कई मंत्रियों, सांसदों, विधायकों और विधान पार्षद सदस्यों ने भी मुख्यमंत्री से मिलकर उन्हें होली की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।बिहार

बिहार विधानसभा के उपाध्यक्ष नरेंद्र नारायण यादव सहित राज्य सरकार के कई मंत्रियों, सांसदों, विधायकों और विधान पार्षद सदस्यों ने भी मुख्यमंत्री से मिलकर उन्हें होली की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

विधानसभा के उपाध्यक्ष नरेंद्र नारायण यादव सहित राज्य सरकार के कई मंत्रियों, सांसदों, विधायकों और विधान पार्षद सदस्यों ने भी मुख्यमंत्री से मिलकर उन्हें होली की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

बब्बर खालसा इंटरनेशनल के तीन गुर्गे बिहार से गिरफ्तार किये गये : पंजाब पुलिस

एजेंसी

नई दिल्ली: पंजाब पुलिस ने शनिवार को प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) से जुड़े एक नार्को-टेरर मॉड्यूल का भंडाफोड़ करने का दावा किया।पुलिस का दावा है कि नेपाल भागने की कोशिश कर रहे इसके तीन प्रमुख गुर्गों को बिहार से गिरफ्तार किया गया है। पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने कहा कि गिरफ्तार लोगों की पहचान करणदीप यादव (21), मुकेश कुमार (29) और साजन सिंह (24) के रूप में हुई है।उन्होंने बताया कि ये सभी अमृतसर के खंडवाला छेहरटा के निवासी हैं। पंजाब पुलिस प्रमुख ने बताया कि उनके पास से तीन मोबाइल फोन और नेपाली मुद्रा जब्त की गई। यादव ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गिरफ्तार आरोपी पाकिस्तान स्थित बीकेआई के मुख्य साजिशकर्ता हरविंदर रिंदा के निर्देश पर काम कर रहे थे।डीजीपी ने कहा कि गिरफ्तार किए गए लोग अमृतसर के खंडवाला और छेहरटा इलाकों के रहने वाले हैं और उन्हें बिहार के मधेपुर से उस समय गिरफ्तार किया गया जब वे नेपाल भागने की योजना बना रहे थे।

पीएम नरेंद्र मोदी ने लेक्स फ्रिडमैन से की लंबी बातचीत, पॉडकास्ट में बचपन से लेकर आरएसएस तक कई विषयों पर की बात

एजेंसी

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी कंप्यूटर साइंटिस्ट और पॉडकास्टर लेक्स फ्रिडमैन से लंबी बातचीत की। फ्रिडमैन के साथ पॉडकास्ट में उन्होंने कई विषयों पर चर्चा की। पीएम मोदी ने आलोचना को लोकतंत्र की आत्मा बताया। उन्होंने इस पॉडकास्ट में संघ (आरएसएस) की तारीफ की। उन्होंने महात्मा गांधी की विचारधारा की भी तारीफ की। इतना ही नहीं पीएम मोदी ने अपने बचपन की कई यादें भी साझा कीं।

आलोचना लोकतंत्र की आत्मा

फ्रिडमैन ने पीएम मोदी से उन पर की गई आलोचना और इससे निपटने के तरीके के बारे में पूछा। इस पीएम ने कहा कि वे इसका स्वागत

करते हैं। उन्होंने कहा, 'मेरा दृढ़ विश्वास है कि आलोचना लोकतंत्र की आत्मा है। अगर लोकतंत्र वास्तव में आपकी रगों में बहता है, तो आपको इसे अपनाना चाहिए। हमें अधिक आलोचना करनी चाहिए, और यह तीखी और सुविचारित होनी चाहिए। हमारे शास्त्रों में कहा गया है: 'अपने आलोचकों को हमेशा अपने पास रखें'। आलोचकों को आपका सबसे करीबी साथी होना चाहिए क्योंकि वास्तविक आलोचना के माध्यम से आप जल्दी सुधार कर सकते हैं और बेहतर अंतर्दृष्टि के साथ लोकतांत्रिक तरीके से काम कर सकते हैं।'

उन्होंने आगे कहा, 'वास्तव में, मेरा मानना ??है कि हमें अधिक आलोचना करनी चाहिए, और यह तीखी और सुविचारित होनी चाहिए। लेकिन मेरी असली शिकायत यह है कि आजकल, हम जो देखते हैं वह वास्तविक आलोचना नहीं है।' उन्होंने यह भी कहा कि एक मजबूत लोकतंत्र के लिए, वास्तविक आलोचना आवश्यक है।

फ्रर से अपने जुड़ाव के बारे में बात करते हुए पीएम मोदी ने कहा,

हाफिज सईद के करीबी मोस्ट वांटेड आतंकी अबु कताल की हत्या; पाकिस्तान में बैठकर रचता था भारत में हमले की साजिश

एजेंसी

नई दिल्ली: लश्कर-ए-तैयबा के मोस्ट वांटेड आतंकी अबु कताल की शनिवार (15 मार्च) रात पाकिस्तान में हत्या हो गई। वह 26/11 मुंबई हमले के मास्टर माइंड हाफिज सईद का बेहद करीबी था। कश्मीर में हुए हमलों भी शामिल था।लश्कर-ए-तैयबा के मोस्ट वांटेड आतंकी अबु कताल की शनिवार (15 मार्च) रात पाकिस्तान में हत्या कर दी गई। अबु कताल एनआईए का मोस्ट वांटेड आतंकी था। उसने कश्मीर में हुए आतंकी हमले कराए थे। 26/11 मुंबई आतंकी हमले के मास्टमाइंड हाफिज सईद का भी

बेहद करीबी माना जाता था। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, लश्कर-ए-तैयबा का प्रमुख आतंकवादी संगठन है। इसके मोस्ट वांटेड आतंकवादियों में शुमार फैजल नदीम उर्फ ??अबू कताल शनिवार (15 मार्च) रात पाकिस्तान में मारा गया है। ठकअ ने उसके खिलाफ 26/11 मुंबई हमले और जनवरी 2023 के राजौरी हमलों के सिलसिले में आरोप-पत्र दायर किया था। यह आरोप-पत्र जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी नेटवर्क को खत्म करने के एजेंसी के प्रयासों का हिस्सा था। आरसी-01 और 02/2023/एनआईए/जेएमयू के रूप में दर्ज मामला 1 जनवरी, 2023 को राजौरी के ढांगरी में नागरिकों पर हुए आतंकवादी हमले से संबंधित है। इसके अगले दिन आईईडी विस्फोट हुआ था और 2 बच्चों समेत 7 लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

पाकिस्तान में आतंकी हमला, 90 सैनिक ढेर: बलोच लिबरेशन आर्मी ने ली घटना की जिम्मेदारी, 8 बसों पर सुसाइड बॉम्बिंग का दावा

एजेंसी

पाकिस्तानी में रविवार (16 मार्च) को आतंकी हमले में 90 पाक सैनिक ढेर हो गए। बलोच लिबरेशन आर्मी (इछअ) के मुताबिक, मजीद ब्रिगेड और फतह स्क्वॉड ने नुश्किी इलाके में सेना की 8 बसों पर सुसाइड अटैक किया है। पाकिस्तानी में रविवार (16 मार्च) को फिर एक आतंकी हमला हुआ है। इसमें 90 पाक सैनिकों के मारे जाने का दावा किया गया। बलोच लिबरेशन आर्मी (इछअ) ने घटना की जिम्मेदारी लेते हुए बताया कि 8 बसों

के काफिले पर मजीद ब्रिगेड और फतह स्क्वॉड ने सुसाइड अटैक किया है। 5 दिन में यह दूसरा आतंकी हमला पाकिस्तान के 5 दिन में यह दूसरा आतंकी हमला है। बलोच लिबरेशन आर्मी ने बालूचिस्तान प्रांत के क्वेटा से पेशावर जा रही जाफर एक्सप्रेस में हमला किया था। इसमें 20 से अधिक ट्रेन यात्री मारे गए थे। रविवार को बीएलए के उग्रवादियों ने नुश्किी इलाके में सेना की 8 बसों पर सुसाइड बॉम्बिंग की है, जिसमें 90 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। इछअ की ओर से पत्र जारी कर घटना की जानकारी दी गई है। बताया, क्वेटा से कफ्तान जा रहे पाक मिलिट्री की 8 बसों पर नोशकी हाईवे के पास हमला हुआ है।

नीतीश सरकार में पुलिसवालों की सबसे ज्यादा हत्या,

भागलपुर में खाकी पर हमले का वीडियो दिखा क्या बोले तेजस्वी

एजेंसी

पटना: बिहार में इन दिनों पुलिसवाले अपनी जान की खैर मना रहे हैं। दरअसल अलग-अलग जिलों में खाकी पर खतरा मंडरा रहा है। अपराधी लगातार खाकी को अपना निशाना बना रहे हैं। अब भागलपुर जिले में पुलिस टीम पर हमला किया गया है। बताया जा रहा है कि यहां दो पक्षों के विवाद को सुलझाने पहुंची पुलिस पर बदमाशों ने ईंट-पत्थर से हमला किया है। इस हमले में एसआई समेत 4 पुलिसकर्मी घायल हो गए हैं। हालांकि, पुलिस अब इस मामले में ऐक्शन ले रही है। इस मामले में अब सियासत भी शुरू हो गई है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने इस घटना का वीडियो शेयर कर नीतीश सरकार पर हमला बोला है।तेजस्वी यादव ने भागलपुर में पुलिस टीम पर हमले का एक वीडियो भी शेयर किया है। वीडियो शेयर कर तेजस्वी यादव ने लिखा, 'भागलपुर में पुलिस टीम पर जानलेवा हमलसमेत पुलिसकर्मी घायल, शेष पुलिसकर्मी जान बचाकर भागे। विगत दिनों में की हत्या हो चुकी है। मुख्यमंत्री अचेत है।उनसे गृह विभाग भी नहीं संभल रहा है। साल से इनकी सरकार है अब इस ध्वस्त कानून व्यवस्था का दोष किसे देंगे? नीतीश कुमार के कार्यकाल में सर्वाधिक पुलिसकर्मियों और अधिकारियों की हत्या हुई है। इनके वर्षों में हजार से अधिक नागरिकों की हत्या हुई है। ये वो आँकड़े है जो द्वारा रिपोर्टेड है।

पलायन पर कांग्रेस को बोलने का हक नहीं; कन्हैया की नौकरी वाली यात्रा पर जेडीयू ने दिखाया आइना

एजेंसी

पटना: बिहार चुनाव क मद्देनजर कांग्रेस और एनएसयूआई ने पश्चिमी चंपारण से रविवार को नौकरी दो, पलायन रोको यात्रा का आगाज किया है। जिसकी अगुवाई ठरवकके प्रभारी कन्हैया कुमार कर रहे हैं। इस मौके पर उन्होने कहा कि यह सच्चाई है कि बिहार का सबसे बड़ा दंश पलायन है। इसलिए बिहार के नौजवानों ने तय किया है, कि अब बेरोजगार नौजवानों का मुद्दा सबसे ऊपर होना चाहिए। हम लोग ये पदयात्रा निकाल रहे हैं। वहीं कांग्रेस की इस यात्रा पर जेडीयू ने तंज कसा है।जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने कांग्रेस की नौकरी दो, पलायन रोको यात्रा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि बिहार से सारा पलायन 1990 के दशक में हुआ है, विपक्ष को इस विषय पर बोलने का हक नहीं है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बड़ी

संख्या में युवाओं को बिहार में नौकरी और रोजगार दिए हैं। ऐसे में विपक्ष दल आरजेडी और कांग्रेस को बोलने का कोई अधिकार नहीं है।इससे पहले यात्रा के दौरान बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावारू ने कहा कि आज जो बिहार की समस्याएं हैं, उसपर बात नहीं होती, भर्ती क्यों रुकी हुई है? बिहार में शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य को सुधारने की बात नहीं होती है। हम इस यात्रा के जरिए जनता की आवाज बनकर सरकार से सवाल पूछने का काम करेंगे। आपको बता दें चंपारण से शुरू हुई यात्रा का समापन पटना में होगा। जिस तरह तेजस्वी युवाओं और बेरोजगारी के मुद्दे पर आक्रामक रूख अपनाए हुए हैं, उसी तक कांग्रेस भी उसी ट्रैक पर चलती दिख रही है।कांग्रेस की नौकरी दो, पलायन रोको यात्रा पर कटाक्ष करते हुए जेडीयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने कहा कि बिहार से सारा पलायन 1990 के दशक में हुआ है, विपक्ष को इस विषय पर बोलने का हक नहीं है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बड़ी संख्या में युवाओं को बिहार में नौकरी और रोजगार दिए हैं।

राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान अपने नई दिल्ली आवास पर परिवार के साथ होली मनाई

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री सह लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान अपने नई दिल्ली आवास पर परिवार के साथ होली मनाई।श्री चिराग ने पत्रकार से बात करते हुए देशवासियों को होली की बधाई देते हुए कहा कि मेरे नेता मेरे पिता आदरणीय रामविलास पासवान जी पूरे हर्षो उल्लास, धूमधाम के साथ होली मानते थे। आज लंबे समय बाद ,उनके जाने के बाद वापस पार्टी एवं परिवार में वों खुशियों का माहौल आया है। उम्मीद कर रहा हूं कि जैसे पिताजी होली का पर्व मनाया करते थे, उसी तरीके के होली हम लोग मना रहे हैं। हां पर उनकी जितनी कमी महसूस होती है, पर उनके ही आशीर्वाद है कि आज हम लोग यहां तक पहुंचे हैं। बस यही कामना करता हूं कि हर किसी के जीवन में रंग खुशियां लेकर आए। इस आशय की जानकारी पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन कुमार ने दी।

कतिपय लोगों ने रामप्रीत राम और राजेश पासवान के घर को तोड़फोड़ कर किया बर्बाद

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र के पुरुषोत्तमपुर पंचायत के जनार्दनपुर गांव में शनिवार को करीब दो बजे कतिपय लोगों ने रामप्रीत राम एवं राजेश कुमार पासवान के घर पर दावा बोल दिया और झोपड़ी नुमा बने घर को लाठी डंडे से तोड़कर गिरा दिया। इतना ही नहीं रामप्रीत राम को आवास योजना के तहत मिले राशि प्रथम किस्त का 40 हजार द्वितीय किस्त का 30 हजार रुपया में से 60 हजार रुपया जो बक्सा में रखा था, बक्सा को तोड़कर राशि लेकर चला गया, तथा धमकी दिया कि अगर किसी को सूचना दिया तो पूरे परिवार को खत्म कर देंगे। इधर पूछे जाने पर राम प्रीतराम ने बताया कि मैं यहां पर लगातार आठ वर्षों से रह रहा हूं मैं छोटी जाति का हूं इसलिए हमें बार बार तंग व तबाह किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि शनिवार को हुए घटना की जानकारी स्थानीय थाना एवं 112 की टीम को दिया गया परंतु उन लोगों के द्वारा कोई सुनवाई नहीं की गई। बहरहाल इस घटना को लेकर राम प्रीत राम, उनकी पत्नी इंदु देवी, पड़ोसी राजेश पासवान आदि डरे और सहमे हुए हैं। वही इस घटना को लेकर रामप्रीत राम ने कल्याणपुर थाना में अबतक आवेदन नहीं दिया है।

युवती ने मथुरापुर पुल से बूढ़ी गंडक नदी में लगाई छलांग, पुलिस ने किया नागरबस्ती नदी से शव बरामद

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। शहर के बूढ़ी गंडक नदी पर बने पुल से एक युवती शनिवार की संध्या करीब साढ़े सात बजे संध्या पुल पर से बूढ़ी गंडक नदी में छलांग लगाई थी। जिसे रातभर परिजन और स्थानीय पुलिस ने गोताखोरों के द्वारा तलाश कर रही थी, परंतु देर रात तक नहीं मिली। रविवार को नागरबस्ती स्थित किला मस्जिद के पास बूढ़ी गंडक नदी किनारे युवती का शव गांव के लोगों ने देखा और मथुरापुर थाना को सूचित कर दिया। जानकारी मिलने पर मथुरापुर थाना अध्यक्ष मुकेश कुमार अपने टीम के साथ मौके पर पहुंके और शव को नदी से बाहर निकलवाया। शव बाहर निकलते ही आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। मृतका की पहचान वारिसनगर थाना क्षेत्र के मोहिउद्दीनपुर पंचायत के वार्ड संख्या 10 निवासी स्व नारायण दास की 18 वर्षीय पुत्री के तौर पर हुई है। बहरहाल मथुरापुर थाना की पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल समस्तीपुर भेज दिया। सूत्रों ने बताया कि युवती किसी युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा था, प्रेमी ने धोखा दिया होगा जिसके कारण युवती ने मथुरापुर पुल पर से नदी में कूद गई और उसकी मौत हो गई। इधर पूछे जाने पर मृतिका का भाई अमलेश कुमार ने बताया कि उसकी बहन शनिवार की संध्या घर से निकली थी जिसे घर के लोगों द्वारा खोजबीज किया जा रहा था।

प्रसिद्ध फुटबॉल कोच के निधनं पर शोक सभा आयोजित

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के सोनौली पंचायत के गोढ़ना उच्च विद्यालय के प्रांगण में प्रसिद्ध फुटबॉल कोच शशी भूषण प्रसाद सिंह उर्फ मधुकर सिंह के निधनं पर शोक सभा आयोजित की गयी। उनका निधनं 7 मार्च को हुआ था वे कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे। शोक सभा के आयोजन मे उनके तैल चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया, वहीं उनके फुटबॉल खेल के प्रति ललक को याद किया गया। वहीं सभी सदस्यों ने सामूहिक रूप उनके आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर विनम्र श्रद्धांजलि दी। उनके जीवनी को याद कर कहा कि वे सरल स्वभाव मृद भाषी एवं एक अच्छे खिलाड़ी थे। वे गांव में जनता फुटबॉल टीम गठन किए थें जिसकी चर्चा ज़िले स्तर तक थी।सोनौली पंचायत के मुखिया इम्तियाज खान उर्फ चुन्नू बाबू ने उन्हें खेल जगत की एक अनमोल विरासत बताया और उनके निधन को अपूरणीय क्षति कहा। फुटबॉल में उनका योगदान हमेशा याद रखा जाएगा। मौके पर सोनौली मुखिया इम्तियाज खान उर्फ चुन्नू बाबू, सेमरी मुखिया प्रतिनिधि दिलीप सिंह,शंकर सिंह, सरपंच रामबाबू सिंह, हरेश्वर सिंह, महेश्वर सिंह, शिक्षक परमेश्वर पंडित, भूषण सिंह, नवल किशोर सिंह,लखन प्रसाद यादव, अदनान खां, भुटेली खां, मीरहसन अंसारी, रामनाथ सिंह,विनय सिंह, सेवानिवृत्त शिक्षक विश्वनाथ सिंह समेत कई अन्य मौजूद रहें

महाराष्ट्र वक्फ बोर्ड में भ्रष्टाचार: वक्फ कानूनों में तत्काल सुधार की जरूरत

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- अवैध संपत्ति हस्तांतरण के आरोपों के बीच मुंबई की मीनारा मस्जिद के लिए महाराष्ट्र वक्फ बोर्ड द्वारा नए ट्रस्टियों की नियुक्ति को लेकर हाल ही में उठे विवाद ने एक बार फिर वक्फ संस्थाओं के भीतर गहरे भ्रष्टाचार को उजागर किया है। रिपोर्टों के अनुसार, महाराष्ट्र वक्फ बोर्ड ने मीनारा मस्जिद के लिए नए ट्रस्टियों की नियुक्ति की, जबकि वक्फ संपत्तियों के अवैध हस्तांतरण के आरोप सामने आए। इस फैसले ने इस बात को लेकर गंभीर चिंता जताई है कि धार्मिक, धर्मार्थ और सामुदायिक कल्याण उद्देश्यों के लिए दान की गई वक्फ संपत्तियों का किस तरह से कुप्रबंधन किया जाता है और अक्सर उनका दुरुपयोग किया जाता है। मीनारा मस्जिद का मामला कोई अकेली घटना नहीं है। देश भर में, कई वक्फ बोर्डों पर कुप्रबंधन, अनधिकृत भूमि बिक्री और वित्तीय पारदर्शिता की कमी के आरोप लगे हैं।
- वक्फ अधिनियम, 1995 के अस्तित्व के बावजूद, जिसका उद्देश्य वक्फ संपत्तियों को विनियमित और संरक्षित करना है, कानून में खामियाँ, प्रवर्तन की कमी और राजनीतिक हस्तक्षेप ने व्यापक भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया है। मीनारा मस्जिद मामला सुधारों की तत्काल आवश्यकता को सामने लाता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वक्फ संपत्ति सुरक्षित रहे और उसका उपयोग उनके इच्छित उद्देश्यों के लिए किया जाए। अवैध संपत्ति हस्तांतरण के आरोपों को संबोधित किए बिना नए ट्रस्टियों को नियुक्त करने का वक्फ बोर्ड का निर्णय एक गंभीर प्रशासनिक विफलता को इंगित करता है। कई वक्फ बोर्ड न्यूनतम पारदर्शिता के साथ काम करते हैं, और वित्तीय रिकॉर्ड अक्सर जनता के लिए दुर्गम होते हैं। वक्फ संपत्तियाँ, जिनमें मस्जिदें, कब्रिस्तान, शैक्षणिक संस्थान और सामुदायिक कल्याण केंद्र शामिल हैं, अक्सर अतिक्रमण की जाती हैं या अवैध रूप से निजी संस्थाओं को बेची जाती हैं। सख्त निगरानी तंत्र की अनुपस्थिति ऐसे अतिक्रमणों को अनियंत्रित रूप से जारी रखने की अनुमति देती है। वक्फ बोर्ड अक्सर राजनीतिक हितों से प्रभावित होते हैं, जिसके कारण नियुक्तियाँ और निर्णय सामुदायिक कल्याण पर व्यक्तिगत लाभ को प्राथमिकता देते हैं। स्वतंत्र नियामक तंत्र की कमी समस्या को और बढ़ा देती है। विशाल संपत्तियों के मालिक होने के बावजूद, वक्फ बोर्ड कुप्रबंधन और भ्रष्टाचार के कारण मुस्लिम समुदाय के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए पर्याप्त राजस्व उत्पन्न करने में विफल रहते हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और रोजगार कार्यक्रमों के लिए इन संसाधनों का उपयोग करने के बजाय, कई बोर्ड गलत तरीके से अधिग्रहित भूमि को लेकर कानूनी विवादों में उलझे हुए हैं।
- मीनारा मस्जिद मामले ने वक्फ संपत्तियों के प्रभावी प्रबंधन को सुनिश्चित करने के लिए कानूनी और संरचनात्मक सुधारों की आवश्यकता को रेखांकित किया है। वित्तीय और प्रशासनिक स्वायत्तता के साथ एक स्वतंत्र वक्फ विनियामक प्राधिकरण की स्थापना भ्रष्टाचार को रोकने और कानूनों का अनुपालन सुनिश्चित करने में मदद कर सकती है। स्वामित्व विवरण, वित्तीय रिकॉर्ड और लीज समझौतों सहित सभी वक्फ संपत्तियों का एक केंद्रीकृत डिजिटल डेटाबेस बनाया जाना चाहिए और इसे जनता के लिए सुलभ बनाया जाना चाहिए। कानून में अवैध संपत्ति हस्तांतरण और वक्फ संपत्तियों के दुरुपयोग के लिए कठोर दंड का प्रावधान होना चाहिए। विवादों को कुशलतापूर्वक हल करने के लिए फास्ट-ट्रैक कोर्ट स्थापित किए जाने चाहिए। वक्फ बोर्ड के निर्णयों में भाग लेने के लिए स्थानीय समुदायों, विद्वानों और स्वतंत्र लेखा परीक्षकों को सशक्त बनाना पारदर्शिता को बढ़ा सकता है और यह सुनिश्चित कर सकता है कि संपत्तियां अपने सही उद्देश्य की पूर्ति करें। वक्फ संपत्तियों का कुप्रबंधन या अवैध रूप से हस्तांतरित होने के बजाय उनका सक्रिय रूप से स्कूल, अस्पताल, कौशल विकास केंद्र और अन्य कल्याणकारी पहलों के निर्माण के लिए उपयोग किया जाना चाहिए।
- मीनारा मस्जिद मामले में महाराष्ट्र वक्फ बोर्ड के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप सिर्फ एक संस्था के बारे में नहीं हैं- वे पूरे भारत में वक्फ प्रबंधन में व्यापक संकट को दशार्ते हैं। तत्काल कानूनी और प्रशासनिक सुधारों के बिना, वक्फ संपत्तियां दुरुपयोग के लिए असुरक्षित बनी रहेंगी, जिससे मुस्लिम समुदाय वंचित रहेगा शिक्षा और सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता।
- वक्फ कानूनों को मजबूत करना न केवल एक आवश्यकता है, बल्कि इन धार्मिक बंदोबस्तों की पवित्रता को बनाए रखने के लिए एक नैतिक और कानूनी अनिवार्यता भी है।

– रेशम फातिमा

वक़्फ बिल के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लें: उलमा बोर्ड हिंद

संवाददाता

अबरार नौमानी सीतामढ़ी

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड और अन्य मिल्ली संगठनों की ओर से 17 मार्च 2025 को जंतर-मंतर, नई दिल्ली में वक़्फ बिल के खिलाफ एक बड़े विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया गया है। उलमा बोर्ड हिंद के अध्यक्ष मौलाना मोहम्मद सदरे आलम नौमानी ने इस प्रदर्शन में लोगों से शिरकत की अपील करते हुए कहा कि सरकार का मौजूदा वक़्फ बिल पर अड़िग रहना मुस्लिम वक़्फ की धार्मिक पहचान को समाप्त करने की कोशिश है। उन्होंने कहा कि वक़्फ किसी व्यक्ति की संपत्ति नहीं, बल्कि अल्लाह की मिल्कियत है। इसकी बुनियादी स्थिति में किसी भी प्रकार का परिवर्तन या हस्तक्षेप न केवल शरीयत के सिद्धांतों के खिलाफ है, बल्कि संवैधानिक अधिकारों का भी उल्लंघन है। इस अवसर पर उलमा बोर्ड हिंद की अपील है कि वे इस शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन में भारी संख्या में भाग लें और लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक अधिकारों की सुरक्षा के लिए अपना सक्रिय योगदान दें।

बिहार की खुशबू का डॉक्टर बनने का पूरा होगा सपना; अब पढ़ेगी बायोलॉजी, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की पहल

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

'केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने पटना जिले के दानापुर की रहने वाली छात्रा खुशबू कुमारी की विज्ञान संकाय में पढ़ाई में आ रही बाधा दूर करने की पहल की है। उन्होंने पटना के जिलाधिकारी को खुशबू का नामांकन वर्तमान सत्र में ही विज्ञान संकाय में कराने का निर्देश दिया है। केंद्रीय मंत्री ने रविवार को खुद खुशबू से फोन पर बात की और मदद का भरोसा दिया। उच्च माध्यमिक विद्यालय, हेतनपुर (दानापुर) से दसवीं उत्तीर्ण उपेंद्र राय की पुत्री खुशबू कला संकाय में पढ़ रही है। उसकी हार्दिक इच्छा है कि वह विज्ञान संकाय में पढ़ाई कर डॉक्टर बने। इसके लिए छात्रा ने केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मदद की गुहार लगाई थी। दरअसल खुशबू के साथ घर में ही भेदभाव हो रहा था। वह अपने पसंद के विषय में पढ़ाई करना चाहती थी।

परिवार का कहना है कि आर्थिक स्थिति ठीक नहीं रहने के कारण वे मेडिकल की तैयारी नहीं करा सकते। खुशबू ने अपनी पीड़ा मीडिया में जाहिर की थी। विज्ञान संकाय में नामांकन से उसका डॉक्टर बनने का सपना साकार हो सकेगा। केंद्रीय मंत्री ने खुशबू से कहा कि मन लगा कर पढ़ो। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार भारत की बेटियों को आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रयासरत है। बीच धर्मेंद्र प्रधान की पहल पर जिलाधिकारी डॉ चंद्रशेखर सिंह ने खुशबू एवं उनके परिजनों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि छात्रा का प्रवेश जीव विज्ञान विषय में कराया जाएगा। डीएम ने खुशबू से कहा कि मजबूती से आगे बढ़ना है, कमजोर नहीं पड़ना है। केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं से पढ़ाई के लिए सभी सुविधा प्रदान की जाएगी। उन्होंने दानापुर के एसडीएम और जिला शिक्षा पदाधिकारी को उचित पहल करने को कहा है।

केंद्रीय बजट 2025 में बढ़े हुए आवंटन से अल्पसंख्यक सशक्तिकरण को बढ़ावा: आगे की चुनौतियाँ

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

केंद्रीय बजट 2025 भारत में अल्पसंख्यक समुदायों के उत्थान के लिए एक बहुत जरूरी कदम है, जिसमें अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय को कुल ?3,350 करोड़ का आवंटन प्राप्त हुआ है। यह पिछले वित्तीय वर्ष के बजटीय अनुमान से 166 करोड़ अधिक है और 2024-25 के संशोधित अनुमान से ?1,481 करोड़ अधिक है। बजटीय आवंटन में वृद्धि अल्पसंख्यक समुदायों द्वारा सामना की जाने वाली अनूठी सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों की सरकार की मान्यता और शिक्षा, विकास योजनाओं और लक्षित कल्याण कार्यक्रमों के माध्यम से उन्हें संबोधित करने के प्रयास का संकेत देती है।आवंटित बजट का एक महत्वपूर्ण हिस्सा अल्पसंख्यक समुदायों के छात्रों के शैक्षिक सशक्तीकरण की ओर निर्देशित है, इस उद्देश्य के लिए 678.03 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं। शिक्षा को लंबे समय से सामाजिक गतिशीलता के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण माना जाता है, और इस प्रावधान का उद्देश्य अल्पसंख्यकों के लिए शैक्षिक अवसरों तक बेहतर पहुंच सुनिश्चित करना है। इसके अतिरिक्त, मंत्रालय के तहत प्रमुख योजनाओं और परियोजनाओं के लिए 1,237.32 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जो मौजूदा कल्याण कार्यक्रमों की निरंतरता और विस्तार सुनिश्चित करते हैं। अल्पसंख्यकों के विकास के लिए अम्ब्रेला कार्यक्रम के लिए 1,913.98 करोड़ रुपये का पर्याप्त आवंटन किया गया है, जिसमें कौशल विकास, बुनियादी ढांचे के समर्थन और आर्थिक समावेशन पर केंद्रित कई पहल शामिल हैं। जबकि बढ़ा हुआ आवंटन सही दिशा में एक कदम है, लेकिन महत्वपूर्ण सवाल बना हुआ है: इन निधियों का प्रभावी ढंग से उपयोग कैसे किया जाएगा? कई योजनाएं, विशेष रूप से शिक्षा और आर्थिक सशक्तीकरण पर केंद्रित, नौकरशाही देरी से जूझ रही हैं जिन प्रमुख क्षेत्रों पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है उनमें से एक है मदरसों का आधुनिकीकरण, यह सुनिश्चित करना कि वे धार्मिक अध्ययन के साथ-साथ तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा को एकीकृत करें। बड़ी संख्या में मुस्लिम छात्र, विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि से, मदरसों में पढ़ते हैं, लेकिन इनमें से कई संस्थानों में आधुनिक पाठ्यक्रम और कौशल विकास कार्यक्रमों तक पहुंच नहीं है। मदरसों के भीतर रळएट शिक्षा, डिजिटल साक्षरता और तकनीकी प्रशिक्षण के लिए धन आवंटित करने से मुस्लिम पुरुषों और महिलाओं दोनों को समकालीन नौकरी बाजार में प्रतिस्पर्धा करने के लिए आवश्यक कौशल से लैस किया जा सकता है। इससे न केवल उनकी रोजगार क्षमता बढ़ेगी बल्कि शैक्षिक और आर्थिक अंतराल को पाटने में भी मदद मिलेगी जो समुदाय की प्रगति में बाधा बन रहे हैं। सार्थक सशक्तीकरण के लिए, ध्यान बजट के आंकड़ों से परे जाना चाहिए। कार्यान्वयन तंत्र पारदर्शी, जवाबदेह और समावेशी होना चाहिए, यह सुनिश्चित करते हुए कि धनराशि नौकरशाही बाधाओं के बिना जमीनी स्तर तक पहुंचे।अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय के लिए बढ़ा हुआ बजट आवंटन एक आशाजनक विकास है, जो अल्पसंख्यक समुदायों के सामने आने वाली चुनौतियों की स्वीकृति को दशार्ता है। हालाँकि, केवल आवंटन ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि इसका प्रभावी उपयोग और कार्यान्वयन भी प्राथमिक ध्यान का क्षेत्र होना चाहिए। वर्तमान सरकार लालफीताशाही और नौकरशाही देरी को कम करने के लिए जानी जाती है। पहुँच, पारदर्शिता सुनिश्चित करना और निधि वितरण में आसानी सुनिश्चित करना भारत में अल्पसंख्यक विकास के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की असली परीक्षा होगी।

लेखिका
रेशम फातमा*

कांग्रेस नेता का निधन, शोक की लहर

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। कांग्रेस के पूर्व प्रखंड अध्यक्ष डॉक्टर अशोक कुमार का हार्ट अटैक से शुक्रवार की सुबह निधन हो गया। निधन की खबर आम होते ही पूसा प्रखंड में शोक की लहर दौड़ गई। इधर जानकारी मिलने पर कांग्रेस कमिटी की टीम मौके पर पहुंची और कार्यकताओं ने कांग्रेस के झंडे से लपेटकर अंतिम विदाई दी। मुखाग्नि डॉक्टर अशोक कुमार के बड़े पुत्र अभिषेक कुमार ने दिया। कांग्रेस के कार्यकताओं ने कहा कि हमने एक योग्य अभिभावक एवं अच्छे मार्गदर्शक को खो दिया है, जो निकट भविष्य में पूर्ण होना संभव नहीं। मौके पर मो मोहीउद्दीन, अंकुर कुमार, आशीष कुमार, विष्णु कुमार, शंभू गुप्ता, दिनेश ठाकुर आदि शामिल थे।

सीनियर डीएसपी मो0 नजीब अनवर के कार्यकाल के पूरे हुए एक वर्ष: बाल संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता से जिले का कई थाना क्षेत्र बाल श्रम मुक्त बनने की राह पर

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ी जिला में वरीय पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) मो ० नजीब अनवर के कार्यकाल का 16 मार्च को एक वर्ष पूरे हुए ।इन एक वर्ष में बतौर नोडल पदाधिकारी विशेष किशोर पुलिस इकाई एवं नोडल पदाधिकारी एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट , सीतामढ़ी के रूप में वरीय पुलिस उपाधीक्षक मो ० नजीब अनवर के कुशल एवं दक्ष प्रशासनिक क्षमता से बाल संरक्षण के क्षेत्र में प्रशंसनीय सफलता हासिल एवं बच्चो के अधिकार एवं उनके कल्याण की रक्षा में महत्वपूर्ण बदलाव हुए है । वरिय पुलिस उपाधीक्षक के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में बाल कल्याण पुलिस पदाधिकारी , एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट एवं एसोसिएशन फॉर वॉलंटरी एक्शन (बचपन बचाओ आंदोलन) की संयुक्त टीम द्वारा बाल श्रम पर जिला में पूर्ण रूप से अंकुश लगाने हेतु किए गए सार्थक प्रयास से जिला भर के विभिन्न दुकान प्रतिष्ठान से इन एक वर्ष में कुल 100 बच्चों को बाल श्रम से मुक्त करवाया गया साथ ही इन बच्चों से बाल श्रम करवाने वाले नियोजकों पर कानूनी कारवाई भी गई है ।2020 से अबतक का जिला में बाल श्रम के खिलाफ हुई कारवाई का सबसे बड़ा यह आंकड़ा है जिससे 100 बच्चों को बाल श्रम से मुक्त करवाकर शिक्षा के मुख्यधारा से जोड़ा गया है ।बाल श्रम के विरुद्ध डीएसपी मो ० नजीब अनवर के निर्देशन में बाल कल्याण पुलिस पदाधिकारी एवं एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट के द्वारा एसोसिएशन फॉर वॉलंटरी एक्शन के द्वारा सीधे तोर पर चलाए गए रेस्क्यू अभियान का सकारात्मक परिणाम भी जिला में दिख रहा है जिला का पुनौरा, बाजपट्टी,पुपरी , डुमरा , रूनीसैदपुर, मेजरगंज , मेहसौल , परसौनी , बेलसंड , चरोत , महिंदवारा, परिहार , भूतही एवं बेला थाना क्षेत्र बाल श्रम मुक्त थाना क्षेत्र बनने की राह पर है इन थाना क्षेत्र में काफी हद तक बाल श्रम पर अंकुश लगा है ।सीमावर्ती क्षेत्र होने के कारण बाल तस्करी भी एक बड़ी समस्या सीतामढ़ी जिला में रही है लेकिन डीएसपी मो ० नजीब अनवर के निर्देशन में इन एक वर्ष में बाल दुव्यार्पार एवं बाल तस्करी से कुल 17 बच्चों को भी मुक्त करवाने एवं मानव तस्करों को

पकड़ने में उल्लेखनीय सफलता हासिल हुई है ।इसके साथ साथ अन्य राज्य में बंधुआ मजदूरी के उद्देश्य से ले जाए गए कुल 28 नाबालिग एवं वयस्क मजदूरों को भी मुक्त करवाने में सफलता मिली हैं साथ ही बाल विवाह जैसे कुरीतियों पर भी रोक लगाने हेतु इन एक वर्ष में निरंतर अनूठी पहल की गई ।करूणा दया एवं सक्रियता के साथ निरंतर अनूठी पहल बाल शोषण के विरुद्ध करने के लिए सीतामढ़ी पुलिस का विशेष किशोर पुलिस इकाई राज्य भर में रोल मॉडल के रूप में उभर रहा है । डीएसपी मो नजीब अनवर के निर्देशन में विशेष किशोर पुलिस इकाई सीतामढ़ी के द्वारा ना सिर्फ बाल श्रम, बाल तस्करी व बाल विवाह के खिलाफ यथोचित कनूनी कारवाई जिला में सुनिश्चित हो रही है अपितु बाल शोषण पर पूर्ण रूप से अंकुश लगाने के लिए जागरूकता अभियान के साथ समय समय पर बाल कल्याण पुलिस पदाधिकारी से लेकर चौकीदार तक के लिए कार्यशाला भी आयोजित किया गया साथ ही बाल शोषण के विरुद्ध उत्कृष्ठ कार्य करने वाले पुलिस पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि , छात्रों युवाओं को प्रोत्साहित करने हेतु सम्मानित भी किया गया ।गौरतलब है कि बाल दुव्यार्पार , बंधुआ मजदूरी

बाल श्रम के विरुद्ध डीएसपी मो ० नजीब अनवर के निर्देशन में बाल कल्याण पुलिस पदाधिकारी एवं एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट के द्वारा एसोसिएशन फॉर वॉलंटरी एक्शन के द्वारा सीधे तोर पर चलाए गए रेस्क्यू अभियान का सकारात्मक परिणाम भी जिला में दिख रहा है जिला का पुनौरा, बाजपट्टी,पुपरी , डुमरा , रूनीसैदपुर, मेजरगंज , मेहसौल , परसौनी , बेलसंड , चरोत , महिंदवारा, परिहार , भूतही एवं बेला थाना क्षेत्र बाल श्रम मुक्त थाना क्षेत्र बनने की राह पर है इन थाना क्षेत्र में काफी हद तक बाल श्रम पर अंकुश लगा है । सीमावर्ती क्षेत्र होने के कारण बाल तस्करी भी एक बड़ी समस्या सीतामढ़ी जिला में रही है लेकिन डीएसपी मो ० नजीब अनवर के निर्देशन में इन एक वर्ष में बाल दुव्यार्पार एवं बाल तस्करी से कुल 17 बच्चों को भी मुक्त करवाने एवं मानव तस्करों को पकड़ने में उल्लेखनीय सफलता हासिल हुई है ।

जैसे जघन्य अपराध के खिलाफ लड़ाई जारी है सीतामढ़ी जिला में डीएसपी मो ० नजीब अनवर के निर्देशन में किए जा रहे सार्थक प्रयास बाल श्रम के अंधेरे परिदृश्य में आशा की किरण बनकर चमका है।विदित हो की वरीय पुलिस उपाधीक्षक मो नजीब अनवर के द्वारा बाल संरक्षण के क्षेत्र में किए जा रहे उत्कृष्ठ कार्य के लिए विशेष किशोर पुलिस इकाई सीतामढ़ी को इस वर्ष 76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर डॉ० अशोक चौधरी,माननीय मंत्री ग्रामीण कार्य विभाग, बिहार सरकार , जिलाधिकारी सीतामढ़ी रिची पाण्डेय के द्वारा सम्मानित भी किया गया है।

आंगनबाड़ी सेविका का निधन, शोक की लहर

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के मोरवा प्रखंड के मोरवा उत्तरी पंचायत के लसकारा वार्ड संख्या 2 निवासी राष्ट्रीय लोक मोर्चा के पंचायत अध्यक्ष मुकेश कुमार चौधरी की मां सह आंगनवाड़ी सेविका 54 वर्षीय हीरा देवी का असमय निधन विगत 13 मार्च की रात्रि में हृदय गति रुकने से हो गया। उनके निधन की खबर सुनकर रालोमो जिलाध्यक्ष विनोद चौधरी निषाद ने उनके निवास स्थान पहुंचकर शोक संतप्त परिवार से मिले और सांत्वना दिए। मृतका मोरवा उत्तरी पंचायत के सेक्टर 01 स्थित वार्ड संख्या 02 की आंगनबाड़ी सेविका के पद पर कार्यरत थी।

होली खेलकर घर लौट रहा बेकरी दुकानदार की सड़क दुर्घटना में मौत

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के वारिसनगर थाना क्षेत्र किशनपुर रेलवे स्टेशन के निकट तेज रफ्तार अनियंत्रित बाईक सवार ने सड़क किनारे स्थित एक दुकान में ठोकर मारने के साथ नीचे गिर पड़ा जिससे उसकी मौत घटनास्थल पर ही हो गई। मृत युवक की पहचान वारिसनगर थाना क्षेत्र के ही धनहर निवासी सत्तो राय के 24 वर्षीय पुत्र संजन कुमार के रूप में की गईं है। वह किशनपुर रेलवे स्टेशन के पास अपना जय माता दी बेकरी का दुकान चलाता था, शुक्रवार को दुकान पर ही होली खेलकर वह बाईक से घर जा रहा था तभी कुछ दूर जाकर अनियंत्रित होकर एक दुकान में ठोकर मार दी वह सड़क पर अचेतावस्था में गिर गया। घटना की जानकारी होने पर आसपास के लोगों ने दौड़कर उठाया मगर वह घंटनास्थल पर ही दम तोड़कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे समस्तीपुर सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आगे की कार्रवाई में जुट गई है। सूचना पर वारिसनगर थाना अध्यक्ष निरंजन कुमार भी पहुंचकर मामले की छानबीन में जुट गई है। युवक की मौत की खबर आम होते ही मिलते ही परिजनों एवं गांव में कोहराम मच गया। सभी का रो रोकर हाल बुरा बना हुआ है।

भगवान बाजार आशिर्वाद मार्केट में धूमधाम से मनी होली, सामाजिक सौहार्द का दिया संदेश

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

छपरा, 15 मार्च: भगवान बाजार स्थित आशिर्वाद मार्केट परिसर में कायस्थ परिवार के संस्थापक एवं अ्रुँल्लल्लङ्ग५ं३ङ्गल्ल ळ्रौंल्लङ्ग’ङ्गी२ ढ५३. छ३ं. के निदेशक डॉ. अभिजीत कुमार श्रीवास्तव के निवास में होली बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस रंगारंग उत्सव में कायस्थ समाज के साथ-साथ अन्य समुदायों के लोग भी बड़ी संख्या में शामिल हुए और पारंपरिक पकवानों, नृत्य व संगीत का आनंद उठाया।श्री चित्रगुप्त समिति के महासचिव राकेश नारायण सिन्हा, बिहार स्वास्थ्य समिति औषधि विभाग के उप-निदेशक मनीष रंजन, जदयू शिक्षा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष राज सिन्हा, कायस्थ परिवार के राजेश कुमार सिन्हा

मिंटू, प्रिंस राज, अजय सहाय, राजेश वर्मा, भाजपा पश्चिमी नगर अध्यक्ष चंदन सोनी, डॉ. दीपक कुमार, अनीश गुप्ता, पवन राय, मुकेश कुमार, मोहम्मद इमामुद्दीन, मोहम्मद शहजाद, मोहम्मद असलम, मोहम्मद साबू, रविंद्र राय सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं स्थानीय व्यापारी ।इसके अलावा, वरिष्ठ पत्रकार डॉ. विद्या भूषण श्रीवास्तव,वरिष्ठ पत्रकार सैयद शकील हैदर,समेत अन्य पत्रकारों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया ।इस अवसर पर डॉ. अभिजीत कुमार श्रीवास्तव ने कहा,होली सिर्फ रंगों का त्योहार नहीं है, बल्कि यह आपसी भाईचारे और सामाजिक सौहार्द का प्रतीक भी है। हमें छपरा की सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिक जोश को बनाए रखना चाहिए ।हिंदू मुस्लिम सभी भाई एक साथ होली में सम्मिलित हुए ।रंग, संगीत और पकवानों का आनंदकार्यक्रम के दौरान अबीर-गुलाल की बौछार के बीच लोगों ने लोकगीतों और पारंपरिक नृत्य का भरपूर आनंद लिया। इसके साथ ही गुजिया, दही-भल्ले, ठंडाई और अन्य स्वादिष्ट व्यंजनों का भी लुत्फ उठाया गया ।इस आयोजन ने छपरा में सामाजिक एकता और भाईचारे की मिसाल पेश की, प्रत्येक वर्ष की भांति 2025 में भी हर धर्म के लोगों ने इक आपसी मिल्लत और भाईचारा का पैगाम रंग खेलकर दिया

दरभंगा-रहिका एनएच किनारे घर-घर पाइपलाइन से मिलेगी गैस

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

(दरभंगा):- दरभंगा-केवटी-रहिका-जयनगर पथ (एनएच 527बी) के किनारे बसे लोगों को पाइपलाइन से रसोई गैस मिलने की उम्मीद बढ़ गई है। भारत पेट्रोलियम ने इसके लिए काम शुरू कर दिया है। फिलहाल दरभंगा से रहिका तक पाइपलाइन बिछाने का कार्य जारी है। सड़क किनारे दरभंगा, केवटी, खिरमा, पाराडीह, दड़िमा, रनवे, धेपुरा से रहिका तक करीब एक दर्जन स्थानों पर गुजरात से लाए गए 30 फीट लंबे लोहे के सैकड़ों पाइप स्टोर किए गए हैं। इन्हें क्रमवार सड़क किनारे लगाया जा रहा है। सड़क के दोनों ओर दो-दो लाइन में पाइप बिछाए जा रहे हैं, लेकिन काम की रफ्तार काफी धीमी है।

भारत पेट्रोलियम के साइट इंजीनियर राहुल कुमार ने बताया कि कई विभागों से एनओसी मिल चुकी है। अब केवल वन विभाग की अनुमति बाकी है। इसके लिए उन्होंने केवटी की वनरक्षी संध्या कुमारी से मुलाकात कर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारत पेट्रोलियम को दरभंगा, मधुबनी, सुपौल, शिवहर, सीतामढ़ी समेत कई जिलों में पाइपलाइन बिछाने का काम मिला है। कंपनी इन जिलों में तेजी से काम कर रही है।

पूर्व के आपसी विवाद को लेकर मारपीट में 6 घायल ,दो सदर रेफर

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक थाना क्षेत्र के पदमौल गांव में पूर्व के आपसी विवाद को लेकर जमकर मारपीट में 6 लोग घायल हालत में इलाज के लिए सीएचसी मशरक में भर्ती कराए गए। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ चन्द्रशेखर सिंह ने प्राथमिक उपचार कर दो को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल छपरा रेफर कर दिया। घायलों की पहचान पदमौल गांव निवासी स्व भंगी राय का 65 वर्षीय पुत्र बच्चा राय, बच्चा राय की 60 वर्षीय पत्नी लालमुनी देवी ,28 वर्षीय पुत्र नन्दलाल राय,22 वर्षीय सुजित कुमार और दूसरे पक्ष से स्व हवलदार राय के दो पुत्र 30 वर्षीय छोटेलाल राय और 28 वर्षीय बृजकिशोर यादव के रूप में हुई। घायलों ने बताया कि पूर्व के विवाद को लेकर थाना पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है पर उन लोगों के द्वारा फिर से गाली गलौज में मारपीट हो गई जिसमें सभी घायल हो गए। मामले में थाना पुलिस को शिकायत दर्ज कराने की बात बताई गई।

होली में अश्लील गाना व डीजे बजाते आधा दर्जन साउंड बॉक्स जप्त

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक थाना पुलिस ने होली में हुड़दंग मचाते और अश्लील गाना बजाते आधा दर्जन डीजे साउंड बॉक्स को जब्त किया है। थानाध्यक्ष रणधीर कुमार ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि होली में विधि व्यवस्था को लेकर गश्त पर थी उसी दौरान डुमरसन बाजार में मंदिर के पास डीजे साउंड बॉक्स पर तेज आवाज में अश्लील गीत बजाया जा रहा था और नंग धड़ंग हुड़दंग मचाया जा रहा था वहीं आने जाने वालों को परेशान किया जा रहा था। पुलिस ने छापेमारी पर आधा दर्जन डीजे साउंड बॉक्स को जब्त कर थाना लाई। मामले में एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है। वहीं उन्होंने कहा कि थाना क्षेत्र के किसी भी गांव या चौक चौराहों पर अवांछनीय तत्वों के द्वारा कोई भी समस्या दीखे तो पुलिस को अभिलंब जानकारी दें ,आपकी सूचना गोपनीय रखतें हुए कानूनी कार्रवाई की जाएंगी।

आपसी विवाद में मारपीट में 4 घायल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के हरपुरजान गांव में आपसी विवाद में मारपीट में 4 लोग घायल हो गए। घायलों में हरपुरजान गांव निवासी 40 वर्षीय बबीता देवी,30 वर्षीय मोहित कुमार,52 वर्षीय सुरेन्द्र राय ,48 वर्षीय मीणा देवी शामिल हैं। ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ चन्द्रशेखर सिंह ने प्राथमिक उपचार किया। घायलों ने बताया कि आपसी विवाद को लेकर मारपीट हो गई जिसमें सभी घायल हो गए।

पूर्व के विवाद को लेकर मारपीट में 5 घायल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक सीएचसी में पूर्व के विवाद में मारपीट में 5 लोगों को घायल हालत में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। घायल तरैया थाना क्षेत्र के गलियापुर गांव निवासी 60 वर्षीय हरेंद्र साह,48 वर्षीय राजकुमार साह,60 वर्षीय विधावती देवी,65 वर्षीय शम्भू ठाकुर,60 वर्षीय सुरेश ठाकुर हैं। ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ चन्द्रशेखर सिंह ने प्राथमिक उपचार कर दो को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल छपरा रेफर कर दिया। घायलों ने बताया कि पूर्व के विवाद को लेकर मारपीट हो गई।

मशरक में बाइक दुर्घटना में युवक घायल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक थाना क्षेत्र के यदु मोड़ पर बाइक दुर्घटना में युवक घायल हालत में सीएचसी मशरक में भर्ती कराया गया। घायल मशरक नगर पंचायत क्षेत्र के पूरब टोला गांव निवासी मो सलामुद्दीन साह का 18 वर्षीय पुत्र मो सिकंदर हुसैन हैं। ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक प्रभारी डॉ संजय कुमार ने प्राथमिक उपचार किया। घायल ने बताया कि गंगौली गांव से आवश्यक कार्य कर बाइक से घर आ रहा था कि अनियंत्रित अज्ञात बाइक सवार ने टक्कर मार दी और फरार हो गया वहीं वह घायल हो गया।

नल-जल का मोटर खराब, पेयजल के लिए मचा हाहाकार, पोखर का पानी बना सहारा

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- नल-जल योजना बना भ्रष्टाचार का शिकार, जांच कर हो कारवाई- सुरेंद्र प्रसाद सिंह
- माधोपुर दिघरूआ वार्ड 9 में भी 10 दिनों से नल जलापूर्ति ठप, जल्द जलापूर्ति शुरू हो माले
- 19 मार्च को प्रखंड-अंचल पर प्रदर्शन को बड़ी भागीदारी से सफल बनाने की ताजपुर वासियों से माले की अपील

ताजपुर/समस्तीपुर :--16 मार्च 2025

नगर परिषद क्षेत्र के भेरोखरा वार्ड 15 कालीपोखर स्थित नल-जल का मोटर तीन दिनों से जले रहने से पेयजल के लिए हाहाकार मचा हुआ है। कुछ लोग आधा किलोमीटर दूर महादेव मंदिर से पानी लाकर तो कुछ लोग पोखर के पानी के दैनिक जरूरत की पूर्ति करने को मजबूर हैं। जानकारी के बावजूद मोटर ठीक कराने को न प्रखंड प्रशासन और न ही नगर प्रशासन तैयार है। होली जैसे पर्व में भी पेयजल का दंश स्थानीय लोगों को झेलना पड़ा।

जलापूर्ति बाधित रहने से परेशान लोगों ने जलमिनार पर विरोध प्रदर्शन कर नया मोटर लगाकर तत्काल जलापूर्ति करने की मांग की। प्रदर्शनकारी को संबोधित करते हुए भाकपा माले प्रखंड सचिव सुरेंद्र प्रसाद सिंह नल-जल के कार्य में गुणवत्ताहीन सामग्री लगाकर सरकारी राशि लूट लेने का आरोप प्रखंड प्रशासन पर लगाया। उन्होंने कहा कि बार-बार प्रखंड विकास पदाधिकारी से जांच कर योजनाकर्ता पर कारवाई की मांग की गई लेकिन लेन-देन का मामले को टालमटोल कर दिया गया। पूरे प्रखंड में नल-जल में गड़बड़ी की गई है। उन्होंने कहा कि माधोपुर दिघरूआ पंचायत के वार्ड 9 में भी करीब 10 दिनों से जलापूर्ति ठप है। नगर एवं प्रखंड के कई अन्य नल-जल भ्रष्टाचार का दंश झेल रहा है। उन्होंने तमाम नल-जल को दुरुस्त करने, दोषियों पर कारवाई करने समेत अन्य मांगों को लेकर भाकपा माले एवं खेग्रामस के बैनर तले 19 मार्च को प्रखंड-अंचल पर आहूत प्रदर्शन में भाग लेकर सफल बनाने की अपील ताजपुर वासियों से की।

मौके पर प्रमोद साह, संतोष साह, शोभा देवी, अनीता देवी, रीता देवी समेत दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे

डॉ. अरुण कुमार सिंह की 16वीं पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर का आयोजन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ी:शहर के मेहसौल स्थित रुपबाला एएनएम ट्रेनिंग सेंटर में स्व. डॉ. अरुण कुमार सिंह की 16वीं पुण्यतिथि पर इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के मंत्री मोतीलाल प्रसाद ने दीप जलाकर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रुपबाला ए एन एम ट्रेनिंग सेंटर के प्रतिनिधियों ने किया। रक्तदान शिविर में विशेष रूप से डॉ. ए के सिंह, डॉ. अमित कुमार, रवि कुमार, जिज्ञासा सिंह, नंद किशोर सिंह, सुजीत कुमार सिंह, अविनाश कुमार, उमेश ठाकुर, श्रीनिवास मिश्रा, चंदन कुमार, सुकोमल कुमार, सॉकेट राज, स्मिता कुमारी, जय किशोर यादव, परमेश्वर सिंह, प्रवनेश सिंह, अर्पिता सिंह, राजीव कुमार सिंह, डॉ. नूतन सिंह, डॉ. स्मिता सिंह, अमित प्रियदर्शी, ऋचा कुमारी, धर्मेन्द्र कुमार जैसे प्रमुख व्यक्तियों ने रक्तदान किया। इस दौरान मंत्री मोतीलाल प्रसाद ने कहा कि मानवता की सेवा का सर्वोत्तम उदाहरण रक्तदान है, क्योंकि एक यूनिट रक्त कई जीवनों को बचा सकता है। यह न केवल एक नेक कार्य है, बल्कि समाज की बेहतरी के लिए एक आवश्यक कदम भी है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक को रक्तदान के इस नेक कार्य में भाग लेना चाहिए, क्योंकि इससे न सिर्फ मानव जीवन को बचाया जा सकता है, बल्कि यह समाज में एकता और सहयोग की भावना भी उत्पन्न करता है। इस अवसर पर इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के ब्लड सह संयोजक और फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. एम एन रहमान ने एक अद्वितीय मिसाल पेश की। रमजान के महीने में उपवास होने के बावजूद उन्होंने शाम 6 बजे के बाद रक्तदान किया, जिससे उनके समर्पण और समाज सेवा के प्रति उनके दृष्टिकोण को मंत्री ने सराहते हुए उनकी प्रशंसा की। मंत्री ने कहा कि डॉ. रहमान के इस योगदान ने समाज में रक्तदान के महत्व को बढ़ावा दिया और दूसरों को प्रेरित किया। मौके पर रेड क्रॉस अध्यक्ष डॉ. एम ठाकुर, सचिव राजेश सुंदरका, डॉ. ए के सिंह, डॉ. नूतन सिंह, डॉ. अमित कुमार, डॉ. स्मिता, डॉ. एम एन रहमान, संजीव कुमार, अमित कुमार, संजय सिंहा, शशि रंजन सुमन, बरखा रानी सहित कई अन्य लोग उपस्थित थे।

मगरदही घाट पुल से बूढ़ी गंडक नदी में एक युवती छलांग लगाने वाली का शव नागरबस्ती में मस्जिद के पास नदी से बरामद

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर में शनिवार की देर शाम मगरदही घाट पुल से बूढ़ी गंडक नदी में एक युवती ने छलांग लगा दी थी। रविवार वही को युवती का शव परिजनों ने नागरबस्ती में मस्जिद के पास नदी से बरामद कर लिया है।इसके बाद इसकी सुचना पुलिस को दी गयी। सुचना पर पहुंची पुलिस ने सदर अस्पताल शव का पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है।मृतक युवती के भाई अमरेश कुमार ने बताया कि होली के दिन घर में किसी बात को लेकर विवाद हुआ था, जिसके बाद उसे डांट भी पड़ी थी। वहीं, घर के लोग ने उसे घर से निकलने से मना किया था, जिससे नाराज होकर वह अचानक शनिवार की शाम घर से निकल गई और मगरदही घाट पूल से बूढ़ी गंडक नदी में छलांग लगा दी। युवती की पहचान वारिस नगर थाना क्षेत्र के मोहिउद्दीनपुर गांव निवासी स्वर्गीय नारायण दास की पुत्री संजू कुमारी (20 वर्ष) के रूप में की गई है।इसके बाद स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी थी, लेकिन रात में रआ्क्र ने ऑपरेशन करने से मना कर दिया था। इस वजह से युवती का अता-पता नहीं चल सका था। हालांकि परिजन रात भर नदी किनारे खोजबीन करते रहे। इसी क्रम में रविवार की सुबह नागरबस्ती में मस्जिद के पास नदी किनारे एक शव मिलने की खबर मिली। इसके बाद वे लोग वहां पहुंचे और शव की पहचान की।इस संबंध में मथुरापुर थाना अध्यक्ष मुकेश कुमार ने बताया कि शनिवार की देर शाम मगरदही घाट पुल से बूढ़ी गंडक नदी में एक युवती ने छलांग लगा दी थी। घटना की सूचना पर पुलिस अधिकारी को मौके पर भेजा गया था। लेकिन अंधेरा होने के कारण कोई जानकारी नहीं मिल पाई थी। जिसके बाद रविवार को परिजनों ने उसका शव नागरबस्ती में मस्जिद के पास नदी किनारे से बरामद किया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। इस घटना को लेकर यूडी केस दर्ज किया जा रहा है।

टॉप 10 शराब माफिया को पुलिस ने दबोचा, भेजे गये जेल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कपूर्रीग्राम थाना के तहत शंभुपट्टी गांव निवासी जिला के टॉप 10 शराब माफियाओं में शुमार राजीव कुमार उर्फ छोटू सिंह को गांव में ही किसी युवक के साथ मारपीट की घटना को अंजाम देने के क्रम में कपूर्रीग्राम थानाध्यक्ष ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इस शराब माफिया की गिरफ्तारी होने से जिले के कई थानों की पुलिस ने भी राहत की सांस ली है। उक्त संबंध में विश्वसनीय सुत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बीते दिनों बुधवार 12 मार्च की दोपहर बाद कपूर्रीग्राम पुलिस को सूचना मिली कि शराब के नशे में धुत्त कुछ बदमाश युवक शंभूपट्टी गांव में ही एक युवक के साथ काफी बुरी तरीके से मारपीट कर रहा है। सुचना मिलते ही कपूर्रीग्राम थानाध्यक्ष सदल बल मौके पर पहुंच गये तथा मारपीट कर रहे युवक को हिरासत में लेने लगे। जिस पर उक्त शराब माफिया के द्वारा स्थानीय पुलिस बल के साथ भी बदसलूकी करने की बात सामने आई है।

संदिग्ध हालत में विवाहिता का शव बरामद, छानबीन में जुटी पुलिस

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के विद्यापतिनगर थाना क्षेत्र के वाजिदपुर पंचायत अंतर्गत राजा चौक के पास एक घर से शनिवार की सुबह पुलिस ने संदिग्ध हालत में एक विवाहिता का शव बरामद किया है। जिससे पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। मृतिका की पहचान राजा चौक निवासी शंभू राय की 32 वर्षीय पत्नी संगीता देवी के रूप में हुई है। बताया जाता है कि मृतिका संगीता देवी का पति हैदराबाद में रह कर मजदूरी करता है, जबकि वह अपने तीन बच्चों के साथ घर में रहती थी। घटना के संबंध में मृतिका के भाई मोहिउद्दीननगर थाना क्षेत्र के महम्मदीपुर चकला निवासी उमेश राय ने बताया कि शनिवार की सुबह उन्हें मृतिका के पुत्र द्वारा फोन पर संगीता की हत्या कर दिए जाने की सूचना दी गई। जब वे आनन-फानन में यहां पहुंचे तो पता चला कि उसे अस्पताल ले जाया गया है, लेकिन बाद में संगीता का शव उसके कमरे से ही बरामदे किया गया। उन्होनें बताया कि मेरी बहन को उसके देवर और सास के द्वारा काफी दिनों से प्रताड़ित किया जा रहा था। उन्होनें आशंका जताई है कि उनकी बहन की हत्या ससुराल वालों के द्वारा कर दी गई है। वहीं ससुराल वालों का कहना है कि संगीता ने आत्महत्या कर ली है। बहरहाल पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर छानबीन में जुट गई है। थानाध्यक्ष फिरोज आलम ने बताया कि एफएसएल टीम को घटनास्थल से नमूने एकत्र करने के लिए बुलाया गया है। शव को पोस्टमार्टम में भेजने की प्रक्रिया चल रही है। उधर घटना की सूचना पर सुबह से ही मृतिका के घर पर लोगों का जमावड़ा लगा हुआ है, वहीं मृतिका के बच्चों का रो रोकर बुरा हाल बना हुआ है।

23 साल बाद मिला इंसाफ, फरार अपराधी राम विलास सिंह और बब्लू सिंह भेजे गये जेल,

दोनो अभियुक्त पिता और पुत्र है

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के वारिसनगर थाना क्षेत्र सतमलपुर के 2002 के हत्या के प्रयास के मामले में दोषी करार दिए गये राम विलास सिंह और बब्लू सिंह की अपील अदालत ने खारिज कर दी। अदालत ने दोनों दोषियों को 24 फरवरी 2025 तक आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया था, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। मामले का संक्षिप्त विवरण राम विलास सिंह और बब्लू सिंह को 2016 में ट्रायल कोर्ट ने दोषी ठहराया था। इस फैसले के खिलाफ उन्होंने अपील दायर की, जिसे 24 जनवरी 2025 को अपील अदालत ने खारिज कर दिया और उन्हें 24 फरवरी 2025 तक कोर्ट में आत्मसमर्पण करने का आदेश दिया, लेकिन दोनों ने न तो आत्मसमर्पण किया और न ही किसी प्रकार की स्थगन या जमानत प्राप्त की, जिसके कारण अदालत ने 27 फरवरी 2025 को गैर जमानती वारंट जारी कर दिया। गिरफ्तारी से बचने की कोशिश गैर जमानती वारंट जारी होने के बावजूद, राम विलास सिंह और बब्लू सिंह अपने घर सतमलपुर में ही रह रहे थे। इस बीच समस्तीपुर एसपी से वारिसनगर थाना प्रभारी को वारंट तामील करने का निर्देश मिला। निर्देश मिलने के तुरंत बाद दोनों फरार हो गया। दो दिन बाद पुलिस ने सतमलपुर स्थित उनके घर की जांच की, लेकिन दोनों वहां से पहले ही फरार हो चुके थे। इसके बाद पुलिस को बब्लू सिंह के मोरदिवा स्थित ससुराल में होने की जानकारी दी गयी। जानकारी दिए जाने के तुरंत बाद उसी दिन बबलू सिंह वहां से भागकर अपनी बहन के ससुराल, बरियारपुर ईस्ट (समस्तीपुर - बेगूसराय सीमा) चला गया। दूसरी ओर राम विलास सिंह समस्तीपुर शहर में ही छिपा रहा। अदालत के सख्त रुख के बाद आत्मसमर्पण लगातार फरार रहने के कारण अदालत ने वारिसनगर थाना प्रभारी निरंजन कुमार को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का निर्देश दिया। इस के बाद 12 मार्च 2025 को राम विलास सिंह और बब्लू सिंह अपने छिपने के स्थान से बाहर आ गये और अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया। इसके बाद अदालत ने दोनों को तुरंत न्यायिक हिरासत में भेज दिया। लगातार फरार होने के बावजूद अदालत की सख्ती के कारण राम विलास सिंह और बब्लू सिंह अंततः कानून के शिकंजे में आ गये। अब उन्हें अपनी सजा पूरी करनी होगी और न्याय की प्रक्रिया मुकम्मल होगी। इधर दोनों अभियुक्तों की गिरफ्तारी होने पर पीड़ित परिवार के चेहरे पर रौनक छा गई।

सड़क पर ईट और बालू रहने से राहगीरों हो रही है काफी परेशानी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। नगर निगम मथुरापुर क्षेत्र के वार्ड संख्या 13 शर्मा टोली में नाला निर्माण का कार्य बहुत ही धीमी गति से चल रहा है। ठिकेदार द्वारा नाला निर्माण के लिए सड़क का मिट्टी, ईंट का टुकड़ा सड़क पर ही छोड़ दिया गया। जिससे आसपास के अलावा राहगीरों को पैदल चलना दुश्वार हो गया है। इतना ही नहीं स्थानीय लोगों को घर से बाहर निकलना दूभर हो गया है। बताया जाता है कि सड़क पर मिट्टी और ईंट का टुकड़ा रहने से राहगीरों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बताया जाता है कि इस समय मुस्लिम भाइयों का पवित्र त्योहार रमजान चल रहा है, उन लोगों को भी नमाज पढ़ने के लिए मस्जिद में जाने के लिए काफी कठिनाई हो रही है।

मारपीट मामलों में बछवाड़ा पुलिस ने चार अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ

तेघड़ा /बेगूसरायबछवाड़ा थानान्तर्गत ग्राम चमथा रजौली बिन्द टोली में आपसी विवाद को लेकर हुई मारपीट मामलें में पुलिस टीम के द्वारा 04 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। मामला बछवाड़ा थाना क्षेत्र की है 14 मार्च शुक्रवार को सुबह में बछवाड़ा थाना पुलिस को एक सूचना मिली कि ग्राम चमथा रजौली बिन्द टोली में पुर्व के आपसी विवाद को लेकर मारपीट हुई है जिसमें 05 व्यक्ति जख्मी हो गये हैं। प्राप्त सूचना के आधार पर थाने के पुलिस पदाधिकारी एवं सशस्त्र बल बछवाड़ा थाना के द्वारा ग्राम चमथा रजौली बिन्द टोली स्थित स्थल के पास पहुँचकर जाँच/पड़ताल किया गया। पूछताछ के दौरान उपस्थित स्थानीय लोगों एवं परिजनों द्वारा बताया गया की सुबह में गोतिया में आपसी विवाद को लेकर झगड़ा झंझट करते हुए एक पक्ष के द्वारा मारपीट करने लगा जिसमें दुसरे पक्ष से 05 व्यक्ति (01) राजीव महतो (02) नीरज कुमार दोनों पे०-स्व० गणेशी महतो (03) शियम कुमार पे०-जय प्रकाश महतो (04) चन्दन कुमार पे०-जोखी महतो (05) दीपक कुमार पे०-श्याम प्रसाद सभी सा०-चमथा रजौली बिन्द टोली थाना-बछवाड़ा जिला-बेगूसराय जख्मी हो गये हैं। तत्पश्चात पुलिस टीम के द्वारा स्थानीय लोगों के सहयोग से जख्मी व्यक्तियों को ईलाज हेतू प्राथमिक स्वास्थ केन्द्र, बछवाड़ा भेजा गया है जहाँ चिकित्सा पदाधिकारी से जख्मी के संबंध में पुछताछ करने पर बताया गया की स्थिति सामान्य है। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, तेघड़ा डॉ रविंद्र मोहनप्रसाद के नेतृत्व में बछवाड़ा थाने की पुलिस टीम के द्वारा घटना के सभी पहलूओं पर छानबीन करते हुए मारपीट के दौरान प्रयुक्त गड़ासा, फरसा एवं कुल्हाड़ी को विधिवत जप्त करते हुए घटना में संलिप्त चार अभियुक्तों (01) प्रभात कुमार (02) अंकित कुमार दोनों पे०-सुरेन्द्र प्रसाद महतो (03) सुरेन्द्र प्रसाद महतो पे०-स्व० शिवजी महतो एवं (04) दुखनी देवी पति सुरेन्द्र प्रसाद महतो सभी सा०-चमथा रजौली थाना-बछवाड़ा जिला-बेगूसराय को गिरफ्तार किया गया है। विधिसम्मत आवश्यक अग्रतर कार्रवाई की जा रही है

होली के दिन युवक को चाकू गोदकर हत्या

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सिवान दुरौंधा 16 मार्च रविवार। दुरौंधा थाना क्षेत्र के बगौरा गांव में शुक्रवार की रात एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। होली की रात बगौरा निवासी म खालिद की हुई हत्या मामलें में मृतक के पिता ने थाने में दरौंदा थाना कांड संख्या 128/25 में एफआईआर दर्ज कराई है। एफआईआर में बगौरा निवासी म क्यामुदिन अंसारी ने एफआईआर में कहा है कि मेरा लड़का मोहम्मद खालिद और मेरा भतीजा अफजल अपने दोस्तों के साथ पुरानी बाजार स्थित ट्रांसफार्मर के पास करीब 8 बजे रात में बर्थडे मनाने गया। करीब 9:00 बजे मोटरसाइकिल पर सवार तीन व्यक्ति आए। वे मेरे भतीजा को करने लगे। जब मेरा बेटा खालिद बीच-बचाव करने गया। तो उसके साथ मारपीट करने लगे। मेरे भतीजा भागकर घर आया। घर आकर घटना की जानकारी दी। हम लोग दौड़कर घटनास्थल पर गए। हम लोगों को आते देख तीनों लोग मोटरसाइकिल से भाग गए। मेरा बेटा उस समय खून से लथपथ होकर जमीन पर पड़ा हुआ था। उसके गर्दन पर चाकू से मारा गया था। साथ ही उसके शरीर के अन्य भाग में भी चाकू से मारा गया था। एफआईआर में मदारीचक निवासी पप्पू सिंह व दो अज्ञात लोगों को आरोपी बनाया गया है।

चकमेहसी में होली की शाम एक सड़क हादसे को सांप्रदायिक रंग देकर माहौल बिगाड़ने की नाकाम कोशिश,

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

डीएसपी अध्यक्ष 2 के नेतृत्व में इलाके में पुलिस तैनात

जिले के कल्याणपुर प्रखंड चकमेहसी थाना क्षेत्र के चकमेहसी पंचायत में होली के दिन सड़क दुर्घटना के नाम पर दो समुदायों के बीच मारपीट हो गयी, जिसमें कई लोग घायल हो गये. दो समुदाय के बीच सड़क पर हुई घटना को झगड़े का बहाना बना दिया गया। इस घटना के बाद चकमेहसी थाना अध्यक्ष संतोष कुमार यादव डीएसपी टू विने महतो पुलिस इंस्पेक्टर नीरज तिवारी पुलिस पदाधिकारियों के साथ इलाके में कैंप कर रहे हैं. बता दें कि दोनों समुदाय की ओर से थाने में मामला दर्ज कराया गया है, जिसमें गांव के ही रहने वाले गुडू कुमार ने लोगों को नामजद किया है. आरोपित का नाम उजागर कर हो जाये, आरोपित बच जायेंगे, की अपील करते हुए थानाध्यक्ष ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है और न्याय के साथ कार्रवाई की जायेगी.

होली के दिन शराब के नशे में दूत युवक ने महिला की गला दबा कर हत्या की

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सिवान दारौंदा 16 मार्च रविवार।दारौंदा थाना क्षेत्र के नवलपुर टोला में 14 मार्च की शाम नशे में धुत युवक ने वृद्ध महिला की गला दबाकर हत्या कर दी। होली की शाम महिला घर में अकेली थी। इसी दौरान गांव का पंकज कुमार अबीर खेलने के बहाने आया। उसने गुलाल लगाने के दौरान महिला से छेड़खानी करने लगा। जब उसने विरोध किया तो पंकज ने गला दबा दिया। इसके बाद साक्ष्य मिटाने के लिए आरोपी ने ईंट से महिला के शव को कई जगह से कुचल दिया। मृतका के शरीर पर ईंट के निशान स्पष्ट दिखाई दे रहे थे। मृतिका की पहचान श्रीनाथ राम की पत्नी पार्वती देवी (70) के रूप में हुई है। इस मामले में पति श्री नाथ राम के बयान पर दारौंदा थाना कांड संख्या 129/2025 में प्राथमिकी कराई गई है। जिसमें उसी गांव के पंकज कुमार को आरोपित किया गया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए हत्यारोपी पंकज कुमार को गिरफ्तार कर सिवान जेल भेज दिया।

उसने गुलाल लगाने के दौरान महिला से छेड़खानी करने लगा। जब उसने विरोध किया तो पंकज ने गला दबा दिया। इसके बाद साक्ष्य मिटाने के लिए आरोपी ने ईंट से महिला के शव को कई जगह से कुचल दिया। मृतका के शरीर पर ईंट के निशान स्पष्ट दिखाई दे रहे थे। मृतिका की पहचान श्रीनाथ राम की पत्नी पार्वती देवी (70) के रूप में हुई है।

सोशल मीडिया पर महिला का अश्लील फोटो / वीडियो वायरल करने वाले अभियुक्त को आवेदन प्राप्त होने के 06 घंटे के भीतर किया गया गिरफ्तार

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

,वरिष्ठ संवाददाता ,छपरा दिनांक-16.03.25 को साइबर थाना, छपरा को सूचना प्राप्त हुई कि विकास कुमार, पिता-स्व० वीरबहादुर प्रसाद, ग्राम रसूलपुर चट्टी, थाना-रसूलपुर, जिला-सारण द्वारा 01 महिला का अश्लील फोटो/वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किया जा रहा है। इस संबंध में पीड़िता के लिखित आवेदन के आधार पर साइबर थाना कांड सं0-66/25, दिनांक-16.03.25, धारा-75/77/78/79/356(2)/352/351(3)/351 (4) बीएनएस एवं 66 (इ)/67/67 (ए) आइटी एक्ट दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया था। तकनीकी अनुसंधान के क्रम में प्राप्त आसूचना के आधार पर आवेदन प्राप्त होने के 06 घंटे के भीतर

उक्त अभियुक्त विकास कुमार को गिरफ?तार कर लिया गया है। पूछताछ के क्रम में गिरफ्तार अभियुक्त द्वारा कांड में अपनी संलिप्ता को स्वीकार किया गया है। अग्रतर विधि-सम्मत कार्रवाई की जा रही है।गिरफ्तार अभियुक्त का नाम एवं पता

1. विकास कुमार, पिता-स्व० वीरबहादुर प्रसाद, ग्राम रसूलपुर चट्टी, थाना-रसूलपुर, जिला-सारण।

> जप्त / बरामद सामानों की विवरणी :-

1. मोबाइल-01

> टीम में शामिल पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मी :-

थानाध्यक्ष साइबर थाना एवं थाना के अन्य पदाधिकारी/कर्मी।

BRIEF NEWS

एसएसबी ने प्रतिबंधित दवाओं के साथ दो तस्करों को किया गिरफ्तार

ARARIYA : एसएसबी 56वीं बटालियन की बेला बीओपी की टीम ने शनिवार देर शाम भारत नेपाल सीमा से सटे बसमतिया इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के पास छापेमारी कर भारी मात्रा में प्रतिबंधित दवाओं के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया। एसएसबी ने भारत नेपाल सीमा के एक किलोमीटर के अंदर गुप्त सूचना पर यह कार्रवाई की। एसएसबी के बेला समवाय की छह जवानों की स्पेशल टीम ने यह कार्रवाई की। एसएसबी ने एक लाख 26 हजार रुपये के स्पेशमो प्रॉक्सीवन कैप्सूल 11 हजार 520 पीस, दो मोटरसाइकिल, दो मोबाइल, चार सीम कार्ड जब्त किया। एसएसबी ने मामले में बेला गांव के वार्ड संख्या चार निवासी 36 वर्षीय राम खेलावन पासवान पिता बच्चा पासवान और घुरना थाना क्षेत्र के महेशपट्टी वार्ड संख्या 14 के 26 वर्षीय ओमप्रकाश कर्ण पिता मुरलीलाल कर्ण को गिरफ्तार किया।

पुलिस टीम पर हमला करने के मामले में 5 लोग गिरफ्तार

BHAGALPUR : जिले के अंतीचक थाना अन्तर्गत पुलिस टीम पर हमला करने के मामले में पुलिस ने 05 व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। उक्त आशय की जानकारी रविवार को डीएसपी अजय कुमार चौधरी ने दी। डीएसपी ने बताया कि बीते 14 मार्च को संध्या करीब 07:00 बजे अंतीचक थाना अन्तर्गत कासीड़ी माधोरामपुर गांव में आपसी झड़प की सूचना अंतीचक थाना पुलिस को मिली। सूचना मिलते ही त्वरित कर्रवाई करते हुए अंतीचक थाना की पुलिस एवं मजिस्ट्रेट घटनास्थल पर पहुंचे तथा पुलिस को देखते ही ग्रामीणों द्वारा पुलिस टीम पर पथराव कर दिया गया। जिसमें 01 पुलिस पदाधिकारी, 03 जवान एवं 01 चौकीदार चाटिल हो गए तथा वाहन को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया।

कोटवा के शमशाद हत्याकांड का पुलिस ने किया उद्भेदन

CHAMPARAN : जिले के कोटवा थाना क्षेत्र में युवक शमशाद हत्या मामले का पुलिस ने सफल उद्भेदन कर लिया है। युवक की हत्या व्यवसायिक प्रतिद्वंद्विता में की गयी। कोटवा थाना क्षेत्र में 13 मार्च की सुबह गढ़वा गांव के नहर के पास मक्के के खेत से 16 वर्षीय शमशाद आलम का शव पुलिस ने बरामद किया था, जिसके बाद एसपी स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर डीएसपी सदर 2 के नेतृत्व मे गठित विशेष जांच टीम ने महज 48 घंटों में हत्या का खुलासा करते हुए आरोपी मुमताज आलम को गिरफ्तार करते हुए हत्या में प्रयुक्त चाकू,खून लगा शर्ट व मृतक मोबाइल भी बरामद कर लिया है। सदर डीएसपी 2 जितेश पांडे ने बताया कि मृतक राजपुर मठिया गांव निवासी अफसर मिया का बेटा शमशाद और आरोपी मुमताज दोनों एक ही जगह पर मुर्गा बेचने का व्यवसाय करते थे। शमशाद के कम दाम पर मुर्गा बेचने से मुमताज का व्यवसाय प्रभावित हो रहा था। इस बात से नाराज होकर मुमताज ने शमशाद की हत्या कर दी।

कार्यक्रम — कांग्रेस के पलायन रोको और रोजगार दो पदयात्रा से युवाओं में जगी उम्मीद

बिहार के कांग्रेस प्रभारी ने कहा, पलायन और बेरोजगारी एक गंभीर समस्या

AGENCY CHAMPARAN : बिहार में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सभी दलो ने तैयारी शुरू कर दी है। कांग्रेस ने बिहार में बढ़ती बेरोजगारी और पलायन को मुख्य मुद्दा बनाया है, जिसे लेकर रविवार को चंपारण के भितिहरवा गांधी आश्रम से युवा कांग्रेस और एनएसयूआई पदयात्रा कर रहा हैं। पदयात्रा बिहार के विभिन्न क्षेत्रों से होते हुए पटना तक जाएगी।
पदयात्रा को लेकर मोतिहारी में पहुंचे कांग्रेस के बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरू और प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह का रविवार को पूर्वी चंपारण जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ई. शशि भूषण राय (गप्पू राय) के नेतृत्व में कार्यकताओं ने अंगवस्त्र और पुष्पगुच्छ भेंट कर भव्य स्वागत किया। इस मौके पर मोतिहारी स्थित डाक बंगला में एक प्रेस वार्ता का भी आयोजन किया गया, जिसे संबोधित करते हुए कांग्रेस के बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरू व प्रदेश अध्यक्ष डा.अखिलेश प्र.सिंह ने कहा कि राज्य में युवाओं की स्थिति चिंताजनक है। पलायन और बेरोजगारी बिहार की स्थिति को जर्जर बना रख दिया है। कांग्रेस पदयात्रा के माध्यम से पलायन और रोजगार जैसे मुद्दे पर युवाओं जागरूक करना चाह रही है, ताकि यह प्रश्न सरकार से पूछा जाय कि आखिर बिहार कब तक पलायन और बेरोजगारी की त्रासदी झेलता रहेगा। उन्होने कहा बिहार में पेपर लीक होना को आम बात हो गई है। उन्होने बताया कि कांग्रेस की यह आंदोलन को बिहार में बदलाव की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। श्री अल्लावरू ने इस मौके पर कांग्रेस कार्यकताओं के साथ बिहार के सभी युवाओ से इस पदयात्रा में शामिल होने की अपील भी की।

» विधानसभा चुनाव को लेकर सभी दलों ने शुरू की तैयारी
» पदयात्रा बिहार के विभिन्न क्षेत्रों से होते हुए पटना तक जाएगी
» पदयात्रा के माध्यम से पलायन और रोजगार जैसे मुद्दे पर कांग्रेस युवाओं को करेगी जागरूक
» कांग्रेस का यह आंदोलन बिहार में बदलाव की दिशा में अहम

नवादा में विवाद सुलझाने गई पुलिस टीम पर हमले में जमादार सहित तीन घायल, 8 गिरफ्तार

AGENCY NAVADA : बिहार में पुलिस बल पर लगातार हो रहे हमलों से प्रशासन सकते में हैं। बीत तीन दिन में बिहार के अररिया, मुंगेर, भागलपुर और आज नवादा जिले के रजौली थानाक्षेत्र के लेंगुरा पंचायत में उग्र भीड़ ने पुलिस बल पर हमला बोल दिया। पुलिस के मुताबिक नवादा जिले के तुलसी बिगहा गांव में रविवार को पति-पत्नी के बीच हुए विवाद को सुलझाने गई पुलिस टीम पर ग्रामीणों के द्वारा हमला बोल दिया गया। जिससे कई पुलिसकर्मी सहित थाना के सरकारी वाहन क्षतिग्रस्त हो गया।
इस संबंध में थानाध्यक्ष राजेश कुमार ने बताया कि तुलसी बिगहा निवासी उषा देवी थाना पहुंची और पति और सास की प्रताड़ना से तंग आकर आवेदन दिया और न्याय की गुहार लगाई। आवेदन प्राप्ति के बाद आवश्यक कार्रवाई के लिए पीड़ित उषा देवी के साथ रजौली थाना के पदस्थापित पुलिस अवर निरीक्षक सत्येंद्र सिंह,पीटीसी सुरेंद्र राम के साथ सशस्त्र बल को भेजा गया। पीड़िता के पति वीरू यादव को पुलिस कर्मियों के द्वारा समझाने का प्रयास किया गया। लेकिन पीड़ित महिला को देखते ही उक्त गांव के लोग उग्र हो गए और पुलिस टीम पर हमला बोल दिया। जिससे पुलिस का सरकारी वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। उग्र भीड़ ने सशस्त्र बल का राइफल छीनने का भी प्रयास किया । इसके बाद उग्र भीड़ के द्वारा किए गए हमले में एक पुलिस पदाधिकारी घायल हो गए।
घटना की सूचना पाकर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में कार्रवाई करते हुए छापेमारी टीम का गठन किया। उक्त स्थान पर जाकर छापेमारी अभियान चलाकर पुलिस टीम पर हुए हमले के मामले में आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

रोहतास में मां-बेटी की हत्या, पिता-पुत्र गिरफ्तार

AGENCY ROHTAS : बिहार में रोहतास जिले के चुटिया थाना क्षेत्र के तिअरा खुर्द पंचायत के चरनी पहाड़ी के नीचे पांवर सब स्टेशन के पास मां पार्वती देवी (48)बेटी प्रतिमा कुमारी (20)की हत्या पिता रामनाथ राम व पुत्र छोटू उर्फ लुल्हा ने मिलकर शनिवार को कर दिया। एसपी रौशन कुमार के अनुसार पुलिस को सूचना मिली की तियरा कला पहाड़ी के पास पावर ग्रिड के बगल के बाजार में सिंचाई हेतु लगे मोटर के पास से दो महिला का शव पड़ा है। इस संबंध में मृतिका के पति व पुत्र ने बताया कि विद्युत मोटर चलाने के क्रम में करेंट लगने से दोनों को मौत हुई है। उन्होंने बताया कि शव को देखने से पता चला कि दोनों की हत्या गला घोट कर की है। उन्होंने बताया कि एसडीपीओ दो वंदना के नेतृत्व में टीम गठित किया गया। जिसमें तकनीकी सहायता के लिए डीआईओ की टीम को शामिल किया गया। पिता और पुत्र को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। बताया गया कि मृतिका प्रतिमा को शादी झारखंड में तय किया गया था। वह वहां शादी नहीं करना चाहती थी। वह अपने पसंद के एक शादी शुदा व्यक्ति से शादी करना चाहती थी। जिसका समर्थन उसकी मां कर थी। लेकिन उसके पिता व पुत्र को यह पसंद नहीं था। उन्होंने बताया कि नाराज पिता व पुत्र ने प्रतिमा को हत्या की योजना बनाई। शनिवार सुबह पिता व पुत्र ने दुप्पटा से गला दबाकर प्रतिमा को हत्या कर दी। आवाज सुनकर मां जगी और बेटी को मृत देखकर चिल्लाने लगी। पकड़े जाने के भय उसके साड़ी के पल्लू से गला दबाकर उसकी हत्या कर दिया।

साढ़ू ने कार से मारी टक्कर, बाइक सवार छोटे साढ़ू की मौत

AGENCY DEHRI : रोहतास जिले में काराकाट थाना क्षेत्र के करूप- गोपालपुर पथ पर करूप काली स्थान के समीप शनिवार को साढ़ू ने कार से अपने छोटे साढ़ू व बाइक सवार को टक्कर मार दिया। जिससे छोटे साढ़ू की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार मृतक 55 वर्षीय सुभाष सिंह संझौली थाना क्षेत्र के मोतिहारी निवासी रामसकल सिंह के पुत्र थे। घटना के बाद कार चालक अपनी गाड़ी वहीं छोड़ खुद भाग निकला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने क्षतिग्रस्त बाइक व कार अपने कब्जे में करते हुए शव को अंत्यपरीक्षण के बाद स्वजनों को सुपुर्द कर दिया है। ग्रामीणों के अनुसार सुभाष सिंह फिलहाल अपने ससुराल करूप टोला पर ही रहते थे। होली के दिन दोपहर में किसी कार्यवश या फिर लोगों से मिलने अपनी बाइक से कहीं जा रहे थे। इस बीच पीछे से कार से आ रहे उनके बड़े साढ़ू ने उनकी बाइक में टक्कर मार दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक समेत सवार उछल कर पास के तालाब में जा गिरा। किसी तरह उन्हें पानी से निकाल इलाज के लिए बिक्रमगंज अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उन्हें देखते ही मृत घोषित कर दिया।

205 बोरा यूरिया के साथ चार वाहन, नकद के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार, गोदाम सील

AGENCY ARARIYA : भारत-नेपाल सीमा के पास से एसएसबी 56वीं बटालियन की टीम ने नरपतगंज और फुलकाहा थाना पुलिस और कृषि विभाग की टीम के साथ शनिवार की मध्य रात्रि छापेमारी कर तीन चार पहिया और एक दो पहिया वाहन समेत 2 लाख 1 हजार 80 रुपये,205 बोरा यूरिया को बरामद किया।
एसएसबी की 16 सदस्यीय टीम ने सबसे पहले गुप्त सूचना पर रात्रि करीबन 11 बजे फुलकाहा थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर चौक हनुमान मंदिर के पास कार्रवाई करते हुए 9 हजार 225 किलो यूरिया जो 205 बोरा में था को जब्त किया।यह यूरिया चार पहिया वाहन टाटा इंट्रा, महिंद्रा सुप्रो, सुरो मैक्सी ट्रक, एक टीवीएस राइडर मोटरसाइकिल के साथ चारोबाइल और 2 लाख 1 हजार 80 रुपए बरामद किए। मामले में मो.सलमान पिता मो.मंजूर, मो.गुलाब पिता मो.रब्बी मियां और रंजीत कुमार पिता उमा बुधनगरिया को हिरासत में लिया। पूछताछ के क्रम में नरपतगंज के रजिस्टर्ड खाद विक्रेता सीकम लाल भगत के माल होने की जानकारी मिलने के बाद देर रात ही नरपतगंज और फुलकाहा थाना पुलिस और नरपतगंज कृषि विभाग की टीम के साथ सीकम लाल भगत के गोदाम में छापेमारी की गई,जहां भी गोदाम और बाहर में रासायनिक खाद पाए गए।टीम की ओर से दो अलग अलग स्थानों से 55 बोरा रासायनिक खाद जब्त किया गया।

पुलिस ने हत्याकांड-लूटकांड के आरोपी के घर चस्पा किया इश्तेहार

AGENCY ARARIYA : जिले की बैरगाछी थाना पुलिस ने रविवार को ढोल नगाड़ों के साथ हत्याकांड और लूटकांड के लंबे अर्से से फरार चल रहे आरोपितों के घर इश्तेहार चिपकाया। फरार आरोपितों के द्वारा आत्मसमर्पण नहीं किए जाने की स्थिति में कुर्की जब्ती करने की धमकी दी। बैरगाछी थानाध्यक्ष जूली कुमारी के साथ एसआई श्याम कुमार समेत भरी संख्या में पुलिस अधिकारी जवान मौके पर मौजूद थे।ढोल नगाड़ों की धुन के साथ पुलिस के जमावड़े को लेकर मौके पर भरी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई।पुलिस ने बैरगाछी थाना कांड संख्या- 36/24 दिनांक- 18/06/24, धारा- 302/34 भादवि एवं बैरगाछी थाना कांड संख्या- 786/23, दिनांक- 08/08/23, धारा- 392 भादवि के फरार अभियुक्तों के घर विधिवत इश्तिहार चिपकाया। मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों ने आत्मसमर्पण नहीं करने पर सम्पत्ति की कुर्की जब्ती करने की धमकी दी।

दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प, एएसआई सहित दो घायल, 10 आरोपी गिरफ्तार

AGENCY NAVADA : नवादा जिले में को आकोल थाने के सोखोदेवरा गांव में होली पर्व में कहासूनी को लेकर रविवार को दो दो समुदायों के बीच हिंसक झड़प में ए एस आई सहित तीन घायल हो गए। जिसके बाद स्थिति काफी तनावपूर्ण हो गई।
स्थिति को नियंत्रित करने के लिए नवादा के डीएम रवि प्रकाश एवं एसपी अभिनव धीमान को स्वयं कमान कमान सम्भालनी पड़ी। फिलहाल गांव में स्थिति तनावपूर्ण लेकिन पूरी तरह प्रशासनिक नियंत्रण में है। गांव में काफी संख्या में पुलिस बलों की तैनाती की गई है। किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पुलिस संवेदनशील है।

पकरीबरावां एसडीपीओ महेश चौधरी के कहा कि प्रशासन की मौजूदगी में दो पक्षों में रोड़ेबाजी की घटना घटित हो गई। जिसमें एक पुलिस पदाधिकारी पीटीसी रंजीत रंजन आंशिक रुप से घायल भी हो गए। जिसके बाद जवाबी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दोनों पक्षों से दस लोगों को हिरासत में लेकर कौआकोल थाना ले आई। उन्होंने बताया कि दोनों पक्षों में होली के एक दिन पूर्व शुक्रवार को भी सीसीटीवी कैमरा लगाने को लेकर विवाद हुआ था। परंतु प्रशासन द्वारा उसे सुलझा लिया गया। जिसके बाद पुनः विवाद उत्पन्न हो गया।
थानाध्यक्ष दीपक कुमार के अनुसार पर्व में अशांति फैलाने सहित विभिन्न मामलों में प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार सभी आरोपितों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। रविवार को कौआकोल थाना परिसर में दोनों पक्षों के गणमान्य लोगों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में शांति समिति की बैठक भी आयोजित की गई।

बाइक से बुजुर्ग को लगी ठोकर भीड़ ने एक युवक को पीटा, मौत

AGENCY ARARIYA : अररिया के बौंसी में बाइक से जोरदार टक्कर होने से आज एक बुजुर्ग की मौत हो गयी। मौके पर जमा हुई भीड़ ने एक युवक की जमकर पिटाई कर दी, जिसमे युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया उसे आनन फानन में पूर्णिया के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।बताया जा रहा है कि इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई। मृतक अररिया जिला के नरपतगंज प्रखंड क्षेत्र के डुमरीया वार्ड नंबर 12 निवासी नीरज कुमार मंडल है। मृतक के भाई संजीव कुमार ने बताया कि 11 मार्च को नीरज अपनी पत्नी के साथ पूर्णिया जिले के सिंघिया से रात 9 बजे घर लौट रहे थे। तभी बौसी सिंघिया बॉर्डर के पास उनकी बाइक से एक बुजुर्ग को ठोकर लग गई। इसके बाद बुजुर्ग के परिजन और स्थानीय लोगों ने मिलकर नीरज को खूब पिटा, जिससे वो गंभीर रूप से जख्मी हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती किया गया और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर बौसी थाना पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अररिया सदर अस्पताल भेजा। बौसी थानाध्यक्ष विकास कुमार ने बताया कि मृतक के परिजन की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

2023 बैच के बिहार कैडर के प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात, सीएम ने कहा-

सरकार की नीतियों को क्रियान्वित करने में अधिकारियों की भूमिका अहम

AGENCY PATNA : रविवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से उनके आवास पर 2023 बैच के बिहार कैडर के 10 प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान गरिमा लोहिया, तुषार कुमार, अनिरूद्ध पाण्डेय, कृतिका मिश्रा, आकांक्षा आनंद, प्रद्युम्न सिंह यादव, अंजली शर्मा, रोहित कर्दम, शिप्रा विजय कुमार चौधरी एवं नेहा कुमारी ने अपनी ट्रेनिंग के दौरान जिले में किए गए कार्यों के संबंध में अनुभव साझा किए।
इन 10 प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों में 06 महिलायें और 04 पुरुष हैं। इनमें 05 बिहार के, 04 उत्तर प्रदेश और 01 राजस्थान के रहने वाले हैं।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी

मुख्यमंत्री ने प्रशिक्षु अधिकारियों से बातचीत करते हुए कहा कि आप लोगों ने अपने अनुभव साझा किए, यह सुनकर अच्छा लगा। आपलोग अभी ट्रेनिंग पीरियड में हैं, उसके बाद आपलोगों की पोस्टिंग होगी। सरकार नीति बनाती है और उसे क्रियान्वित करने में आईएएस अधिकारियों की भूमिका काफी महत्वपूर्ण है।
मुख्यमंत्री ने कहा कि आप 10 प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों में 06 महिलायें हैं, यह बहुत खुशी की बात है। महिलायें सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ रही हैं इससे मुझे काफी प्रसन्नता होती है। हमलोगों ने पंचायत चुनाव एवं नगर निकाय चुनाव में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया। ऐसा करनेवाला बिहार देश में पहला राज्य बना। महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण मिलने से बड़ी संख्या में महिलाएं समाज में प्रतिनिधित्व करने आगे आ रही हैं। पुलिस में महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। बिहार में जितनी महिलाओं की संख्या पुलिस में है, उतनी देश में कहीं नहीं हैं। राज्य के सभी सरकारी सेवाओं में महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है।

नवादा में नदी व तालाब में डूबकर दो युवकों की मौत

AGENCY NAVADA : जिले के सिरदला तथा पकरीबरावां में रविवार को नदी व तालाब में डूबने से दो युवकों की मौत हो गई है। जिले के पकरीबरावां थाने के कबला गांव में पारस सिंह के पुत्र पीयूष कुमार की तलब में डूबने से मौत हो गई। वही सिरदला थाना क्षेत्र के राजन गांव निवासी पिंटू यादव की मौत गहरी नदी में डूबने से हो गई।
पुलिस के अनुसार दुबरी बीघा गांव के पैतीस वर्षीय पिंटू यादव शौच के लिये पास के धनार्जय नदी की ओर गया था। जहां पैर फिसल जाने के कारण नदी के गहरे पानी में जाने के कारण दम घुटने के कारण मौत हो गई।जब ग्रामीणों को पता चला तो काफी देर हो चुकी थी। घटना कि सूचना के बाद ग्रामीण घटना स्थल पर पहुंचकर शव को नदी से निकाल कर पुलिस प्रशासन को सूचना देकर आवश्यक कार्रवाई की मांग कर रहे थे। वहीं ग्रामीण राजन घाट से बालू खनन कर रहे संवेदक पर आरोप लगा रहे थे कि बालू उठाव के कारण नदी के बीचों बीच ज्यादा गढ़ा कर दिए जाने के कारण घटना घटी है , वहीं ग्रामीण प्रशासन से मांग कर रहे थे कि आखिर नदी में इतनी गहराई क्यों किया गया था।क्या गहराई से बालू उठाव का आदेश था।अगर था तो आदेश दिखाएं,अन्यथा हजार्ना दें। ग्रामीण उग्र हो कर वरीय अधिकारी से जांच की मांग कर रहे थे।

नई शुरूआत का वसंत

गीता दुबे

आज वसंत पंचमी का दिन है, लेकिन उसके भीतर न कोई उमंग है, न उल्लास। जब से दोनों बच्चों ने अमेरिका की नागरिकता ले ली है, उसके जीवन में एक रिक्तता घर कर गई है। वह धीरे-धीरे जीवन के प्रति उदासीन होती चली गई है।
सुबह से ही वह बरामदे में खड़ी सामने के मैदान में बने पंडाल को मूकदृष्टि से देख रही है, अतीत में खोई हुई। पच्चीस वर्ष पहले, जब वह इस घर में ब्याह कर आई थी, उसके मन में सपनों की एक दुनिया थी। उसने बी.ए. ऑनर्स प्रथम श्रेणी में किया था और आगे पढ़कर कुछ बनना चाहती थी। लेकिन जब उसने अपने पति से यह इच्छा जाहिर की, तो उसका उत्तर सुनकर वह भीतर तक टूट गई थी।
पति ने कहा था–
देखो, मेरे लिए तुम्हारी पढ़ाई का मतलब बस इतना है कि तुम मेरे बीमार माता-पिता और छोटे भाई-बहनों की अच्छी देखभाल कर सको।
पति के विरुद्ध बोलना न उसने देखा था, न ही सुना था। वह चुप रह गई। उस दिन के बाद उसने अपने सपनों को तिलांजलि दे दी और खुद को इस घर की जिम्मेदारियों के प्रति सुपुर्द कर दिया। वह उसी में अपनी खुशी तलाशने लगी।
समय बीता, और जब उसकी गोद में दो नन्हे फूल खिले, तो उसे लगा कि वह दुनिया की सबसे खुशनसीब स्त्री है। मातृत्व के सुख ने उसे बाकी सब चिंताओं से परे कर दिया। वह अपनी दुनिया में उलझी रही, अपने आप को बेहद व्यस्त और खुश पाती रही। पर वह यह नहीं समझ पाई कि उसके अपने सपने कब और कहाँ बिखर गए। धीरे-धीरे वह केवल माँ, बहू, भाभी, चाची बनकर रह गई। माता-पिता ने जो नाम दिया था, वह तो कब का मिट चुका था।
अब, पच्चीस वर्षों बाद, उसे यही सवाल सताए जा रहा है- उसने आखिर पाया क्या?
बच्चे भी तो अब अपने नहीं रहे। इस बार जब रिंकू भारत आया था, तो वह अमेरिका से अपनी ममा के लिए एप्पल का लैपटाप लेकर लाया था। जाते समय उसने कहा था-
ममा अब हम आपसे इसी पर वीडियो कॉल किया करेंगे और हम ढेर सारी बातें किया करेंगे।
लेकिन वह वीडियो कॉल कैसे करेगी? उसे तो लैपटॉप चलाना ही नहीं आता !
वह खुद को पूरी तरह अकेला पा रही थी। घर वही था, दीवारें वही थीं, लेकिन अब वह उसमें अपने आप को तलाश रही थी। वह अपने अतीत में डूबी खड़ी थी, तभी एक बच्ची, जिसकी उम्र बारह या तेरह वर्ष की रही होगी, पास आकर बोली-
आंटी, आंटी, क्या पूजा के लिए आपके बगान से कुछ फूल ले सकती हूँ?
जरूर, जरूर, जितने चाहे ले लो, उसने हल्की मुस्कान के साथ कहा।
बच्ची फूल लेकर जाने लगी, फिर ठिठककर बोली-
आंटी, आप भी चलिए ना, पंडाल में!
वह न जाने किस अनकही शक्ति से बंधी उसके साथ पंडाल तक चली आई। माँ सरस्वती की मूर्ति के सामने पूरी श्रद्धा से नतमस्तक हो गई। और तभी, जैसे भीतर कहीं कुछ जाग उठा। एक अजीब-सी ऊर्जा ने उसे घेर लिया।
अब वह केवल फूल ही नहीं बाँट रही थी, बल्कि खुद अपने हाथों से कागज की झालर बना रही थी, पंडाल को सजा रही थी। उसी क्षण वह बच्ची मुस्कुराकर उसके पास आई और बोली-
थैंक यू आंटी! आप बहुत अच्छी हैं। मेरा नाम सोनल है, मैं आपसे दोस्ती करना चाहती हूँ। आपका नाम क्या है? मैं आपको फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजूँगी!
वह ठिठक गई।
उसका नाम?
कई सालों से तो किसी ने उसे उसके नाम से पुकारा ही नहीं था।
क्षणभर की चुप्पी के बाद, जैसे खुद को दोबारा पहचानते हुए उसने कहा–
मेरा नाम... मेरा नाम अनामिका है। लेकिन मुझे कंप्यूटर चलाना नहीं आता। क्या तुम सिखा दोगी?
जी, आंटी! सोनल ने उत्साह से कहा।
उसने सोनल का हाथ थाम लिया। एक हल्की मुस्कान उसके चेहरे पर खिल उठी। आज, बरसों बाद, उसने खुद से एक वादा किया- वह अपने सारे सपने पूरे करेगी।
उसके भीतर से एक आवाज आई- जहाँ सब कुछ खत्म होता है, वहीं से एक नई शुरूआत होती है।
यह उसकी नई शुरूआत का वसंत था।

व्यंग्य वार्ता

सांढ़ होने का सुख

ललन शर्मा

सांढ़ दरअसल ऐसा जीव है जो विश्व के किसी भी कोने में पाया जाता है। हमारे देश में तो हर गली-मुहल्ले व बाजार में सांढ़ मिल जाते हैं दरअसल सांढ़ ही किसी राष्ट्र का रीढ़ होता है। जिस मुल्क में सांढ़ न हो या सांढ़ की पूजा न हो तो उस राष्ट्र का न तो कोई नैतिक मूल्य होता है और न ही उसकी राष्ट्रीय पहचान होती है।
सांढ़ बनने का सुख लार्ड महाबलेश्वर के किसी होटल में छुट्टियाँ बिताने से कहीं ज्यादा है क्योंकि यह सुख चिरस्थायी होता है हमारे समाज में, सांढ़ को भोले शंकर का ड्राइवर सह गाड़ी होने के कारण देवता तुल्य माना गया है और इसी कारण सांढ़ को भी भोले शंकर की तरह मस्त-मस्त रहने की आदत होती है। फलस्वरूप सांढ़ को हर कोई श्रद्धा की दृष्टि से देखता है (आँखें हो या ना हो), यह जिसके द्वार पर चला जाता है वहाँ कुछ न कुछ प्राप्त कर ही लेता है। इसी गुण सम्पन्नता का लाभ उठाते हुए हमारे एक नेता मित्र ने अपना नाम सांढ़ कुमार रख लिया।
हमारे यहाँ सांढ़ को बांध कर रखने की प्रथा नहीं है इसलिए हम उन्हें खुला-सांढ़ भी कहते हैं है यानी सांढ़ सभी प्रकार के बंधनों से मुक्त होता है। चाहे वह तिहाड़ जेल (कांजी हाउस) की दीवार हो या अदालत की फटकार हो। घटिया से घटिया सांढ़ की भी समाज में एक सांस्कृतिक पहचान होती है इसलिए लोगों को चाहिए कि वे सांढ़ होने सुख अवश्य प्राप्त करें। सांढ़ में एक और खास बात होती है कि वह जब चाहे जहाँ चाहे मूँह मार सकता है जैसे वह चाहे तो पशुपालन विभाग का चारा खा सकता है। किसी सेठ की तिजोरी खुलवा सकता है, हवाला मार्ग बनवा सकता है। मूँह मारने के इस सात्विक गुण के साथ देह मारने का भी गुण सांढ़ में होता है। पर सांढ़ को कोई नहीं मार सकता है कोई इसे नहीं टोकता। सभी लोग सांढ़ के इन पुनीत कारनामों को श्रद्धा से देखते हैं। सांढ़ पर किसी प्रकार की आचरण-संहिता लागू नहीं होती है पर इसके हित में सरकारी संहिता में काट-छांट जरूर की जाती है।
सांढ़ के रहने के लिए कोई स्थान फिक्स नहीं होता है उसके लिए वसुधा ही कुटूम्ब है अस्तु वह अपर हाउस से लेकर विधान हाऊस को अपना घर समझता है कुछ लोग बैल को सांढ़ की श्रेणी में रखते हैं पर इससे सांढ़ खानदान के लिए कापीराइट का मामला बनता है यानि सांढ़ाधिकार कानून के खिलाफ बात है क्योंकि बैल का काम रात दिन खेत-खलिहान या बैलगाड़ी से जुते रहना है। आजीवन चार पैरों पर खड़ा रह श्रम करना है और सांढ़ तो सारे बंधनों से मुक्त-उन्मुक्त होकर भारत की खोज करने वाला प्राणी है इसलिए सांढ़ को बैल कहकर उसका अनादर नहीं करना चाहिए।
अर्थमंत्री के अनुसार जब से उदारीकरण शुरू हुआ है। सांढ़ों का उत्पादन बढ़ा है। सांढ़ों की गुणवता में वृद्धि हुई है। हरेक सांढ़ चार कदम सदन की ओर बढ़ा है और भविष्य में सांढ़ों की निर्यात की संभावना भी हैं। इसलिए हर गली-मुहल्लों में सांढ़-उद्योग फलने-फूलने लगे हैं इस तरह हम सुनहरे सांढ़ युग की ओर बढ़ रहे हैं है। सांढ़ों की एक और विशेषता है कि जब ये युद्ध करते हैं तो उसे संवैधनिक दर्जा दिया जाता है चूँकि सांढ़-युद्ध भारतीय संस्कृति का मूलमंत्र है इसलिए इस विशेष युद्ध पर क्रिमिनल कानून लागू नहीं होता इसलिए सांढ़ बनकर आदमी कानून को अपनी जेब में रखकर आसानी से विचरण कर सकता है। आप सभी जानते है कि हमारे राष्ट्र का दोहन हो रहा है या राष्ट्र को दुहा जा रहा है। दुहने की बात पर स्पष्ट है कि राष्ट्र या तो गाय होगी या गांधी जी की बकरी चूँकि गाय ज्यादा दुध देती है इसलिए नई आर्थिक नीति में गाय ही लाभदायक है। अब आप ही बतायें गाय को दुधारू बनाने के लिए या राष्ट्र को अपनी पीढ़ी चलाने के लिए या यों समझिए कि अपनी सभ्यता-संस्कृति बचाने के लिए सांढ़ महोदय की जरूरत तो पड़ेगी या नहीं। अतः सांढ़ हमारे देश का भविष्य निर्माण कर्ता है अस्तु सांढ़ बनकर राष्ट्र सेवा करने का सुख प्राप्त करें तथा दूसरों को सांढ़ बनने के लिए प्रेरित करें और सभी को एक नारा दें- सांढ़ ही देश को महान बनाता है

सड़क यात्राएँ

रीना सिन्हा सलोनी

सड़क यात्राएँ कस्बों, गाँवों, खेतों और जंगलों से गुजरती हुई पतली-चौड़ी और चिकनी-ऊबड़खाबड़ सी अंतहीन सड़कें न जाने कहाँ जाकर रुकती हैं ... और इन्हीं सड़कों पर अपने गंतव्य की ओर दौड़ती भागती गाड़ियाँ, माल ढोते भारी भरकम ट्रकों की कतारें, दोपहिया और साइकिल पर सवार आते-जाते लोग यूँ तो हर जगह एक से ही लगते हैं ... पर अगर गौर किया जाए तो जैसे-जैसे यात्रा आगे बड़ती है और स्थान बदलते हैं वैसे-वैसे परिवेश के साथ-साथ स्थानीय लोग, उनके घरों की बनावट, कपड़े पहनने का ढंग और बोली बदलती जाती है और इस बदलाव को बेहद करीब से महसूस करने के लिए सड़क यात्राओं से बेहतर कोई विकल्प नहीं... रेल या विमान यात्रा से उलट अपनी गाड़ी से की गई सड़क यात्रा में आप जहाँ चाहें वहाँ रुक सकते हैं और रास्ते में पड़ने वाले गाँवों,जंगलों, खेतों और लोगों से परिचित ही नहीं बल्कि उनके बारे में बेहतर जान सकते हैं ...शायद यही है सड़क यात्रा का असल रोमांच जिसे महसूस करने हम निकल पड़े ओडिशा के झाँसुगोड़ा की ओर ... झारखंड से सीमा पार कर ओडिशा में प्रवेश करते ही हमें संथाल और आदिवासी लोगों की जगह अब उड़िया बोलते लोग मिलने लगे थे... रंग बिरंगी और खास आकृतियों से सजी संबलपुर की बुनी सूती साड़िओं को पारंपरिक तरीके से पहने औरतों को देखकर अंदाज लगाना मुश्किल न था की हम ओडिशा में हैं ...खेतों के पार फैली छोटी-छोटी पहाड़ियाँ धीरे-धीरे गायब होने लगीं थीं और उनका स्थान ले लिया था छिटपुट पहाड़ी चट्टानों, झाड़ियों और जंगलों नें... सड़क के दोनों और दूर दूर तक फैली खुली जमीन ज्यादातर सूखी और उजाड़ ही थी ... बीच-बीच में कहीं कोई गाँव आता तो उसके आस पास धान, टमाटर, आलू और अन्य सब्जियों वाले खेत हरे भरे हो उठते और झाड़ियों और पेड़ों के झुरमुट में लाल खपरैली झोपड़ियों के झुंड झाँकते नजर आ जाते...सूखी लकड़ियों के बाड़े से घिरी मिट्टी और इटों की दीवारों वाली खपरैल झोपड़ियाँ... पास बंधी गाय और बकरियों के झुंड... और पास ही खेलते बच्चों का झुंड... कई झोपड़ियों के लिए बना एक अकेला चापाकल और वहाँ बड़े बड़े तसलों में पानी भरती महिलाओं की भीड़ ...पपीते और अमरूद के कई पेड़ और पेड़ के नीचे खटिया पर बैठे लोग...बैर, सहजन, आम और कटहल के अलावा और कई तरह के पेड़ों से घिरे ये गाँव मन को सुकून तो दे रहे थे पर इन गाँवों के लोगों के तंग हालात यहाँ की फैली गरीबी की कहानी भी कह रहे थे... ओड़िशा के कालाहांडी और बलांगीर कभी भारत के सबसे गरीब गाँव हुआ करते थे पर अब यहाँ के गाँवों स्थिति धीरे धीरे बदल रही है...आज ओडिशा के सुदूर हर गाँव में बने सरकारी स्कूलों, ग्राम पंचायत का दफ्तर, जरूरी सामान वाली छोटी छोटी दुकानें और गाँव तक पहुँची बिजली के साथ-साथ मोबाइल नेटवर्क की उपलब्धता को देखना अपनेआप में सुखद था... यहाँ के गांवों में बस्ता लेकर स्कूल जाते छोटे छोटे बच्चे आज के भारत के गाँवों की बदलती तस्वीर थे... इन गाँवों को देखकर लगता है शायद यही असली भारत है... हमारे देश का ज्यादातर हिस्सा जो गाँवों में बसता है उसे देखने और उनकी समस्याओं के बारे में जाने के लिए उन्हें पास से देखने की जरूरत है...और सड़क से की गई यात्राओं के दौरान उन्हें देखा ही नहीं बल्कि जिया भी जा सकता है।

हम हिन्दुस्तानी है

सुदीप्ता जेठी राउत

राहुल एवं पंकज दोनों को साथ में खेलते देख राहुल की मां (मोनिका)आग बबूला होकर दौड़ती हुई आयी और राहुल की कान जोरों से खींचती हुई राहुल को डांटते हुए घर की ओर चल दी। पंकज की मां (तपस्या) सामने खड़ी थी। उसकी कानों में हर एक शब्द तीर की भांति बिन्ध रही थी। मोनिका अपने बेटे को डांटते हुए कहने लगी--- कितनी बार कहा है कि पंकज के साथ नहीं खेलना है बल्कि अपने स्कूल के दोस्तों के साथ खेलो।पता नहीं उसके साथ रह के तुम्हें क्या मिलता है। हम लोग कितने कष्ट से तुम्हें इंग्लिश स्कूल में दाखिला करवाएं है और तुम उस हिंदी मीडियम स्कूल में पढ़ने वाले लड़के के साथ चिपके रहते हो।उसका क्या अपने पापा जैसा मजदूर बनेगा, लेकिन तुम्हें इंग्लिश स्कूल में पड़कर अफसर बनना होगा। राहुल कुछ बोलना कि मोनिका फिर चिल्ला उठती। यह सुनकर तपस्या ओर धीरज न धर पायी और मोनिका को टोकते हुए कहने लगी--- क्या तुम्हें भविष्य देखना आता है? जो मेरा बेटा क्या बनेगा, वो बता दिया। ऐसी गलत सोच मत पालो कि सिर्फ इंग्लिश मीडियम में पढ़ने से ही बच्चा तरक्की की ओर बढ़ता और हिंदी मीडियम के बच्चे मजदूर. हम हिंदुस्तानी हैं, हिंदी भाषी है और यह हमारा सौभाग्य है।आगे की पीढ़ी को भी यही सिखाएंगे मजदूर या अफसर यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा।हम अपनी भाषा के साथ विदेशी भाषा का भी ज्ञान देंगे। सिर्फ विदेशी भाषा का नहीं, तपस्या अपनी बात खत्म कर अपने घर की ओर चल दी और मोनिका स्तब्ध सी खड़ी रह गई।

क्या तुम पर अब कुछ खास लिखूं

डॉ मयंक मुरारी

क्या तुम पर अब कुछ खास लिखूं
कौन सा शब्दों में वो एहसास
लिखूं

उस दौर के अमिट ख्याल में खोया
सुवास में सिमटी तुम्हारी सांस
लिखूं

स्पंदन के तार से जुड़ तेरा बस
होना
बेहद नाजुक उस दौर का रास
लिखूं

दुखद, बीच राह में तुम्हारा छोड़
जाना
दिल की चाह का कैसे परिहास
लिखूं

हरएक पल नया रंग लाती यह
जिंदगी
बता, कैसे तेरा वो जादुई प्रकाश
लिखूं

लालसा

रंजना वर्मा उन्मुक्त

महेश बाबु अपनी पत्नी के साथ बैठे चाय पी रहे थे।
बेटे ने जो फ्लैट बुक किया था,उसकी चाभी उसे मिल गयी है।कहीं शह बहू और बच्चों के साथ वहीं न शिफ्ट कर जाये।....पत्नी ने कहा ।
अरे नहीं! उसने फ्लैट बुक करते समय ही कहा था,केवल पैसा इन्वेस्ट कर रहा था।मुझे यकीन है, हमलोग को छोड़ कर वह कभी नहीं जायेगा ।.....महेश बाबु ने मुस्कुराते हुए कहा ।पता नहीं क्यों उनकी आँखों के सामने उनकी माँ का चेहरा आ गया ।बीस साल पहले उन्होंने अपने माता-पिता का घर यह कहते हुए छोड़ दिया था कि ऑफिस की तरफ से इतना बढ़िया फ्लैट मिल रहा है,अगर अभी शिफ्ट नहीं करेंगे तो फ्लैट हाथ से चला जायेगा ।पत्नी का इतना दबाब था कि उन्होंने अपनी माँ का अश्रुपूरित आँखों को भी नजरअंदाज कर दिया ।माँ ने बड़ी धीमी आवाज और बेचारगी भरे आवाज में कहा था,तुमलोगों के बगैर हमलोग कैसे रह पायेंगे ।बच्चों के बिना घर खाने को दौड़ेगा।
माँ का उदास और बुझा हुआ चेहरा उनकी आँखों के सामने आ गया ।लेकिन पत्नी की हार्दिक इच्छा और सुखद स्वच्छन्द जीवन की लालसा ने उन्हें सरकारी आवास में रहने को मजबूर कर दिया ।
वे अभी ये सब सोच ही रहे थे कि तभी बेटा आया और उनकी बगल में बैठ गया ।बोला, पिताजी! एक बात कहनी है ।हमें नये फ्लैट की चाभी मिल गयी है ।हमलोग वहीं शिफ्ट होना चाहते हैं ।वहाँ से मेरा ऑफिस और बच्चों का स्कूल नजदीक है।नीना को भी वहीं पास के स्कूल में टीचर की नौकरी लग गयी है ।
महेश बाबु ने अपनी पत्नी की तरफ देखा ......उसका चेहरा बिलकुल उनकी माँ की तरह दिख रहा था ..... उदास और बुझा हुआ ।

वर्षगाँठ

आनन्द बाला शर्मा

प्रभाकर जी और सुधा जी आज अपने विवाह चालीसवीं वर्षगाँठ मना रहे थे। सुबह से ही बधाइयों का तांता लगा हुआ था।आस पड़ोस वालों, मित्रों परिचितों और रिश्तेदारों की शुभकामनाओं के बीच समय का पता ही नहीं चला। बच्चे भले ही दूर थे पर उनकी फोन कॉल्स,मेसेज और विडियो कॉलिंग पर उनसे हुई बातचीत ने दूरी का अहसास ही नहीं होने दिया । मन उल्लास और खुशी से भरा था। सुधा जी ने आज दोपहर का भोजन प्रभाकर जी की पसंद का बनाया था। भोजन के बाद दोनों बालकनी में बैठकर बातें करने लगे। यादों का सिलसिला जारी था। बातों के बीच सुधा को विचार मग्न गुमसुम सा देख प्रभाकर ने सुधा के हाथों कों अपने हाथों में ले कोमल स्वर में पूछा- क्या बात है सुधा ? क्या सोच रही हो? 'कुछ नहीं, बस ऐसे ही'- सुधा ने धीमे स्वर में कहा 'नहीं कुछ तो है तुम्हें बताना ही होगा सुधा'- प्रभाकर जी ने जोर देकर पूछा। सुधा ने धीरे-धीरे कहना शुरू किया- यही कि जब मैं आपसे किसी बात पर रूठ जाती थी तो आप मुझे कभी मनाने की कोशिश क्यों नहीं करते थे। कुछ पूछते भी नहीं थे। मैं हमेशा यह चाहती थी कि आप कुछ मनुहार करें, मुझे मनाएं पर आपने कभी यह नहीं किया ।
'बात यह है सुधा कि मैं जानता था कि तुम नाराज हो 'पर मैं बात बढ़ाना नहीं चाहता था। अगर मैं कुछ पूछता तो तुम कुछ कहती और जवाब में मैं फिर कुछ कहता ।इस तरह बात बढ़ती ही जाती । मेरे
न बोलने पर शिकायतों का सिलसिला थम जाता था और कुछ समय बाद फिर सब नार्मल हो जाता था। इतनी सी ही बात थी बस।' सुधा के चेहरे की चमक लौट आई थी।

हिंदी मीडियम

निर्मला कर्ण

निकेत आज कार्यालय में अपने उच्च अधिकारी के रूप में सौरभ को देखकर आश्चर्यचकित हो गया। उन दोनों के पिता रविंद्र और मोहन अपने विद्यालय के समय के ही मित्र थे। मोहन तृतीय वर्ग की सरकारी नौकरी में थे और रविंद्र का अपना व्यवसाय था। व्यवसायी रविंद्र के बच्चे शहर के सबसे बड़े अंग्रेजी माध्यम के विद्यालय में पढ़ते थे, वहीं मोहन बच्चों को हिंदी माध्यम के सरकारी विद्यालय में ही पढ़ाते थे। कुछ तो सामान्य आय और अधिक मातृभाषा के प्रति लगाव के कारण। रविंद्र इसके लिए कंजूस कहकर उनकी खिल्ली उड़ाते और उनके बच्चे भी मोहन के बच्चों को हेय समझते, जताते भी थे नीचे स्तर का बच्चा कहकर।
बच्चों के दुःखी होने पर मोहन अपनी भाषा का महत्व बताकर प्रोत्साहित करते लगन से पढ़ाई करने के लिए। उनकी पढ़ाई में वह पूरी सहायता करते । समय का महत्व बतला कर समय बर्बाद नहीं करने की बात भी समझाते । वह उनकी पढ़ाई,और उनके पूरे क्रियाकलाप पर स्वयं निगरानी करते ।
आज माता-पिता का मार्गदर्शन और प्रोत्साहन पाकर और पढ़ाई में लगन शील कुशाग्र बुद्धि सौरभ ने अधिकारी के रूप में जब कार्यालय में अपना योगदान दिया इसी कार्यालय में सहायक के रूप में कार्यरत निकेत जो हमेशा उसकी खिल्ली उड़ाता था हिंदी माध्यम का विद्यार्थी कहकर उसके समक्ष अपनी आँखें शर्म से झुकाये हुए था।
रविंद्र ने उसे समझाया - मित्र भाषा तो सिर्फ माध्यम है, हमारी अपनी भाषा में भी पढ़ाई के बहुत साधन हैं। हिंदी में हम अपनी पढ़ाई की सभी बातें आसानी से समझ सकते हैं क्योंकि वह हमारी मातृभाषा है। भाषा तो हम कभी भी सीख सकते हैं, सिर्फ अंग्रेजी बोलना बड़ी बात नहीं होती है। सफलता हमें भाषा से नहीं अपनी बुद्धि और लगन से मिलती है।

चुनावी परिणाम का रंग

बिनोद बेगाना

कार्यालय में 'आप' के, झाड़ू फॉके धूल।
वोटर नाचे जश्न में,लिए कमल का
फूल।।

'महल';'जाम' में फॅस गए,आप
केजरीवाल।
और प्रदूषण ने किया,बुरा आपका हाल।।

मैली यमुना रह गई, दिल्ली हुई न साफ।
कचरों के अंबार ने, नहीं किया तब
माफ।।

हुई शिष्य की आज जो,बड़ी करारी हार।
अन्ना के दिल को मिले,चैन सुकून
करार।।

चले नहीं सरकार में,बहुत दिनों तक
झूठ।
इस कारण वोटर सभी,गए 'आप' से
रूठ।।

पतझड़ की मानिंद ही,झड़े 'आप' के
पात।
और बसंती फूल से,खिले 'कमल' के
गात।।

सीधी टक्कर से हुआ,बीजेपी को लाभ।
धुमिल और भी हो गई, कांग्रेस की
आभ।।

लो आ गया बसंत

डॉ आशा गुप्ता श्रेया

धीमी होती जीवन गति भरो नई उमंग सब में
स्पंदित जड़ टहनियाँ वसुधा मुसकाये जग में
प्रेम नगर में ढूँढें प्रियतम बंजारा फाल्गुन रंग
कुहू कुहू कर कोयलिया पुकारती उपवन में !

सुख पा पुष्प झूमते गाते हैं बासंती धुन में
दीपशिखा सी जिंदगी संभले आँधी के घन में
ईश्वर का वरदान है मानव जनम धरा पर
हृदय स्नेह विश्वास से चलो संग संग जीवन में !

थिरकन को तरसे मधुवन नवजीवन तरंग में
भ्रमर दल भी कर रहे गुंजन मद भरे चमन में
महकाने को साँसों को मंद बयार चल रही
माँशारदे वीणावादिनी आशीष फले तनमन में!

सिंदूरी दिवस फागुनी प्रकृति के आँगन में
केसरिया सा रंग लिए खिले पलाश वन में
उड़ते पराग देखो बिखेरे सुगंध चहुँ दिशाएं
पंक्षी चहके आओ ऋतुराज खिले हर्ष हरमन में !

ऋतुराज की चतुरंगिणी सेना हंसती जग में
तम हटा प्रकृति लाती है प्रकाश इस जग में
बासंती परिधान देख उड़ते खग धरा नभ तक
लो आ गया बसंत उठो हँसो मनु इस जग में!

कॉफी

पुष्पा पाण्डेय

आ गयी? मैदान जीत कर।
घर के अन्दर प्रवेश करते ही दादी सास ने इन शब्दों से मेरा स्वागत किया। हाथ में मेडल और सम्मान पत्र को तिरछी नजर से निहारती हुई उन्होंने कहा।
आज कितना नुकसान हुआ। चाय के बदले कमली कॉफी बनाकर पी और कटोरी भर कर सब्जी ले गयी।
दादी सास कुछ दिनों से मेरे साथ रह रही थीं। घुटनों के दर्द से परेशान थीं। इलाज कराने के लिए अपने पास लेकर आई थी। आज पहली बार उन्हें कमली के साथ अकेले घर में रहना पड़ा। बड़ी मुस्तैदी के साथ कमली की निगरानी करती रहीं। भला नौकरों पर घर कैसे छोड़ती।...
अटल जी की पुण्य तिथि पर आयोजित साहित्यिक समारोह में मुझे साहित्य-रत्न सम्मान के लिए आमंत्रित किया गया था।साढ़े ग्यारह बजे का समय था। नाश्ते का काम निपटाकर दोपहर का भोजन सहायिका कमली के सुपुर्द कर चली गयी थी। बेचारी दादी सास की नजरों में मेरे इस मामूली सा दिखने वाला मेडल एक कप दूध पर भारी कैसे दिखता? पीछे खड़े पतिदेव ने मेरी तरफ देखते हुए मुस्कुरा कर कहा।
कप दूध और एक कटोरी सब्जी या यह मेडल और सम्मान पत्र ?

मधुमास

गीता सिन्हा गीतांजलि

सूरज की रोशनी तेज हुई,
आया चुपके से *मधुमास।*
फूल - फूल मुस्काया,
फैलेगी मंजरियों की सुवास।
घर-घर, आँगन - आँगन,
ढो रही हवा धीरे-धीरे.... फिर,
फलों में भर देगी मिठास।
बेरों की झाड़ियाँ गदराई।
हरे - हरे, पीले - पीले जो थे कल,
होने लगे लाल- लाल आज।
सूरज की रोशनी तेज हुई,
आया चुपके से *मधुमास।*
ठंढ़क भागी दूर-दूर,
बसंत आने का देने लगा आभास।
सूरज की रोशनी तेज हुई,
आया चुपके से *मधुमास।*
सूखे पौधे भी पहने अब,
हरियाली वाले परिधान,
जो कान तरसे थे हमारे,
अब आने लगी कोयलों की तान।
बेकार हुए सब ऊनी कपड़े,
देने लगे तन को त्रास।
अब ₹कोल्ड ड्रिंक₹ सज जाएगा,
सबको आएगा ये रास।
सूरज की रोशनी तेज हुई,
आया चुपके से *मधुमास।*
सरसों के पीले फूल सभी,
बदल गए हरी फलियों में।
पीला रंग फीका सा पड़ा,
जैसे खेतों में पड़ी कुहास,
सूरज की रोशनी तेज हुई,
आया चुपके से *मधुमास।*
महुआ के फल अब टपकेंगे,
हवाओं की फीकी सी वो ₹हास₹
घोलेगी मादक सुगंध
मदमस्त पवन की लगी है आस।
सूरज की रोशनी तेज हुई,
आया चुपके से *मधुमास।*

मैं वही धड़कन हूँ

मनीष कुमार

मैं वही धड़कन हूँ,
जो हर इंसान के सीने में एक जैसी
धड़कती है।
ना किसी मजहब की, ना किसी जाति की,
ना ऊँच-नीच की, ना सरहदों की मोहताज।

मैं उस बच्चे की हँसी में भी बसती हूँ,
जो भूख से बेखबर माँ की बाहों में सो
जाता है।
मैं उस मजदूर की साँसों में भी घुली हूँ,
जो ईट-दर-ईट अपना कल जोड़ता है।

मैं वही धड़कन हूँ,
जो हर इंसान के सीने में एक जैसी
धड़कती है।
पर तुमने मुझे बाँट दिया—
नामों में, बस्तियों में, पहचानों में।
कहीं मैं तेजी से धड़कती हूँ,
कहीं मैं सहमी हुई सिसकती हूँ।

मैं उस बूढ़े बाप के सीने में भी हूँ,
जो दरवाजे पर बैठा बेटे की राह तकता
है।
मैं उस माँ के दिल में भी धड़कती हूँ,
जो परदेस गए बेटे की चिट्ठी को सीने से
लगाती है।

मैं वही धड़कन हूँ,
जो हर इंसान के सीने में एक जैसी
धड़कती है।
फिर क्यों मुझमें इतनी दीवारें खड़ी कर
दी?
क्यों मेरा स्पंदन कहीं तेज, कहीं मंद
कर दिया?
मैं तो बस ज़िंदा रहना चाहती हूँ,
हर दिल में—बिना किसी दायरे, बिना
किसी भेद के।

मत बाँटो मुझे, मत जकड़ो मुझे—
मैं तो जीवन की पुकार हूँ,
मैं तो बस एक धड़कन हूँ,
जो हर इंसान के सीने में एक जैसी
धड़कती है।

सरसों और सोयाबीन के दाम गिरे, मूंगफली और पाम तेल के भाव बढ़े

- सरसों दाने का थोक भाव 150 रुपये गिरकर 6,110-6,210 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद

नई दिल्ली ।

पिछले सप्ताह सरसों की खाली पाइपलाइन ने तेल पेराई मिलों को हाजिर बाजार में दाम तोड़ने पर मजबूर कर दिया। सरसों तेल और सोयाबीन सीड (तिलहन) के दाम गिर गए जबकि मूंगफली और पाम तेल के दाम बढ़ गए। बिनौला तेल भी अपने दाम में सुधार दर्ज करते हुए नजर आया। इसके अलावा बैंकों में अपने ऋण साख-पत्र चलाने के लिए आयातकों ने सोयाबीन तेल को कम दाम पर बेचना शुरू कर दिया है। किसानों के पास अब मूंगफली का अधिक स्टॉक नहीं है, जिससे दाम में बढ़ोतरी देखने को मिली। इसी बीच, कपास की फसल भी बाजार में कप चुकी है और किसान अब उसके ऊंचे भाव मिलने का इंतजार कर रहे हैं। साथ ही विदेशों में सीपीओ के दाम में सुधार आया है जिसके कारण सीपीओ और पामोलीन कीमतें में सुधार दर्ज हुआ। हालांकि, यह सुधार आयातकों को कुछ नुकसान भी उठाना पड़ रहा है। इसके अलावा, बिनौला सीड के दाम में वृद्धि की वजह से उत्तर भारत की तेल मिलें महाराष्ट्र से खरीदना पड़ रहा है। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 150 रुपये की गिरावट के साथ 6,110-6,210 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का थोक भाव 325 रुपये की गिरावट के साथ 13,325 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 20-20 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,350-2,450 रुपये और 2,350-2,475 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव भी क्रमशः 75-75 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 4,150-4,200 रुपये और 3,850-3,900 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी तरह सोयाबीन दिल्ली एवं सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमशः 275 रुपये, 275 रुपये और 300 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 13,925 रुपये, 13,575 रुपये और 9,825 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। दूसरी ओर समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तिलहन का भाव 25 रुपये के सुधार के साथ 5,700-6,025 रुपये क्विंटल पर बंद हुआ।

सेल राउरकेला इस्पात संयंत्र की क्षमता बढ़ाकर 90 लाख टन करेगी

- कंपनी 30,000 करोड़ रुपये के निवेश करेगी

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की अग्रणी इस्पात कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने 30,000 करोड़ रुपये के निवेश के माध्यम से राउरकेला इस्पात संयंत्र (आरएसपी) की क्षमता को दोगुना से अधिक बढ़ाकर लगभग 90 लाख टन सालाना करने की योजना बनाई है। इस कदम से आर्थिक सेक्टरों में आपूर्ति में वृद्धि की उम्मीद है। आरएसपी के प्रभारी-निदेशक ने बताया कि इस विस्तार के बाद आरएसपी सेल के 2030 तक 3.5 करोड़ टन सालाना का उत्पादन करने का लक्ष्य रखती है। यह विस्तार 1,200 एकड़ क्षेत्र में होगा और इसमें लगभग 30,000 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। राउरकेला इस्पात संयंत्र, जो ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर से लगभग 320 किलोमीटर दूर है, भारत में पहला सार्वजनिक क्षेत्र का इस्पात संयंत्र है और इसका गौरवपूर्ण इतिहास है। इसे 1950 के दशक में जर्मनी के सहयोग से शुरू किया गया था। आरएसपी ने ब्लास्ट फर्नेस, स्टील मेल्टिंग शॉप, विभिन्न उत्पादन संयंत्र और लॉजिस्टिक्स को शामिल कर रही है। इस नई विस्तार प्रोजेक्ट के

तहत, विस्तारित क्षेत्र में उत्पादन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नई सुविधाएं जोड़ी जाएंगी।

एनसीआर में बिछेगी एक और मेट्रो लाइन, टेंडर जारी

- 15.2 किलोमीटर लंबे वायडक्ट और 14 एलिवेटेड स्टेशनों का निर्माण किया जाएगा

नई दिल्ली ।

गुरुग्राम मेट्रो रेल लिमिटेड (जीएमआरएल) ने गुरुग्राम को एक और मेट्रो लाइन की खुशखबरी दी है। इस परियोजना के तहत हुडा सिटी सेंटर से सेक्टर 9 तक 15.2 किलोमीटर लंबे वायडक्ट और 14 एलिवेटेड स्टेशनों का निर्माण किया जाएगा। इस परियोजना की अनुमानित लागत 1,286 करोड़ रुपए है और टेंडर की बोलियां 22 अप्रैल को खोली जाएंगी। अगर सब कुछ समय पर हुआ तो नई मेट्रो लाइन का पहला चरण 2027 तक तैयार हो जाएगा। गुरुग्राम में एक और महत्वपूर्ण व्यवसायिक संपत्ति का निर्माण शुरू हो रहा है, जो गुरुग्राम को महत्वपूर्ण शहरों से जोड़ेगा और सीधी कनेक्टिविटी सुनिश्चित करेगा। इस परियोजना के माध्यम से हुडा सिटी सेंटर से सेक्टर 45, सेक्टर 46 (साइबर पार्क), सेक्टर 47, सुभाष चौक, सेक्टर 48, सेक्टर 33, हीरो होंडा चौक, उद्योग विहार 6, सेक्टर 10, सेक्टर 37, बसई और सेक्टर 9 तक स्टेशनों का निर्माण होगा। चयनित ठेकेदार को वायडक्ट संरेखण का सर्वेक्षण करने की

जिम्मेदारी दी जाएगी, जिससे परियोजना का सफल निर्माण सुनिश्चित होगा। इस परियोजना के अनुसार, गुरुग्राम में बनने वाली पूरी मेट्रो परियोजना 28.5 किमी लंबी होगी और इसमें बसई गांव से द्वारका एक्सप्रेसवे तक 1.85 किमी का हिस्सा भी शामिल होगा। हुडा सिटी सेंटर से साइबर सिटी तक 26.65 किमी लंबा मुख्य कॉरिडोर एलिवेटेड होगा, जिसमें कुल 27 स्टेशन होंगे। दिल्ली मेट्रो की यलो लाइन के साथ एक डिपो इंटरचेंज भी बनाया जाएगा, जो गुरुग्राम और दिल्ली के महत्वपूर्ण हिस्सों के बीच सीधी कनेक्टिविटी को मजबूत करेगा। इस मेट्रो लाइन के निर्माण से गुरुग्राम की जनता को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और शहर का विकास गति से आगे बढ़ेगा।

यह परियोजना शहर के सामाजिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगा और गुरुग्राम को एक मॉडर्न और उन्नत नगर बनाने में मदद करेगा।

रियल एस्टेट डेवलपर्स ने 2022-24 में रिकॉर्ड तोड़ जमीन खरीदी

- पहले एकड़ जमीन 1,603 एकड़ में 18,112 करोड़ रुपये में खरीदी गई

नई दिल्ली।

रियल एस्टेट डेवलपर्स ने 2022-24 के दौरान 5,885 एकड़ जमीन 90,000 करोड़ रुपये में खरीदी है जिससे आवास और कमर्शियल संपत्तियों की मांग को पूरा करने के लिए प्रोजेक्ट विकसित किए जा सकें। जेएलएल इंडिया के अनुसार इसमें पहले एकड़ जमीन 1,603 एकड़ में 18,112 करोड़ रुपये में खरीदी गई, 2023 में 1,947 एकड़ में 32,203 करोड़ रुपये में और 2024 में 2,335 एकड़ में 39,742 करोड़ रुपये में। इस डेटा के मुताबिक, रियल एस्टेट डेवलपर्स ने 2022 में 1,603 एकड़ जमीन 18,112 करोड़ रुपये में, 2023 में 1,947 एकड़ जमीन 32,203 करोड़ रुपये में खरीदी। 2024 के दौरान, डेवलपर्स द्वारा जमीन खरीद 2,335 एकड़ तक पहुंच गई, जिसकी कीमत 39,742 करोड़ रुपये थी। 2022-24 के दौरान, रियल एस्टेट डेवलपर्स ने 5,885 एकड़ जमीन 90,057 करोड़ रुपये में खरीदी। इस डेटा में केवल रियल एस्टेट डेवलपर्स द्वारा सीधे खरीद को किया गया है। डेवलपर्स और जमीन मालिकों के

बीच हुए जॉइंट डेवलपमेंट एग्रीमेंट को विश्लेषण में शामिल नहीं किया गया है। बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन और पुणे जैसे टियर 1 शहरों में कंपनी ने अपनी मजबूत स्थिति बनाए रखी और जमीन खरीद का 72 प्रतिशत हिस्सा इनका रहा। टियर 2 और 3 शहरों ने 28 प्रतिशत हिस्सा हासिल किया, जो 662 एकड़ जमीन के बराबर है। रिपोर्ट में कहा गया कि 2024 में 2,335 एकड़ जमीन की खरीद से 194 मिलियन (1,940 लाख) वर्ग फीट रियल एस्टेट का डेवलपमेंट पोटेंशियल पैदा होगा। इसकी कुल कीमत जिसकी कीमत 39,742 करोड़ रुपये थी। जेएलएल इंडिया ने कहा कि 2024 में खरीदी गई 81 प्रतिशत जमीन का इस्तेमाल रिहायशी प्रोजेक्ट्स के विकास के लिए होगा।

फेडरल रिजर्व के निर्णय से तय होगी स्थानीय शेयर बाजार की दिशा

- निवेशकों की नजर अमेरिकी के खुदरा बिक्री और उत्पादन के आंकड़ों पर भी रहेगी

मुंबई ।

इस सप्ताह फेडरल रिजर्व के ब्याज दर पर निर्णय, वैश्विक रुझान, शुल्क से संबंधित घटनाक्रम और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की गतिविधियां घरेलू शेयर बाजार की दिशा तय करेंगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। वृहद आर्थिक आंकड़ों की घोषणा के बीच फरवरी के लिए थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े सोमवार को जारी किए जाएंगे। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के एक शोध प्रमुख ने कहा कि वैश्विक व्यापार को लेकर लगातार अनिश्चितताएं और अमेरिका में मंदी की आशंका स्थानीय बाजार की रफ्तार को प्रभावित कर रही है। यह रुख जारी रहेगा। उन्होंने कहा, हालांकि हालिया करेक्शन के बाद मूल्यांकन में कमी, साथ ही कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट, डॉलर सूचकांक में नरमी और आने वाली तिमाहियों में घरेलू कंपनियों की आमदनी में उछाल की उम्मीद जैसे कारक बाजार के उतार-चढ़ाव पर कुछ अंकुश लगा सकते हैं। हालांकि, मौजूदा व्यापार को लेकर अनिश्चितताएं बरकरार हैं। बाजार के एक जानकार ने कहा कि इस सप्ताह चीन के खुदरा बिक्री और औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े वहां की आर्थिक वृद्धि दर को लेकर स्पष्ट तस्वीर पेश करेंगे। इसके अलावा निवेशकों की निगाह अमेरिकी के खुदरा बिक्री और उत्पादन के आंकड़ों पर भी रहेगी। साथ ही सप्ताह के दौरान बैंक ऑफ इंग्लैंड भी ब्याज दर को लेकर निर्णय की घोषणा करेगा। इस पर भी सभी की निगाह रहेगी। पिछले सप्ताह वैश्विक व्यापार को लेकर तनाव बढ़ने और अमेरिका में मंदी की आशंका से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई थी। इस सप्ताह, हमारा अनुमान है कि बाजार कुछ उतार-चढ़ाव के साथ सीमित दायरे में रहेगा। बाजार की दिशा वैश्विक रुख और अमेरिकी शुल्क नीतियों से तय होगी। पिछले सप्ताह छुट्टियों के कारण कम कारोबारी सत्रों के दौरान बीएसई के 30 शेयरों वाले सेंसेक्स में 503.67 अंक की

गिरावट आई। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 155.21 अंक के नुकसान में रहा। बाजार विश्लेषक कहते हैं कि निवेशक डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन द्वारा भारतीय वस्तुओं पर शुल्क लगाए जाने की आशंका और इसके कुल प्रभाव को लेकर चिंतित हैं। ऐसे में कुछ और समय तक नकारात्मक रुख बने रहने की संभावना हैं।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर हुआ 653.96 अरब डॉलर

नई दिल्ली । देश का विदेशी मुद्रा भंडार सात मार्च को समाप्त सप्ताह के दौरान 15.26 अरब डॉलर बढ़कर 653.96 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने यह जानकारी दी। पिछले सप्ताह यह 1.78 अरब डॉलर घटकर 638.69 अरब डॉलर रह गया था। रुपए में उतार-चढ़ाव को कम करने में मदद के लिए आरबीआई द्वारा विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप के साथ-साथ पुनर्मूल्यांकन के कारण हाल ही में भंडार में गिरावट का रुख रहा है। सितंबर, 2024 के अंत में विदेशी मुद्रा भंडार 704.88 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का एक प्रमुख हिस्सा विदेशी मुद्रा आस्तियां 13.99 अरब डॉलर बढ़कर 557.28 अरब डॉलर हो गईं। डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है। हालांकि, समीक्षाधीन सप्ताह में स्वर्ण भंडार का मूल्य 1.05 अरब डॉलर घटकर 74.32 अरब डॉलर हो गया। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 21.2 करोड डॉलर बढ़कर 18.21 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार 6.9 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.14 अरब डॉलर रहा।

एआई आधुनिक बाजार में एक उत्प्रेरक शक्ति है: सीसीआई प्रमुख

नई दिल्ली । भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) प्रमुख रवनीत कौर का कहना है कि कृत्रिम मेधा (एआई) आधुनिक बाजार में एक उत्प्रेरक शक्ति है, जिसमें साठगांठ को सक्षम करने की क्षमता भी है। उन्होंने कहा कि गतिशील या डायनेमिक मूल्य निर्धारण की आड़ में यह एल्गोरिदम संबंधी भेदभाव की संभावना पैदा कर सकता है। उन्होंने विश्वास आधारित विनियमन के साथ-साथ दूरदर्शी दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत पर जोर दिया। राष्ट्रीय राजधानी में 'प्रतिस्पर्धा कानून के अर्थशास्त्र' पर 10वें राष्ट्रीय सम्मेलन में अपने संबोधन में कौर ने कहा कि एआई आधुनिक बाजारों में एक प्रेरक शक्ति है। एआई उद्योगों में मूल्य निर्धारण रणनीतियों, निर्णय लेने और परिचालन दक्षता को आकार देता है, लेकिन यह खतरा भी पेश करता है। प्रतिस्पर्धा आयोग की प्रमुख ने कहा कि एआई साठगांठ या मिलीभगत के नए रूप को सक्षम कर सकता है। इनमें मानव संचार के बिना गठजोड़, स्पष्ट समझौतों के बिना मूल्य समन्वय और गतिशील मूल्य निर्धारण की आड़ में एल्गोरिदम संबंधी भेदभाव शामिल है। सीसीआई पहले ही एआई और प्रतिस्पर्धा पर एक अध्ययन कर रहा है ।प्रतिस्पर्धा अधिनियम, 2002 के लागू होने के बाद से, सीसीआई को प्रतिस्पर्धा उल्लंघन से संबंधित 1,300 मामले मिले हैं जिनमें से 1,180 का निपटारा किया जा चुका है। पिछले साल, नियामक को 42 ऐसे मामले मिले। इनमें प्रथम दृष्टया आठ मामलों में प्रतिस्पर्धा उल्लंघन की बात सामने आई जिनकी विस्तार से जांच की जरूरत पड़ी। उल्लंघन न होने के कारण 19 मामलों को शुरुआती चरण में ही बंद कर दिया गया और 15 मामले जांच के विभिन्न चरणों में लंबित हैं। कौर ने कहा कि 2024 में, नियामक को 128 संयोजन नोटिस प्राप्त हुए और 126 मामलों का निपटारा किया गया। दो मामलों को प्रतिस्पर्धा रक्षोपायों के साथ मंजूरी दी गई।

सेंसेक्स की पांच कंपनियों का मार्केट कैप 93,000 करोड़ घटा

- सबसे अधिक नुकसान इन्फोसिस और टीसीएस को हुआ

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट के रुख की वजह से सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से पांच कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में पिछले सप्ताह सामूहिक रूप से 93,357.52 करोड़ रुपये की गिरावट आई। सबसे अधिक नुकसान सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनियों इन्फोसिस और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में इन्फोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, हिंदुस्तान यूनिलीवर, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और रिलायंस इंडस्ट्रीज के बाजार मूल्यांकन में गिरावट आई। वहीं आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, आईटीसी, बजाज फाइनेंस और भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण चढ़ गया।इन पांच कंपनियों के बाजार मूल्यांकन में सामूहिक रूप से 49,833.62 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। समीक्षाधीन सप्ताह में इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 44,226.62 करोड़ रुपये घटकर 6,55,820.48 करोड़ रुपये, टीसीएस का मूल्यांकन 35,800.98 करोड़ रुपये घटकर 12,70,798.97 करोड़ रुपये पर आ गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में यह खिसक कर तीसरे स्थान पर आ गई। हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत 6,567.11 करोड़ रुपये घटकर 5,11,235.81 करोड़ रुपये, एसबीआई का मूल्यांकन 4,462.31 करोड़ रुपये घटकर 6,49,489.22 करोड़ रुपये और रिलायंस इंडस्ट्रीज के मूल्यांकन में 2,300.50 करोड़ रुपये की

गिरावट आई और यह घटकर 16,88,028.20 करोड़ रुपये पर आ गया। इस रुख के विपरीत आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 25,459.16 करोड़ रुपये बढ़कर 8,83,202.19 करोड़ रुपये, एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्यांकन 12,591.60 करोड़ रुपये बढ़कर 13,05,169.99 करोड़ रुपये, आईटीसी का बाजार पूंजीकरण 10,073.34 करोड़ रुपये बढ़कर 5,15,366.68 करोड़ रुपये, बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन 911.22 करोड़ रुपये बढ़कर 5,21,892.47 करोड़ रुपये पर और भारती एयरटेल का 798.30 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 9,31,068.27 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही। उसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस, आईटीसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

इस हफ्ते तीन अलग-अलग कंपनियों के आईपीओ आएंगे

नई दिल्ली । आईपीओ में पैसा निवेश करने वालों के लिए एक सुनहरा अवसर हो सकता है, जैसे कि इस हफ्ते तीन अलग-अलग कंपनियों के आईपीओ होने वाले हैं। इनमें से दो आईपीओ एसएमई सेगमेंट के होंगे, जो की बहुत ही रोमांचक और लाभदायक साबित हो सकते हैं। 17 मार्च को खुलने जा रहे हैं डिवाइन हीरा ज्वैलर्स आईपीओ और पारादीप परिवहन आईपीओदोनों ही आईपीओ लोगों के लिए एक बड़ा मौका पेश कर रहे हैं, जहाँ निवेशकों को अच्छी रिटर्न्स की उम्मीद है। साथ ही, 20 मार्च को खुलने जा रहे हैं एरिजइंफ्रा सॉल्‍ यूशन्‍स आईपीओ जो मेनबोर्ड सेगमेंट का है। यह आईपीओ भी निवेशकों के लिए बड़ा मौका पेश कर सकता है। इस हफ्ते शेयर बाजार में दो कंपनियों के शेयर सूचीबद्ध भी होंगे, जो की भी एसएमई सेगमेंट में होंगे। इसलिए, निवेशकों के लिए यह एक वास्तविक चुनौतीपूर्ण और लाभदायक हफ्ता हो सकता है। इन सभी कंपनियों के आईपीओ को ध्यान से देखकर और रिसर्च करके निवेश का निर्णय लेना बेहद महत्वपूर्ण होगा। निवेशकों को सलाह दी जाती है कि वे अपने निवेश को उनके वित्तीय लक्ष्यों और रिस्क टोलरेंस के साथ मिलाकर करें।

विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजार से 30,000 करोड़ निकाले

- फरवरी में 34,574 करोड़ और जनवरी में 78,027 करोड़ रुपये निकाले थे

नई दिल्ली ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की भारतीय शेयर बाजारों से निकासी का सिलसिला जारी है। वैश्विक व्यापार को लेकर तनाव बढ़ने के बीच एफपीआई ने मार्च के पहले पखवाड़े में स्थानीय शेयर बाजारों से 30,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि निकाली है। इससे पहले फरवरी में उन्होंने शेयरों से 34,574 करोड़ रुपये और जनवरी में 78,027 करोड़ रुपये निकाले थे। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार इस तरह 2025 में अब तक एफपीआई भारतीय शेयर बाजार से कुल 1.42 लाख करोड़ रुपये (16.5 अरब अमेरिकी डॉलर) निकाल चुके हैं। आंकड़ों के अनुसार, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने (13 मार्च तक) भारतीय शेयर बाजारों से 30,015 करोड़ रुपये निकाले हैं। यह उनकी शुद्ध निकासी का लगातार 14वां सप्ताह है। कई वैश्विक और घरेलू कारकों से एफपीआई काफी समय से लगातार बिकवाली कर रहे हैं। बाजार के जानकारों ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अगुवाई में अमेरिका की व्यापार नीतियों को लेकर जो अनिश्चितता चल रही है। आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने समीक्षाधीन अवधि में बॉन्ड में सामान्य सीमा के तहत 7,355 करोड़ रुपये का निवेश किया है और स्वैच्छिक प्रतिधारण मार्ग से

325 करोड़ रुपये निकाले हैं। एफपीआई का 2024 में भारतीय बाजार में निवेश काफी कम होकर 427 करोड़ रुपये रहा था। इससे पहले 2023 में उन्होंने भारतीय बाजार में 1.71 लाख करोड़ रुपये डाले थे, जबकि 2022 में वैश्विक केंद्रीय बैंकों द्वारा ब्याज दरों में आक्रामक वृद्धि के बीच 1.21 लाख करोड़ रुपये की निकासी की थी।

गोल्ड ईटीएफ में भी जमकर निवेश कर रहे निवेशक

नई दिल्ली । फिजिकल गोल्ड के साथ अब दुनियाभर में लोग गोल्ड ईटीएफ में भी जमकर निवेश कर रहे हैं. यही वजह है कि फरवरी, 2025 के दौरान लगातार तीसरे महीने गोल्ड ईटीएफ में निवेश बढ़ा। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के ताजा आंकड़ों के अनुसार फरवरी में वैश्विक स्तर पर गोल्ड ईटीएफ में 9.4 बिलियन डॉलर का निवेश हुआ, जो मार्च 2022 के बाद सबसे बड़ी मासिक बढ़ोतरी है। फरवरी के दौरान वैश्विक स्तर पर ट्रेड वॉर की आशंका और अमेरिकी डॉलर में कमजोरी ने सोने की कीमतों को मजबूती दी। इस दौरान सोने के दाम अमेरिकी डॉलर में 1 फीसदी और भारतीय रुपये में 4 फीसदी तक बढ़े। फरवरी 2025 में गोल्ड ईटीएफ की होल्डिंग में 99.9 टन की बढ़ोतरी दर्ज की गई। सोने की कीमतों में मजबूती और लगातार तीसरे महीने आए इनफ्लो की बदौलत गोल्ड ईटीएफ का एसेट अंडर मैनेजमेंट बढ़कर रिकॉर्ड 306 बिलियन डॉलर पर पहुंच गया। एशियाई निवेशकों ने भी गोल्ड ईटीएफ में भरोसा दिखाया, जहां 2.3 बिलियन डॉलर का इनफ्लो दर्ज किया गया. चीन इस मामले में सबसे आगे रहा और यहां 1.93 बिलियन डॉलर गोल्ड ईटीएफ में लगाए। भारत में भी 220.5 मिलियन डॉलर का निवेश हुआ, क्योंकि घरेलू इक्विटी बाजार में गिरावट और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के कारण निवेशकों का रुझान सोने की ओर बढ़ा।

ओयो होटल्स ने घोषित किया मुफ्त ठहरने का बड़ा ऑफर

नई दिल्ली । देशभर में ओयो होटल्स के ठहरने वाले ग्राहकों के लिए बड़ी खबर है। ओयो कंपनी ने घोषित किया है कि लोग अब पांच दिनों तक मुफ्त ठहर सकते हैं। इस ऑफर

के तहत, देशभर में 1000 होटलों में यह सुविधा उपलब्ध है। इस ऑफर की शुरुआत होली के मौके पर की गई है, जो भारत की चैंपियंस ट्रॉफी जीत के उत्सव के बाद है। ओयो के फाउंडर ने एक्स पर एक पोस्ट करके बताया कि इस ऑफर का मुख्य उद्देश्य यात्रा करने और प्रियजनों के साथ समय बिताने की प्रोत्साहन है। इस खास मौके पर ऑफर का नवाजा जाएगा, इसमें प्रीमियम से बजट और टाउनहाउस कमरे शामिल हैं। इस ऑफर का लाभ उठाने के लिए ग्राहकों को ओयो की वेबसाइट पर जाकर बुकिंग करनी होगी और चैंपियन कूपन कोड का उपयोग करना होगा। यह ऑफर केवल पहले 2000 बुकिंग्स तक ही सीमित है, इसलिए जल्दी ही बुक करें और इस होली को और भी यादगार बनाएं।

ट्रम्प प्रशासन के टैरिफ सम्बंधी निर्णयों से कैसे निपटे भारत

प्रहलाद सबनानी

ट्रम्प प्रशासन द्वारा टैरिफ को बढ़ाए जाने सम्बंधी लिए जा रहे निर्णयों का भारत के लिए स्वर्णिम अवसर भी बन सकता है। क्योंकि, भारतीय जब भी दबाव में आते हैं तब तब वे अपने लिए बेहतर उपलब्धियां हासिल कर लेते हैं। इतिहास इसका गवाह है, कोविड महामारी के खंडकाल में भी भारत ने दबाव में कई उपलब्धियां हासिल की थीं। भारत ने कोविड के खंडकाल में 100 से अधिक देशों को कोविड बीमारी से सम्बंधित दवाईयां एवं टीके निर्यात करने में सफलता हासिल की थी।

ट्रम्प प्रशासन अमेरिका में विभिन्न उत्पादों के हो रहे आयात पर टैरिफ की दरों को लगातार बढ़ाते जाने की घोषणा कर रहा है क्योंकि ट्रम्प प्रशासन के अनुसार इन देशों द्वारा अमेरिका से किए जा रहे विभिन्न उत्पादों के आयात पर ये देश अधिक मात्रा में टैरिफ लगाते हैं। चीन, कनाडा एवं मेक्सिको से अमेरिका में होने वाले विभिन्न उत्पादों के आयात पर तो टैरिफ को बढ़ा भी दिया गया है। इसी प्रकार भारत के मामले में भी ट्रम्प प्रशासन का मानना है कि भारत, अमेरिका से आयातित कुछ उत्पादों पर 100 प्रतिशत तक का टैरिफ लगाता है अतः अमेरिका भी भारत से आयात किए जा रहे कुछ उत्पादों पर 100 प्रतिशत का टैरिफ लगाएगा। इस संदर्भ में हालांकि केवल भारत का नाम नहीं लिया गया है बल्कि 'टिट फोर टेट' एवं 'रेसिप्रोकल' आधार पर कर लगाने की बात की जा रही है और यह समस्त देशों से अमेरिका में हो रहे आयात पर लागू किया जा सकता है एवं इसके लागू होने की दिनांक भी 2 अप्रेल 2025 तय कर दी गई है। इस प्रकार की नित नई घोषणाओं का असर अमेरिका सहित विभिन्न देशों के पूंजी (शेयर) बाजार पर स्पष्टतः दिखाई दे रहा है एवं शेयर बाजारों में डर का माहौल बन गया है।

भारत ने वर्ष 2024 में अमेरिका को लगभग 74,000 करोड़ रुपए की दवाईयों का निर्यात किया है। 62,000 करोड़ रुपए के टेलिकॉम उपकरणों का निर्यात क्या है, 48,000 करोड़ रुपए के पर्ल एवं प्रेशस स्टोन का निर्यात किया है, 37,000 करोड़ रुपए के पेट्रोलीयम उत्पादों का निर्यात किया है, 30,000 करोड़ रुपए के स्वर्ण एवं प्रेशस मेटल का निर्यात किया है, 26,000 करोड़ रुपए की कपास का निर्यात किया है, 25,000 करोड़ रुपए के इस्पात एवं अल्यूमिनियम उत्पादों का निर्यात किया है, 23,000 करोड़ रुपए सूती कपड़े का निर्यात का किया है, 23,000 करोड़ रुपए की इलेक्ट्रिकल मशीनरी का निर्यात किया है एवं 22,000 करोड़ रुपए के समुद्रीय उत्पादों का निर्यात किया है। इस प्रकार, विदेशी व्यापार के मामले में अमेरिका, भारत का सबसे बड़ा साझीदार है।

अमेरिका अपने देश में विभिन्न वस्तुओं के आयात पर टैरिफ लगा रहा है क्योंकि अमेरिका को ट्रम्प प्रशासन एक बार पुनः वैभवशाली बनाना चाहते हैं परंतु इसका अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर ही विपरीत प्रभाव होता हुआ दिखाई दे रहा है। अमेरिकी बैंकों के बीच किए गए एक सर्वे में यह तथ्य उभरकर सामने आया है कि यदि अमेरिका में विभिन्न उत्पादों के आयात पर टैरिफ इसी प्रकार बढ़ाते जाते रहे तो अमेरिका में आर्थिक मंदी की सम्भावना बढ़कर 40 प्रतिशत के ऊपर पहुंच सकती है, जो हाल ही में जे पी मोर्गन द्वारा 31 प्रतिशत एवं गोल्डमैन सैचस 24 प्रतिशत बताई गई थी।

इसके साथ ही, ट्रम्प प्रशासन के टैरिफ सम्बंधी निर्णयों की घोषणा में भी एकरूपता नहीं है। कभी किसी देश पर टैरिफ बढ़ाने के घोषणा की जा रही है तो कभी इसे वापिस ले लिया जा रहा है, तो कभी इसके लागू किए जाने के समय में परिवर्तन किया जा रहा है, तो कभी इसे लागू करने की अवधि बढ़ा दी जाती है। कुल मिलाकर, अमेरिकी पूंजी बाजार में सधे हुए निर्णय होते हुए दिखाई नहीं दे रहे हैं इससे पूंजी बाजार में निवेश करने वाले निवेशकों का आत्मविश्वास टूट रहा है। और, अंततः इस सबका असर भारत सहित अन्य देशों के पूंजी (शेयर) बाजार पर पड़ता हुआ भी दिखाई दे रहा है।

हालांकि, ट्रम्प प्रशासन द्वारा टैरिफ को बढ़ाए जाने सम्बंधी लिए जा रहे निर्णयों का भारत के लिए स्वर्णिम अवसर भी बन सकता है। क्योंकि, भारतीय जब भी दबाव में आते हैं तब तब वे अपने लिए बेहतर उपलब्धियां हासिल कर लेते हैं। इतिहास इसका गवाह है, कोविड महामारी के खंडकाल में भी भारत ने दबाव में कई उपलब्धयां हासिल की थीं। भारत ने कोविड के खंडकाल में 100 से अधिक देशों को कोविड बीमारी से सम्बंधित दवाईयां एवं टीके निर्यात करने में सफलता हासिल की थी।

विदेशी व्यापार के मामले में चीन, कनाडा एवं मेक्सिको अमेरिका के बहुत महत्वपूर्ण भागीदार हैं। वर्ष 2021-22 के आंकड़ों के अनुसार, उक्त तीनों देश लगभग 65,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का व्यापार प्रतिवर्ष अमेरिका के साथ करते हैं। इसके बावजूद अमेरिका ने उक्त तीनों के साथ व्यापार युद्ध प्रारम्भ कर दिया है। भारत के साथ अमेरिका का केवल 11,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर का ही व्यापार था। अब ट्रम्प प्रशासन की अन्य देशों से यह अपेक्षा है कि वे अमेरिकी उत्पादों के आयात पर टैरिफ कम करे अथवा अमेरिका भी इन देशों से हो रहे विभिन्न उत्पादों पर उसी दर से टैरिफ वसूल करेगा, जिस दर पर ये देश अमेरिका से आयातित उत्पादों पर वसूलते हैं। यह सही है कि भारत अमेरिका से आयातित वस्तुओं पर अधिक टैरिफ लगाता है क्योंकि भारत अपने किसानों और व्यापारियों को बचाना चाहता है। भारत में कृषि क्षेत्र के उत्पादों पर 25 से 100 प्रतिशत तक आयात कर लगाया जाता है जबकि कृषि क्षेत्र के अतिरिक्त अन्य उत्पादों पर कर की मात्रा बहुत कम हैं। भारत ने विनिर्माण एवं अन्य क्षेत्रों में उत्पादकता बढ़ा ली है परंतु कृषि क्षेत्र में अभी भी अपनी उत्पादकता बढ़ाना है। हाल ही के समय में भारत ने कई उत्पादों के आयात पर टैरिफ की दर घटाई भी है।

भारत के साथ दूसरी समस्या यह भी है कि यदि भारत आयातित उत्पादों पर टैरिफ कम करता है तो भारत में इन उत्पादों के आयात बढ़ेंगे और भारत को अधिक अमेरिकी डॉलर की आवश्यकता पड़ेगी इससे भारतीय रुपये का और अधिक अवमूल्यन होगा तथा भारत में मुद्रा स्फीति का दबाव बढ़ेगा। विदेशी निवेश भी कम होने लगेगा और अंततः भारत में बेरोजगारी बढ़ेगी। भारत में सप्लाई चैन पर दबाव भी बढ़ेगा। इन समस्त समस्याओं का हल है कि भारत अन्य देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते करे। परंतु, अन्य देश चाहते हैं कि द्विपक्षीय समझौतों में कृषि क्षेत्र को भी शामिल किया जाय, इसका रास्ता आपसी चर्चा में निकाला जा सकता है। अमेरिका एवं ब्रिटेन के साथ भी द्विपक्षीय व्यापार समझौते सम्पन्न करने की चर्चा तेज गति से चल रही है। हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान यह घोषणा की गई थी कि भारत और अमेरिका के बीच विदेशी व्यापार को 50,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर प्रतिवर्ष के स्तर पर लाए जाने के प्रयास किए जाएंगे। इस सम्बंध में भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर तेजी से काम चल रहा है।

दूसरे, अब भारत को उद्योग एवं कृषि क्षेत्र में उत्पादकता बढ़ानी होगी। हर क्षेत्र में लागत कम करनी होगी ताकि भारत में उत्पादित वस्तुएं विश्व के अन्य देशों के साथ प्रतिस्पर्धा में खाड़ी हो सकें। भारत में रिश्वतखोरी की लागत को भी समाप्त करना होगा। भारत में निचले स्तर पर घूसखोरी की लागत बहुत अधिक है। भूमि, पूंजी, श्रम, संगठन एवं तकनीकि की लागत कम करनी होगी। कुल मिलाकर व्यवहार की लागत को भी कम करना होगा। भारतीय उद्योगों को अन्य देशों के उद्योगों के साथ प्रतिस्पर्धी बनाना ही इस समस्या का हल है ताकि भारतीय उद्योगों द्वारा निर्मित उत्पाद अन्य देशों के साथ विशेष रूप से गुणवत्ता एवं लागत के मामले में प्रतिस्पर्धा कर सकें। निजी क्षेत्र को लगातार प्रोत्साहन देना होगा ताकि निजी क्षेत्र का निवेश उद्योग के क्षेत्र में बढ़ सके। आज भारत में पूंजीगत खर्चे केवल केंद्र सरकार द्वारा ही बहुत अधिक मात्रा में किए जा रहे हैं। आज देश में हजारों टाटा, बिरला, अडानी एवं अम्बानी चाहिए। केवल कुछ भारतीय बहुराष्ट्रीय कम्पनियों से अब काम चलने वाला नहीं हैं। भारत को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था बनाने का समय अब आ गया है।

तीसरे, मेक इन इंडिया ट्रम्प के टैरिफ युद्ध का सही जवाब है। आज भारत को सही अर्थों में 'आत्मनिर्भर भारत' बनाए जाने की सबसे अधिक आवश्यकता है। भारत के लिए केवल अमेरिका ही विदेशी व्यापार के मामले में सब कुछ नहीं होना चाहिए, भारत को अपने लिए नित नए बाजारों की तलाश भी करनी होगी। एक ही देश पर अत्यधिक निर्भरता उचित नहीं है। स्वदेशी उद्योगों को भी बढ़ावा देना ही होगा।

संपादकीय

संबंधों की नई ऊंचाई

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दो दिवसीय मॉरीशस यात्रा से दोनों देशों के पारंपरिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक रिश्तों को और ऊंचाई मिली है। मोदी ने मार्च 2015 में मॉरीशस की यात्रा की थी। उन्होंने इस यात्रा की स्मृतियों को याद किया। लोगों को याद रखना चाहिए कि एक दशक पहले की यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिमी हिन्द महासागर के तटीय क्षेत्रों पर स्थित द्विपीव्य राष्ट्रों के बढ़ते भू राजनीतिक मह'व को रेखांकित किया था और भारत के 'सागर' दृष्टिकोण यानी क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास को उजागर किया था। वर्तमान यात्रा के दौरान उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत के 'सागर' दृष्टिकोण को साकार करने के लिए मॉरीशस एक महत्त्वपूर्ण भागीदार बना हुआ है। इसी के साथ उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने में मॉरीशस सरकार के समर्थन की सराहना भी की। यह ध्यान रखने वाली बात है कि हिन्द महासागर चीन के दावे के साथ इसके विस्तार को भारत ने बहुत गंभीरता से लिया है। चीन के अलावा रूस और यूरोप के भी कुछ देश हिन्द महासागर के इलाके में अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश में लगे हुए हैं। इसी कारण से भारत ने विशेष रूप से समुद्री सुरक्षा से संबंधित गठबंधनों को इस क्षेत्र के द्विपीय राष्ट्रों के साथ मजबूत किया है। प्रधानमंत्री मोदी और मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम ने कहा की रक्षा और समुद्री सुरक्षा सहयोग द्विपक्षीय संबंधों का एक मह'वपूर्ण स्तंभ बना हुआ है। उन्होंने इस बात पर सहमति जताई कि स्वतंत्र, खुला, सुरक्षित और संरक्षित हिन्द महासागर क्षेत्र सुनिश्चित करने के लिए मॉरीशस और भारत की साझा प्रतिबद्धता है। दोनों देश इस क्षेत्र में स्वाभाविक साझेदार हैं और समुद्री चुनौतियों से निपटने के लिए मिलकर काम करने का संकल्प दोहराया। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय बातचीत के बाद 8 समझौते हुए जिनमें सीमा पर लेनदेन के राष्ट्रीय मुद्राओं को बढ़ावा देना, समुद्री डाटा साझा करना और मनी लाँड्रिंग पर लगाम लगाने के लिए संयुक्त कार्रवाई प्रमुख है। विभिन्न क्षेत्रों में पारस्परिक सहयोग बढ़ाने की दिशा में यह समझौते अहम भूमिका का निर्वाह करेंगे। प्रसन्नता की बात यह है कि दोनों शीर्ष नेताओं ने दोनों देशों के बीच घनिष्ठ मैत्री संबंधों को और मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की।

चिंतन-मनन

परमात्मा का दिव्य उपहार है जीवन

मानव जीवन परमात्मा का दिव्य उपहार है। जिंदगी को जीना सीखें। कुछ लोग जिंदगी को जीते हैं, कुछ लोग काटते हैं। जिसको जीना और जाना आ गया वह जीवन में सफल हो गया। हे मनुष्य एक दिन भी जी, अटल विश्वास बनकर जी। ब्राह्मो मुहूर्ते बुध्येत, धर्मार्थों चातुचिन्तयेत? अर्थात? व्यक्ति ब्रह्म मुहूर्त में जागे और धर्म एवं अर्थ के विषय में चिंतन करें। शास्त्रकारों ने यह कभी नहीं कहा कि व्यक्ति अर्थोपार्जन न करे। वह अर्थोपार्जन करे किंतु धर्मपूर्वक, अधर्मपूर्वक नहीं।

हमें न तो आध्यात्मिकता की उपेक्षा करनी है न भौतिक सुख सुविधाओं की है। ब्रह्म मुहूर्त में व्यक्ति जितना अच्छा चिंतन कर सकता है उतना दूसरे समय में नहीं। स्वास्थ्य की दृष्टि से भी यह सर्वोत्तम समय है। बिल कोस्बो ने इस संदर्भ में कहा है कि मुझे नहीं मालूम कि कामयाबी पाने की पुंजी क्या है, पर हर आदमी को खुश करने की कोशिश करना ही नाकामयाबी की पुंजी है।

जीवन में यदि आप सफल होना चाहते हैं तो प्रसन्न रहने की आदत डालिए, क्योंकि सफलता और प्रसन्नता का चोली दामन का साथ है। हम जो चाहें हमारे जीवन का जो लक्ष्य हो उसे पा लें यह सफलता है और जब मन चाहे लक्ष्य को पा लेंगे तो स्वभावतः प्रसन्नता का अनुभव करेंगे। हम जिंदगी को काटे नहीं, सच्चे अर्थों में जीएं। हम निरंतर परिश्रम करें। जॉन एच रोटस ने अपने संदेश में कहा है- सिर्फ जिंदगी न गुजारो-जीओ, सिर्फ छुओ नहीं महसूस करो, सिर्फ देखो नहीं गौर करो, सिर्फ पढ़ो नहीं जीवन में उतारो।

हमारा जीवन बहिमुर्खी न होकर अंतमुर्खी होना चाहिए। उसमें उथलापन नहीं, आडंबर नहीं, गंभीरता होनी चाहिए। हमारे आदर्श ऊंचे होने चाहिए और विचार सात्विक। बाहरी साज-सज्जा, शरीर की चमक दमक से कोई व्यक्ति न तो महान बन सकता है, न ही सफलता उसके चरण चूमती है।

शिक्षा और श्रम से ही होगा अल्पसंख्यकों का कल्याण

डॉ हिदायत अहमद खान

उत्तम शिक्षा सभ्य समाज की बुनियाद रखने की पहली शर्त होती है। शिक्षा ही है जो मानव को उत्तम मानव बनाती है। बगैर सामाजिक वातावरण और शिक्षा के अभाव में तो इंसान का बच्चा भी पशुओं के सदृस व्यवहार करता नजर आ जाता है। इसलिए प्रत्येक काल में शिक्षा को महत्व दिया गया। ऐसी ही शिक्षा के महत्व को प्रतिपादित करते हुए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने एक समारोह में कहा कि अल्पसंख्यक समुदाय से अधिक इंजीनियर, आईपीएस और आईएएस अधिकारी आएंगे तो सभी प्रगति करेंगे। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति डॉ अब्दुल कमाल का उदाहरण देते हुए कहा कि आज हमारे सामने पूर्व राष्ट्रपति स्वर्गीय डॉ एपीजे अब्दुल कलाम का उदाहरण है। यह समझने वाली बात है कि यदि उन्हें पढ़ने का अवसर नहीं मिलता तो कुछ भी नहीं होता, शिक्षा की यही ताकत है। ऐसी शिक्षा जो इंसान को आगे बढ़ने की सोच प्रदान करती है। शिक्षा ही है जो जीवन मूल्यों को आगे बढ़ाते हुए समाज व देश को सही दिशा प्रदान करने वाले मानव का निर्माण करती है। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने इस आशय की बातें एक दीक्षांत समारोह के दौरान कहीं और चूंकि वो धर्म, जाति और संप्रदाय की बातें सार्वजनिक तौर पर नहीं करते सो उन्होंने यहां पर भी पिछले साल हुए लोकसभा चुनाव के दौरान कही गई बात को दोहराया और कहा कि ह्यजो करेगा जात की बात, उसको मारूंगा लातह्न यह तो आर्षवाक्य होना चाहिए और सिर्फ राजनीति में नहीं बल्कि हर क्षेत्र में इसका ध्यान रखा जाना चाहिए, फिर चाहे वो शिक्षा के साथ निजी और सरकारी नौकरियों में भर्ती का मामला ही क्यों न हो। वैसे भी गडकरी अपने बेबाक बयानों के लिए भी जाने जाते हैं, इसलिए इस तरह की बात सुनकर भी लोगों को नहीं लगता कि वो कुछ ज्यादा बोल गए, या उनकी बात में कुछ अनुचित समाया हुआ है। जहां तक शिक्षा की बात है तो इसमें शक नहीं कि शिक्षा पर फोकस किया जाना चाहिए, लेकिन इससे पहले यह भी तय करना होगा कि शिक्षा सिर्फ बाबू और अधिकारी बनाने वाली नहीं होनी चाहिए। एक ऐसी शिक्षा की दरकार हमेशा से है और होनी भी चाहिए जो समाज कल्याणकारी मानव को निर्मित करती हो। पर अफसोस कि हमारी शिक्षा का ऊपरी ढांचा तो भारतीय नजर आता है, लेकिन उसके अंदर समायी हुई आत्मा अंग्रेजों की गढ़ी हुई है, जो अच्छा इंसान बनाने की बजाय क्लर्क तैयार करने पर विशेष जोर देती है। यह एक बात है, दूसरी बात यह कि शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में जो ईमानदारी आजादी के इतने सालों बाद उभरकर सामने आनी चाहिए थी, वह कहीं से भी नजर नहीं आई है। नतीजे में उच्चशिक्षित योग्य युवा दर-दर की ठोकरें खाते नजर आ जाते हैं, जबकि सिफारिशी और राजनीतिक पहुंच वाले कम योग्य व्यक्ति उच्च पदों पर सुशोभित होते देखे जा सकते हैं। इससे युवाओं में एक आक्रोश घर करता चला जा रहा है। यह क्या कम गंभीर बात है कि किसी सरकारी दफ्तर में एक क्लर्क की पोस्ट निकलती है और आवेदन करने वाले लाखों अभ्यर्थियों में डॉक्टर्स और इंजीनियर्स भी शामिल नजर आ जाते हैं। यह वाकई गंभीर चिंता का विषय है। इसके लिए महज शिक्षा प्रणाली को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है, बल्कि उच्च स्तर पर जो अंधा बांटे रेबड़ी, और चीन्ह-चीन्ह के देय वाली कहावत चरितार्थ हो रही है, उस पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है। जहां तक अल्पसंख्यकों को शिक्षा और समानता का अवसर उपलब्ध कराने की बात है तो अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नया 15 सूत्री कार्यक्रम अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है। यह एक व्यापक कार्यक्रम है, जिसका लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि छह केंद्रीय रूप से अधिसूचित अल्पसंख्यक समुदायों के वंचित और कमजोर वर्गों को विभिन्न सरकारी कल्याण योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के समान अवसर मिलें और वे देश के समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान दें। इनमें विभिन्न छात्रवृत्तियों के साथ ही ऋण योजनाएं भी शामिल की गई हैं, ताकि अल्पसंख्यक वर्ग के लोगों की प्रगति में कोई अड़चन न आने पाए। इस प्रकार सरकार की मंशा और योजनाएं तो समाज व समुदाय के लिए कल्याणकारी होती हैं, लेकिन उनका क्रियान्वयन और प्रचार-प्रसार जमीनी हकीकत से कोसों दूर होता है। इस कारण इसके लाभार्थियों को अंगुलियों में गिना जा सकता है, जबकि इसके लाभ के आकांक्षी करोड़ों में होते हैं। इस दिशा में भी विचार करने और उचित कदम उठाने की आवश्यकता है। बहरहाल शिक्षा और रोजगार के साथ ही स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुधार की गुंजाइश तो हर काल में रहती है, इससे इंकार नहीं किया जा सकता है। जहां तक शिक्षा का सवाल है तो किसी जाति, धर्म या संप्रदाय विशेष के लिए नहीं बल्कि प्रत्येक भारतीय के लिए यह आवश्यक है, ताकि देश व समाज बेहतर तरक्की कर सकें।

घातक होती जा रही है आतंक से वोट बटोरने की प्रथा

देश की आन्तरिक सुरक्षा व्यवस्था को नित नई चुनौतियां मिल रहीं हैं। बिहार में अररिया के बाद मुंगेर में भी पुलिस अधिकारी की हत्या का मामला सामने आया है। अतीत गवाह है कि देश में अपराधियों के हौसले निरंतर बुलंद होते जा रहे हैं। कहीं असामाजिक तत्वों की हरकतें भीड की शक्ल में सामने आतीं हैं तो कहीं खूनी घटनाओं को जानबूझकर साम्प्रदायिक रंगों में रंगने की कोशिशें होती हैं। धर्म का अपमान, नेता पर ज्यादती, जातिगत मान्यताओं पर कुठाराघात, इबादतगारों की बेअदबी जैसे शब्दों को लेकर अपराधों की इबारतें लिखी जा रहीं हैं। लोगों के मन से खाकी का खौफ खत्म होता जा रहा है। इसके पीछे अनेक कारण हैं। एक ओर खाकी पर मनमानी के आरोपों की लम्बी फेरिश्त है जिसे बढाने में खद्दरधारियों से लेकर काले कोटधारियों तक की सक्रिय भागीदारी दर्ज होती रही है तो दूसरी ओर पुलिस पर विधायिका का दबाव भी ऐसी घटनाओं को बढावा देता रहा है। सत्ताधारी दलों और विपक्षी जमातों के मध्य देश की आपराधिक घटनाओं पर सदन में होने वाली बहसों, अमर्यादित व्यवहारों और हो-हल्ला के प्रकाशनों-प्रसारणों ने असामाजिक तत्वों के मनोबल बढा दिये हैं। अवैध कारोबारों से कमाये गये धनबल से बाहुबल खरीदने वाले अब जनबल का कवच बनाकर मनमानियां करने में जुटे हैं। गैरकानूनी घटनाओं पर सियासी जंग शुरू करके उसे विवादास्पद बनाने के लिए खद्दरधारी हमेशा ही तैयार रहते हैं। वोट बैंक की राजनीति के लिए कभी रुपये के राजकीय चिन्ह को बजट से हटा दिया जाता है तो कभी अल्पसंख्यकों के नाम पर कथित बहुसंख्यकों के हितों पर प्रहार होने लगते हैं। सत्ता तक पहुंचने के लालच में लिपटे दलों का दबाव भी पुलिस पर अक्सर दिखाई पडता है। संविधान में आम नागरिक को समान रूप से प्राथमिकी दर्ज का अधिकार दिया गया है परन्तु छुटपुट घटनाओं को छोडकर विशेष घटनाओं, सरकारी अधिकारी-कर्मचारी के विरुध्द मामलों, राजनेता के खिलाफ

प्रकरण, धनबली के आतंक की शिकायत, पहुंचबली की तानाशाही वाले मामलों आदि पर शायद की कभी पुलिस थानों में पीडित की तत्काल प्रथम सूचना आख्या दर्ज हुई हो। अधिकांश मामलों में वरिष्ठ अधिकारियों, राजनैतिक नेताओं या फिर जनप्रतिनिधि के दखल के बिना प्राथमिकी दर्ज होती ही नहीं है। सूचना के पंजीकरण की कौन कहे पीडित को आवेदन की पावती तक नहीं दी जाती है। इस दिशा में कभी भी खद्दरधारियों, काले कोटधारियों या फिर कथित समाजसेवियों ने सार्थक पहल नहीं की है। ऐसे अनेक मामलों में तो न्यायपालिका को सीधा दखल करना पडा, तब कही जाकर पीडित की प्राथमिकी दर्ज हुई परन्तु प्राथमिकी दर्ज न करने वाले उत्तरदायी अधिकारी को फिर भी इस धृष्टता के लिए दण्ड नहीं मिला। ज्यादा हाय-तोबा होने पर चेतावनी देकर, जांच बैठाकर, लाइन अटैच करके मामले को ठंडे बस्ते में पहुंचाने का ही प्रयास किया जाता रहा है। वर्तमान हालात तो यहां तक बिगड गये हैं कि असामाजिक तत्वों, अपराधियों और आरोपियों ने राजनैतिक दलों के मुखौटे ओढकर अपने गैर कानूनी धन से प्रतिष्ठिता के कीर्तिमान स्थापित करने शुरू कर दिये हैं। पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार ने तो एक अरोपी के बचाव में उच्चतम न्यायालय तक आवाज बुलंद की थी। घातक होती जा रही है आतंक से वोट बटोरने की प्रथा। मणिपुर जैसे राज्यों में खुलेआम कानून की धज्जियां उड रहीं हैं। आतंकियों के खेमे विस्तार लेते जा रहे हैं। नक्सलियों के पक्ष में वामपंथियों की जमातें सुरक्षा घेरा बनाये दिखती है। हथियार बेचने वाले देश तो अपने कारोबार का विस्तार करने हेतु आतंकियों, नक्सलियों और अपराधियों को खुल्लम खुल्ला अपने ब्रान्डेड हथियारों की खेपें पहुंचा रहे हैं। अपराधियों को दण्डित कराने हेतु पुलिस की डायरी में अपराध से जुडा विवरण तो होता है परन्तु शायद ही कभी अपराधियों के पास से मिलने वाले हथियारों की आपूर्ति करने वाली श्रृंखला पर पुलिस ने विवरण प्रस्तुत किया हो। चीन, अमेरिका, पाकिस्तान, कनाडा जैसे देशों से निरंतर अपराधियों तक हथियारों की खेपें पहुंच रहीं हैं। राजनैतिक दलों का दबाव, दबंगों का रुतवा, धनबल की चमक, जनबल की दहशत, प्रभावबल का भौंकाल तो रेडलाइट चौराहों से लेकर गांव की चौपालों तक देखने को मिलता है। राजनैतिक संरक्षण मिलते ही अपराधी के चेहरे पर भइया, साहब, नेताजी, मसीहा जैसे मुखौटे चिपक जाते हैं। डर के मारे लोग उन्हें सम्मान देने की मजबूरी वाले गलियारे से गुजरने लगते हैं। आंतक का संदेश अब कानून बनकर स्थापित होने लगा है। कानून की धाराओं से खेलने में महारत हासिल करने वाले खद्दरधारियों की फौज जब सार्वजनिक रूप से अपराध करने वालों के पक्ष में खडी होकर वास्तविकता को प्रभावित करने लगी हो तब न्याय की देवी से वरदान की आशा करना गरीब की किस्मत में कैसे हो सकता है। सत्य की हत्या के प्रयासों में लगी स्वार्थवादियों की सेना ने देश की आन्तरिक व्यवस्था को सरेआम बंधक बना लिया है। गोरों के पदचिन्हों पर चलने वाले तत्कालीन आयातित नेताओं ने देश के संविधान में भी अंग्रेजी के बिना उच्च और उच्चतम न्यायालय के दरवाजे पर दस्तक देने तक की मनाही दर्ज करा दी थी। परिणाम सामने है कि अंग्रेजी न जानने वाले व्यक्ति को स्वयं पर लगाये गये आरोपों पर स्पष्टीकरण तक देने का अधिकार नहीं है। उसके मामले में कौन क्या बोल रहा है, क्या सबूत पेश हो रहे हैं, बहस में किन बातों को उठाया जा रहा है, घटना को किस रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है, आदि जाने बिना ही आरोपी कब अपराधी बना दिया जाये और कब अपराधी निर्दोष साबित हो जाये, कहा नहीं जा सकता। देश की कानून व्यवस्था पर जब तक प्रभावशाली लोगों, राजनेताओं, दबंगों, धन-जन-बल और स्वार्थपरिता का प्रभाव हावी रहेगा तब तक पुलिस-प्रशासन का पारदर्शी होना असम्भव नहीं हो कठिन अवश्य है। इस हेतु आम आवाम की संगठित पहल ही परिणामात्मक सुधार ला सकती है अन्यथा कार्यपालिका-विधायिका के साथ माफियों की तिकडी केवल और केवल स्वार्थपूर्ति के लक्ष्य का ही भेदन करती रहेगी। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नई आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

-डा. रवीन्द्र अरजरिया

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ 09 पटना झ 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादक: श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार मैनेजिंग एडिटर: डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादक: डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादक: तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

भाई, तुम कब धमाका करना बंद करोगे ?: सारा अली खान

अभिनेत्री सारा अली खान अपने भाई इब्राहिम अली खान की पहली फिल्म 'नादानियां' के एक गाने की झलक सोशल मीडिया पर साझा की है। उसमें लिखा, भाई, तुम कब धमाका करना बंद करोगे? इसके साथ ही उन्होंने इब्राहिम की स्टाइल और अंदाज की तारीफ करते हुए कहा, मेरे भाई का अलग स्वैग है। इससे पहले सारा ने मुंबई में फिल्म की विशेष स्क्रीनिंग में हिस्सा लिया और अपने छोटे भाई के लिए एक भावुक पोस्ट लिखा। उन्होंने कहा, मेरे प्यारे भाई, मैं वादा करती हूँ कि हमेशा तुम्हारे साथ रहूंगी और तुम्हारी सबसे बड़ी प्रशंसक बनी रहूंगी। तुम हमेशा मेरे लिए एक स्टार थे और अब, भगवान की इच्छा से पूरी दुनिया तुम्हें चमकते, धमाका करते हुए देखेगी। फिल्मों में तुम्हारा स्वागत है, यह तो बस शुरुआत है। फिल्म निर्माता करण जौहर ने भी अपने सोशल मीडिया पर इब्राहिम के डेब्यू को लेकर खुशी जताई। उन्होंने लिखा, वह दिन आ गया है! प्यार, दोस्ती और ढेर सारी नादानी से भरी कहानी के दरवाजे खुल गए हैं! इसे देखें, महसूस करें और इसके साथ झूमें। 'नादानियां' देखें, अभी, केवल नेटफ्लिक्स पर। फिल्म का निर्देशन शौना गौतम ने किया है और इसे धर्माटिक एंटरटेनमेंट द्वारा प्रोड्यूस किया गया है। फिल्म में महिमा चौधरी, सुनील शेट्टी, दीया मिर्जा और जुगल हंसराज जैसे दमदार कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं। 'नादानियां' की कहानी पिया (खुशी कपूर) की जिंदगी के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने दोस्तों से झूठ बोलती है कि उसका एक बॉयफ्रेंड है, लेकिन असल में वह फेक होता है।

फिल्म में इब्राहिम अली खान और खुशी कपूर की केमिस्ट्री को लेकर दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिला है। फिल्म को दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। कुछ दर्शकों को फिल्म की कहानी कमजोर लगी, तो कुछ ने कहा कि इब्राहिम ने अपने डेब्यू के हिसाब से शानदार प्रदर्शन किया है। अब देखना होगा कि इस फिल्म से उन्हें बॉलीवुड में कितनी मजबूती मिलती है। बता दें कि सारा अली खान अपने भाई के फिल्मी कॅरियर को लेकर बेहद उत्साहित हैं। इब्राहिम इस रोमांटिक एंटरटेनर के साथ बॉलीवुड में कदम रख चुके हैं, और उनकी बहन सारा लगातार उनका हौसला बढ़ा रही हैं।

फिर मनवाया विनीत कुमार ने अपनी प्रतिभा का लोहा

बालीवुड अभिनेता विनीत कुमार सिंह ने लक्ष्मण उतेकर की छावा और रीमा कागती की सुपरबॉयज़ ऑफ़ मालेगांव में लगातार दो हिट फिल्में दीं। इन दोनों फिल्मों में उनके किरदारों को दर्शकों ने खूब सराहा और उन्होंने अपनी प्रतिभा का लोहा एक बार फिर मनवाया। छावा में विनीत ने कवि कलश की भूमिका निभाई, जो एक निडर योद्धा, महान कवि और छत्रपति संभाजी महाराज के सबसे करीबी मित्रों में से एक थे। वहीं, सुपरबॉयज़ ऑफ़ मालेगांव में उन्होंने फरोग़ नामक संघर्षरत लेखक का किरदार निभाया, जो अपने सपनों को साकार करने के लिए कड़ा संघर्ष करता है। अभिनय के मामले में विनीत ने हमेशा की तरह बेहतरीन प्रदर्शन किया और आलोचकों को कोई शिकायत का मौका नहीं दिया। उनकी इस सफलता को देखते हुए हाल ही में उन्हें फिल्म इंडस्ट्री में उनके योगदान के लिए एक प्रतिष्ठित पुरस्कार से नवाजा गया। इस सम्मान से अभिभूत विनीत ने सोशल मीडिया पर अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए लिखा, मैं उन सभी का दिल से आभारी हूं, जिन्होंने मुझ पर विश्वास किया और मुझे नई ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए प्रेरित किया। यह पुरस्कार सिर्फ मेरी मेहनत का सम्मान नहीं है, बल्कि यह टीमवर्क और कम्युनिटी की ताकत का भी प्रमाण है। आपके संदेश हमेशा मेरे दिल को छू जाते हैं, जब आप कहते हैं कि मेरी सफलता आपको अपनी लगती है। और मैं आपको बताना चाहता हूं कि यह पुरस्कार मेरे लिए इतना खास इसलिए है क्योंकि यह आप सभी का है! आपकी दुआएं, प्रोत्साहन और समर्थन ही मेरी सबसे बड़ी ताकत हैं। उन्होंने आगे कहा कि उनकी यात्रा में परिवार, दोस्तों, मेंटर्स और सहयोगियों का साथ हमेशा एक मजबूत आधार रहा है। विनीत ने अपने प्रशंसकों को धन्यवाद देते हुए यह भी कहा कि यह तो सिर्फ शुरुआत है, आगे और भी बड़ी उपलब्धियां उनका इंतजार कर रही हैं। बता दें कि साल 2025 अभिनेता विनीत कुमार सिंह के लिए बेहद खास साबित हुआ है। अपने प्रोजेक्ट्स में हमेशा वाइल्डकार्ड की तरह उभरने वाले विनीत इस बार भी आलोचकों और दर्शकों की तारीफें बटोरने में सफल रहे।

अनुपम खेर का भावुक पोस्ट

2022 में रिलीज़ हुई विवेक अग्निहोत्री की फिल्म द कश्मीर फाइल्स को आज तीन साल पूरे हो चुके हैं। कश्मीरी हिंदुओं के दर्दनाक विस्थापन की सच्चाई को दर्शाने वाली इस फिल्म ने न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर सफलता हासिल की, बल्कि एक गहरी सामाजिक बहस को भी जन्म दिया। रिलीज के समय फिल्म विवादों से भी घिरी रही, लेकिन इसकी प्रभावशाली कहानी और दमदार अभिनय ने दर्शकों का दिल जीत लिया। फिल्म की तीसरी वर्षगांठ पर अभिनेता अनुपम खेर ने इंस्टाग्राम पर एक भावुक पोस्ट साझा किया। उन्होंने लिखा, यह हमारे समय की सबसे महत्वपूर्ण और प्रासंगिक फिल्म है। कश्मीरी हिंदुओं के संघर्ष को दुनिया तक पहुंचाने के लिए ऐसी फिल्म की जरूरत थी। उन्होंने आगे कहा कि भले ही हालात पूरी तरह नहीं बदले हों, लेकिन कम से कम अब दुनिया उस दर्द को समझने लगी है। साथ ही उन्होंने फिल्म के निर्माता पल्लवी जोशी और निर्देशक विवेक अग्निहोत्री का धन्यवाद भी किया। द कश्मीर फाइल्स आज भी दर्शकों के बीच गहरी छाप छोड़ रही है और इस विषय पर चर्चा को जारी रखे हुए है।

फिल्म 'थामा' की शूटिंग में व्यस्त हैं रश्मिका मंदाना

बालीवुड एक्टर आयुष्मान खुराना के साथ अभिनेत्री रश्मिका मंदाना अपनी आगामी फिल्म 'थामा' की शूटिंग कर रही हैं। अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक्ट्रेस ने फिल्म के नाइट शेड्यूल की झलक साझा की। रश्मिका ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर दो तस्वीरें साझा कीं। एक तस्वीर में वह कार में सोती नजर आ रही हैं, जिस पर उन्होंने कैप्शन दिया, नाइट शूट। मुझे नाइट शूट कितना पसंद है। दूसरी तस्वीर में वह अपनी वैनिटी वैन में बैठी हैं और एक ट्रैवल कप पकड़े हुए हैं, जिस पर लिखा है, थामा नाइट शूट। उनकी इन तस्वीरों ने प्रशंसकों को फिल्म के प्रति और अधिक उत्साहित कर दिया है। फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रहे अभिनेता आयुष्मान खुराना ने खुलासा किया कि चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की जीत का जश्न मनाने के लिए फिल्म की शूटिंग कुछ समय के लिए रोक दी गई थी। आयुष्मान ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह और उनकी टीम फोन पर भारत बनाम न्यूजीलैंड का मैच देख रहे थे। जैसे ही भारत ने फाइनल में जीत दर्ज की, पूरी टीम ने खुशी मनाई। हालांकि, इसके बाद टीम ने धीरे-धीरे शूटिंग स्थल की ओर वापसी की। आयुष्मान ने इस पोस्ट को कैप्शन देते हुए लिखा, शूट रुक जाती है जब इंडिया जीत जाता है। 'थामा' एक मनोरंजक प्रेम कहानी पर आधारित फिल्म है, जिसमें एक रहस्यमयी और भयावह पृष्ठभूमि देखने को मिलेगी। इस फिल्म में रश्मिका और आयुष्मान की जोड़ी के साथ अनुभवी अभिनेता परेश रावल और नवाजुद्दीन सिद्दीकी भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्माण दिनेश विजान और अमर कौशिक द्वारा किया जा रहा है और इसे अक्टूबर 2025 में रिलीज किए जाने की उम्मीद है। फिल्म का निर्देशन आदित्य सरपोतदार कर रहे हैं, जो हाल ही में हिट फिल्म 'मुंज्या' के लिए चर्चा में थे। फिल्म की कहानी नीरेन भट्ट, सुरेश मैथ्यू और अरुण फुलारा द्वारा लिखी गई है। इसमें एक अथक इतिहासकार की कहानी दिखाई जाएगी, जो प्राचीन ग्रंथों की खोजबीन के दौरान स्थानीय पिशाच किंवदंतियों से जुड़े भयावह सच को उजागर करता है।

मालदीव में छुट्टियां मना रही रकुल प्रीत

बालीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह अपने पति, निर्माता-अभिनेता जैकी भगनानी के साथ मालदीव में छुट्टियां मना रही हैं। यहां से एक्ट्रेस ने अपने वेकेशन की कई रोमांटिक फोटोज शेयर की हैं। उन्होंने एक प्यार भरा पोस्ट भी लिखा है। रकुल ने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें कपल एक-दूसरे को हग करते दिख रहा है। वीडियो में रकुल, जैकी से पूछती हैं, 'सनसेट पसंद है?' जैकी रकुल की ओर देखते हैं और जवाब देते हैं, 'बहुत प्यारा है'। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर खासा एक्टिव रहती हैं और फिल्म, पर्सनल लाइफ से जुड़े पोस्ट फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। इससे पहले रकुल ने एक पोस्ट शेयर कर बताया कि पति जैकी भगनानी ने उन्हें गुलाबी लिली का गुलदस्ता भेंट किया, जिसे पाकर वह बेहद खुश हैं। एक्ट्रेस ने फैंस के साथ अपनी खुशी शेयर करने के लिए इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन का सहारा लिया, जिसमें वह गुलाबी लिली थामे कैमरे की ओर देखकर मुस्कुराती नजर आईं। तस्वीर को शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, 'जब पति फूल लेकर आते हैं। जैकी भगनानी, आई लव यू'। पिछले साल शादी के बंधन में बंधे रकुल और जैकी ने अपनी शादी के एक साल पूरे होने पर 21 फरवरी को जश्न मनाया था। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो मोंटाज शेयर किया, जिसमें उन्होंने साथ बिताए अपने अनमोल पलों को कैद किया। क्लिप में रकुल और जैकी के साथ बिताए समय की मनमोहक झलकियां भी दिखाई दीं। रकुल और जैकी कोविड लॉकडाउन के दौरान करीब आए थे।

ससुराल में आरती सिंह की पहली होली

टीवी एक्ट्रेस और गोविंदा की भांजी आरती सिंह के लिए इस बार की होली बेहद खास रही। शादी के बाद यह उनकी पहली होली थी, जिसे उन्होंने ससुराल में धूमधाम से सेलिब्रेट किया। आरती ने अपनी होली सेलिब्रेशन की झलक सोशल मीडिया पर एक वीडियो और तस्वीरों के जरिए साझा की। तस्वीरों में आरती अपने पति दीपक चौहान के साथ रंगों में सराबोर नजर आ रही हैं। कभी वह पिचकारी के साथ पोज देती दिखीं तो कभी पति की गोद में मस्ती करती नजर आईं। उनके गालों पर गुलाल लगा था और वह होली के जोश में जय जय शिव शंकर गाने पर झूमकर नाच रही थीं। वहीं, 'एक के दो, दो के चार... मुझको तो दिखते हैं' गाते हुए उनके एक्सप्रेशंस देखने लायक थे। बता दें कि कृष्णा अभिषेक की बहन आरती सिंह ने 25 अप्रैल 2024 को दीपक चौहान से शादी की थी। शादी के बाद से ही वह अपनी मजेदार रील्स और खूबसूरत तस्वीरें फैंस के साथ शेयर कर रही हैं। अब उनकी पहली होली की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं।

विद्युत जामवाल ने मथुरा में खेली धूमधाम से होली

पूरे देश में होली की धूम मची हुई है, और बॉलीवुड सितारे भी इस रंगों के त्योहार का जमकर आनंद ले रहे हैं। इस बार बॉलीवुड के एक्शन स्टार विद्युत जामवाल मथुरा पहुंचे, जहां उन्होंने श्रद्धालुओं और फैंस के साथ धूमधाम से होली मनाई। मथुरा, जिसे भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि के रूप में जाना जाता है, होली के लिए खास प्रसिद्ध है। विद्युत ने श्री द्वारिकाधीश मंदिर में शंखनाद किया और भक्तों संग जमकर रंग खेला। उन्होंने मथुरा की अनोखी होली को लेकर एक खास अपील भी की। एक वीडियो में उन्होंने कहा, जो हम यूट्यूब या फिल्मों में देखते हैं, असली अनुभव तो यहां आने के बाद ही होता है। मैं सभी भारतीय नागरिकों और बॉलीवुड सेलेब्स से अनुरोध करता हूं कि वे एक बार मथुरा आकर होली का अनुभव जरूर लें। विद्युत जामवाल, जो कमांडो और फोर्स जैसी हिट फिल्मों से फैंस के दिलों में जगह बना चुके हैं, जल्द ही मद्रासी में नजर आएंगे। यह फिल्म मशहूर निर्देशक ए. आर. मुरुगदास की है। उन्होंने कहा कि मथुरा की होली उनके लिए अविस्मरणीय अनुभव रहा।

शालिनी और कार्तिक की जोड़ी हो सकती है शानदार: गजराज राव

हाल ही में आयोजित आईफा अवॉर्ड्स में मशहूर अभिनेता गजराज राव ने कहा कि ऑन-स्क्रीन शालिनी पांडे और कार्तिक आर्यन की जोड़ी शानदार साबित हो सकती है। एक्टर ने कहा, मेरे दिमाग में दो नाम आते हैं। पहला शिवानी रघुवंशी, जिनके साथ मैंने दुपहिया में काम किया और दूसरा शालिनी पांडे, जिनके साथ मैंने हाल ही में डब्बा कार्टेल नाम की वेब सीरीज की। वह कार्तिक आर्यन के लिए एक बेहतरीन ऑन-स्क्रीन पार्टनर हो सकती हैं। मशहूर अभिनेता गजराज राव ने अभिनेत्री शालिनी पांडे की जमकर तारीफ की है। नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही डब्बा कार्टेल में शबाना आजमी और ज्योतिका भी अहम भूमिकाओं में हैं। यह वेब सीरीज दर्शकों को काफी पसंद आ रही है और खासतौर पर शालिनी पांडे के किरदार राजी को खूब सराहा जा रहा है। इससे पहले भी शालिनी ने अर्जुन रेड्डी, जयेशभाई जोरदार और महाराज जैसी फिल्मों में अपने दमदार अभिनय से दर्शकों को प्रभावित किया है। गजराज राव की इस सिफारिश के बाद अब शालिनी और कार्तिक आर्यन के साथ आने की संभावनाओं पर फैंस में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। इस बीच, कार्तिक आर्यन ने सुपरहिट हॉरर-कॉमेडी फ्रैंचाइजी भूल भुलैया 3 के लिए आईफा अवॉर्ड्स में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (पुरुष) का पुरस्कार जीता। उन्होंने अवॉर्ड लेते हुए कहा, मेरे पास अभी शब्द नहीं हैं। मैं चंदू नहीं हूं, मैं चैंपियन हूं। कार्तिक ने याद करते हुए कहा कि जब उन्हें भूल भुलैया 2 में कास्ट किया गया था, तो कई लोगों ने शक जताया था कि क्या वह इस फ्रैंचाइजी को अपने कंधों पर उठा सकते हैं। उन्होंने कहा, जब मुझे भूल भुलैया 2 के लिए चुना गया था, तब लोग कहते थे कि क्या मैं इस फिल्म को कर पाऊंगा। हमें नहीं पता था कि हम सफल होंगे या नहीं।

भारतीय एथलीट विस्पी खराडी ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड, एलन मस्क ने भी शेयर की उनकी उपलब्धि

सूरत (एजेंसी)। भारतीय एथलीट विस्पी खराडी ने हरक्यूलिस पिलर को सबसे ज्यादा समय तक होल्ड करके गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज करा लिया है। यह रिकॉर्ड तोड़ने वाली उपलब्धि गुजरात के सूरत में हुई, जहां खराडी ने 2 मिनट और 10.75 सेकंड तक विशाल पिलर को पकड़कर अपनी असाधारण ताकत का प्रदर्शन किया।

ग्रीक वास्तुकला से प्रेरित ये खंभे 123 इंच ऊंचे थे और इनका व्यास 20.5 इंच था। 166.7 किलोग्राम और 168.9 किलोग्राम वजन वाले इन खंभों ने इंसान की सहनशक्ति और ताकत की सीमाओं को लांघ दिया। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने आधिकारिक तौर पर उनकी इस अविश्वसनीय उपलब्धि को मान्यता दी और उसका नाम रिकॉर्ड बुक में दर्ज किया।

खराडी ने इस उपलब्धि के बाद एक्स पर लिखा कि उनके इस कारनामे को तब और पहचान मिली जब टेक अरबपति एलन मस्क ने उनके प्रदर्शन का एक वीडियो फिर से शेयर किया। वीडियो को मूल रूप से गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के आधिकारिक एक्स अकाउंट द्वारा पोस्ट किया गया था।

खराडी ने एक्स पर लिखा, %यह जानकर वाकई बहुत अच्छा लगा कि एलन मस्क ने मेरा गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड वीडियो एक्स पर शेयर किया है। मैं बहुत खुश हूं और सातवें आसमान पर हूं। इसके अलावा मुझे इस बात पर बहुत गर्व है कि एक भारतीय की ताकत के क्षेत्र में दुनिया भर में प्रशंसा हो रही है।%

खराडी की एक्स पर बयां की गई बायो के मुताबिक उनके नाम कई ब्लैक बेल्ट और 13 गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड शामिल हैं। फिटनेस विशेषज्ञ होने के अलावा वह सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के कमांडो को निहत्थे युद्ध का प्रशिक्षण देते हैं। उनके पिछले कुछ रिकॉर्ड में एक मिनट में सबसे ज़्यादा ड्रिंक कैन को हाथ से कुचलना और अपने सिर से सबसे ज़्यादा लोहे की सलाखों को मोड़ना शामिल है।

20 साल बाद फिर आई लव यू का प्लेकार्ड पकड़े पहुंची प्रशंसक को देखकर हैरान हुए जहीर

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान के संन्यास लिए हुए काफी समय हो गया पर अभी भी उनके प्रशंसकों की तादाद काफी अधिक है। जहीर आईपीएल 2025 के लिए लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के कोच बनाये गये है। इसी कारण वह लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के कैंप पहुंचे थे। जहीर जब होटल पहुंचे तो प्रशंसकों और कर्मचारियों ने उनका स्वागत किया। इस दौरान उनके कई प्रशंसक भी साथ में नजर आये। इन्हीं में एक ऐसी भी प्रशंसक थी जो आई लव यू लिखा हुआ एक प्लेकार्ड पकड़े हुए थी। जब जहीर को बताया गया कि ये वहीं लड़की थी जोकि 20 साल पहले भारत और पाकिस्तान टेस्ट के दौरान इसी तरह का प्लेकार्ड पकड़े हुए थी तो वह हैरत में पड़ गये। स्वागत वीडियो में, जहीर प्लेकार्ड को देखकर बेहद खुश नजर आये।

जहीर को गौतम गंभीर की जगह पर सुपर जायंट्स के कोच की जिम्मेदारी दी गयी है। वह युवा गेंदबाजी लाइनअप के साथ मिलकर काम करेंगे और उन्हें उनकी कमियों को दूर करने की सलाह देंगे। जहीर ने कहा कि लखनऊ आईपीएल में अपेक्षाकृत नई फ्रेंचाइजी है पर इसकी नींव मजबूत है। उन्होंने साथ ही कहा कि इस टीम ने काफी प्रगति की है। प्लेऑफ में पहुंचने की निरंतरता से ये साबित होता है। इससे मेरा भी मनोबल टीम को लेकर बढ़ा हुआ है। अब मैं फ्रेंचाइजी की सफलता में योगदान देने तैयार हूं। इस सत्र में टीम की कप्तानी विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत कर रहे हैं।

डब्लयूपीएल में जीत के साथ ही मुम्बई इंडियंस के नाम हुए सबसे अधिक खिताब

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस ने महिला प्रीमियर लीग (डब्लयूपीएल) के खिताबी मुकाबले मे दिल्ली कैपटल्स को हराकर एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। अब मुम्बई इंडियंस टी20 क्रिकेट की सबसे सफल टीम बन गयी है। पुरुष और महिला वर्ग को मिलाकर उसने अलग-अलग लीग में देखें तो अब तक कुल 12 खिताब जीते हैं। उसने साल 2008 में आईपीएल में जीत के साथ ही अपना अभियान शुरु किया था।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में उसने 2013, 2015, 2017, 2019, 2020 के साथ ही कुल पांच खिताब जीते हैं।

उसने साल 2019 और 2020 में लगातार खिताब जीते हैं।

अंतरराष्ट्रीय टी20 लीग में भी मुंबई इंडियंस ने दो बार खिताब जीता है। साल 2011 में हरभजन सिंह और 2013 में रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम ने शानदार प्रदर्शन किया।

वहीं महिला प्रीमियर लीग में उसेन 2023, 2025 में जीत के साथ ही दो खिताब अपने नाम किये हैं। मुंबई इंडियंस ने 2023 में शुरू हुई डब्ल्यूपीएल के पहले संस्करण में खिताब जीता था। तब टीम को हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में जीत मिली थी।

वहीं अमेरिका में शुरू हुई मेजर क्रिकेट लीग (एमएलसी) में उसे 2023 में एक बार जीत मिली है।

इसके अलावा संयुक्त अरब अमीरात में अंतर्राष्ट्रीय लीग टी20 (आईएलटी20) में टीम को साल 2024 में जीत मिली थी।

इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका में हुए एसए 2025 में मुंबई इंडियंस की सहयोगी टीम, एमआई केप टाउन ने खिताब जीता था।

शमी-बुमराह को फिटनेस दिलाने वाले नितिन पटेल ने लिया पद छोड़ने का फैसला

-टीम इंडिया को झटका, अब बीसीसीआई जल्द करेगा नए फिजियो की तलाश

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की स्पोर्ट्स साइंस विंग में बड़ा बदलाव होने वाला है, क्योंकि इसके प्रमुख नितिन पटेल ने इस्तीफा देने का फैसला कर लिया है। वह इस माह के आखिर तक ही अपनी सेवाएं देंगे। पटेल भारतीय क्रिकेट टीम और मुंबई इंडियंस के फिजियोथेरेपिस्ट के रूप में भी काम कर चुके हैं। अब बीसीसीआई जल्द ही उनके स्थान पर नए फिजियो की तलाश शुरु करेगा।

एक रिपोर्ट के मुताबिक नितिन पटेल फिलहाल अपना नोटिस पीरियड पूरा कर रहे हैं। उनका कार्यकाल अप्रैल 2022 में शुरू हुआ था, जो अब खत्म होने वाला है। इस दौरान उन्होंने भारतीय टीम के कई दिग्गज खिलाड़ियों की फिटनेस, वर्कलोड मैनेजमेंट की जिम्मेदारी संभाली।

नितिन पटेल ने मोहम्मद शमी की वापसी में अहम भूमिका निभाई थी। लंबे समय तक चोटिल रहने के बाद शमी ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में शानदार प्रदर्शन कर भारत को खिताबी जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा पटेल वर्तमान में जसप्रीत बुमराह के रिहैब का भी नेतृत्व कर रहे हैं, जो बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान चोटिल हो गए थे। उनकी देखरेख में श्रेयस अय्यर और जसप्रीत बुमराह ने 2023 वनडे विश्व कप से पहले फिटनेस हासिल की थी। इस विश्व कप में भारत ने फाइनल तक का सफर तय किया था, जहां श्रेयस अय्यर ने 530 रन बनाए थे और बुमराह ने 20 विकेट लिए थे।

पटेल के इस्तीफा देने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हुआ है। रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने अपने कागजात जमा कर दिए हैं। अब देखना है कि बीसीसीआई इस पद के लिए किसे नियुक्त करता है। जसप्रीत बुमराह अपनी चोट से उबर रहे हैं, और इस बात की अटकलें हैं कि वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के शुरुआती कुछ मैचों से बाहर रह सकते हैं। पटेल का जाना भारतीय क्रिकेट की फिटनेस और चोट प्रबंधन प्रणाली के लिए बड़ी चुनौती बन सकता है।

डब्ल्यूपीएल फाइनल में मिली हार पर दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच ने निराशा जतायी

मुंबई । दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच जोनाथन बैटी ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के फाइनल में टीम की हार पर निराशा जताते हुए कहा कि उनकी टीम मैच का दबाव नहीं झेल पायी। दिल्ली कैपिटल्स डब्ल्यूपीएल के फाइनल में मुंबई इंडियंस से मिले 150 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 142 रनों पर ही सिमट गयी। ये तीसरी बार है जब टीम को इस प्राकर से हार का सामना करना पड़ा है। इससे पहले दो सत्रों में भी उसे आरसीबी और मुंबई के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। कोच बैटी ने कहा, 'सभी बहुत दुखी हैं। मुझे लगता है कि इस विकेट पर हम 150 रन तक पहुंच सकते थे पर बड़े फाइनल खेलने का दबाव खिलाड़ी झेल नहीं पाए हालांकि मुंबई की टीम ने बेहतर प्रदर्शन किया। इसलिए उसे जीत का श्रेय मिलना ही चाहिये। उन्होंने मैच में लगातार अपनी पकड़ बनाये रखी जिससे हमारे लिए मुश्किलें बनी रहीं। उन्होंने कहा कि पिछले दो फाइनल हारने का उनकी टीम पर कोई मनोवैज्ञानिक दबाव नहीं था। उन्होंने कहा, 'सभी लड़कियां काफी उत्साहित होकर उतरीं थीं। मैं उन्हें दोष नहीं देता। इससे पहले कहा जा रहा था कि पिछले दो फाइनल हारने से दबाव था पर से सही नहीं था। सभी खिलाड़ी काफी सकारात्मक और आत्मविश्वास से भरी थीं।

अब मेरे को शायद ही ऑस्ट्रेलिया जाने का अवसर मिले : विराट

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली को लगता है कि अब उन्हें ऑस्ट्रेलिया दौरे पर खेलने का अवसर शायद ही मिले। कोहली ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में शानदार शतक के साथ शुरुआत की थी पर इसके बाद के मुकाबलों में वह असफल रहे थे। जिससे भारतीय टीम को सीरीज में हार मिली थी। इससे भारतीय टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की दौड़ से भी बाहर हो गयी थी। विराट ऑस्ट्रेलिया दौरे में 9 पारियों में 23.75 की औसत के साथ 190 रन ही बना पाये। कोहली को अंदाजा है कि उन्हें फिर से ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज खेलने का मौका नहीं मिलेगा। उन्होंने आरसीबी के एक कार्यक्रम में कहा, 'अगर आप मुझसे यह पूछेंगे कि मुझे कितनी ज्यादा निराशा होती है, किसी हार के बाद तो उसमें ऑस्ट्रेलिया का हाल का दौरा सबसे पहला रहा। यह मुझे इसलिए भी ज्यादा निराश करने वाला रहा क्योंकि अब शायद ही मुझे दोबारा ऑस्ट्रेलिया में जाकर फिर से चार साल के बाद टेस्ट खेलने का अवसर मिले।' उन्होंने आगे कहा, 'मैंने जो गलतियां ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर इस बार की है उसको ठीक करने का अवसर मिलना संभव नहीं है। ऐसे में जो कुछ भी आपके साथ जीवन में हो गया उसके बारे में शांति से सोचना होता है और उसी के साथ रहना पड़ेगा। अगर आप देखें तो 2014 के इंग्लैंड दौरे के बाद मेरे पास 2018 में वापस से जाकर गलतियों को सुधारने का मौका था जिसे मैंने किया पर इस बार ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जो हुआ उसमें सुधार नहीं कर पाउंगा।'

आईपीएल 2025 : सनराइजर्स हैदराबाद से जुड़ने को तैयार नीतीश रेड्डी

नई दिल्ली । भारतीय ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के लिए खेलने को पूरी तरह तैयार हैं। साइड स्ट्रेन की समस्या के कारण जनवरी से बाहर चल रहे नीतीश ने अब अपना फिटनेस टेस्ट पास कर लिया हैं और बीसीसीआई फिजियो ने उन्हें खेलने की मंजूरी दे दी है। 21 वर्षीय नीतीश रेड्डी ने आखिरी बार 22 जनवरी को इंग्लैंड के खिलाफ ईडन गार्डन्स में पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। हालांकि, उन्हें बल्लेबाजी या गेंदबाजी का मौका नहीं मिला। इसके बाद, चेन्नई में दूसरे टी20 मैच से पहले नेट्स में अभ्यास के दौरान उनकी चोट बढ़ गई, जिसके कारण उन्हें पूरी पांच मैचों की सीरीज से बाहर होना पड़ा। नीतीश ने बेंगलुरु में बीसीसीआई के 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' में फिटनेस टेस्ट पास किया, जिसमें यो-यो टेस्ट भी शामिल था। इससे पहले, आईपीएल 2024 की नीलामी से पहले सनराइजर्स हैदराबाद ने उन्हें 6 करोड़ रुपये में रिटेन किया था। आईपीएल 2024 में उन्होंने 13 मैचों में 143 की स्ट्राइक रेट से 303 रन बनाए थे और अपनी टीम के लिए एक उपयोगी ऑलराउंडर के रूप में उभरे थे। नीतीश रेड्डी का हालिया फॉर्म भी शानदार रहा है। उन्होंने भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान मेलबर्न में खेले गए चौथे टेस्ट में 114 रनों की यादगार पारी खेली थी, जिससे उनकी बल्लेबाजी क्षमता पर भी भरोसा बढ़ा है। आईपीएल 2025 में एसआरएच का पहला मुकाबला 23 मार्च को अपने घरेलू मैदान हैदराबाद में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ होगा। ऐसे में टीम और प्रशंसकों को उम्मीद है कि नीतीश अपनी फिटनेस और फॉर्म से एक बार फिर प्रभावित करेंगे और टीम के लिए अहम भूमिका निभाएंगे।

एफ 1: मैकलारेन के नोरिस ने ऑस्ट्रेलियाई जीपी जीती, हैमिल्टन फेरारी के साथ डेब्यू में 10वें स्थान पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। लैंडो नोरिस ने एफ1 2025 अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए मैक्स वर्स्टैपेन के आखिरी समय में बढ़त को रोकते हुए रविवार 16 मार्च को ऑस्ट्रेलियाई जीपी जीता। बारिश और रोमांच से भरी इस रेस में लुईस हैमिल्टन ने फेरारी की तरफ से डेब्यू करते हुए 10वां स्थान हासिल किया, जबकि मर्सिडीज के जॉर्ज रसेल तीसरे स्थान पर रहे।

अपने गृहनगर के हीरो ऑस्कर पियास्ट्री के लिए यह दिल तोड़ने वाला था क्योंकि एक समय पर वह बढ़त लेने की दौड़ में बने हुए थे, लेकिन बारिश की वजह से एक गलती के कारण वह पिछड़ गए और क्रम से पीछे हो गए। फेरारी के लिए यह निराशाजनक रेस वीकेंड रहा, क्योंकि उनकी योजना विफल हो गई और रेस के अंतिम चरण की ओर एक बड़ा दाव उल्टा पड़ गया।

रविवार को रेस की शुरुआत से ही बारिश के कारण जैक डूलहान की कार दीवार से टकरा गई और पिछले साल के विजेता कार्लोस सैन्ज भी सेफ्टी कार के ट्रैक पर होने के बावजूद दुर्घटनाग्रस्त हो गए। आठवें लैप के करीब ग्रीन फ्लैग दिखाई दिया, जिसमें नॉरिस आगे चल रहे थे और उनके ठीक पीछे वेरस्टैपेन थे। हैमिल्टन के लिए यह शुरुआत से ही निराशाजनक रेस थी, क्योंकि उनके आगे एल्बोन ने उन्हें नियंत्रित रखा हुआ था।

पियास्ट्री, जो वेरस्टैपेन का पीछा कर रहे थे, अंततः लैप 17 में एक शानदार चाल के साथ विश्व चैंपियन से आगे निकल गए। वेरस्टैपेन के टायर घिस रहे थे और उनकी स्पीड भी गिरने लगी, एक समय पर नॉरिस 10 सेकंड की बढ़त पर थे। पियास्ट्री नॉरिस करीब आने लगे, लेकिन उन्हें अपना स्थान बनाए रखने के लिए कहा गया, इससे पहले कि उन्हें बताया गया कि वे 34वें लैप में रेस के लिए स्वतंत्र हैं।

अलोंसो दुर्घटनाग्रस्त हो गया और यह ड्राइवरों के लिए टायर बदलने का समय था, जो वेरस्टैपेन, नॉरिस और हैमिल्टन जैसे लोगों ने किया। लेकिन और बारिश की वजह से नॉरिस और पियास्ट्री दोनों ही ट्रैक से बाहर हो गए। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी की हालत खराब रही क्योंकि बारिश बढ़ने के साथ ही वह ग्रिड के पीछे चले गए और वेरस्टैपेन ने बढ़त ले ली।

फेरारी ने सोचा था कि उन्होंने एक मास्टरस्ट्रोक किया है जब उन्होंने दोनों को बाहर कर दिया जबकि अन्य लोग इंटरमीडिएट में बदलने आए थे, लेकिन डॉसन और बोर्टोलेटो के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद सेफ्टी कार एक बार फिर आ गई। नॉरिस ने वेरस्टैपेन से आगे सेफ्टी कार के साथ फिर से बढ़त हासिल कर ली। वह 52वें लैप पर रेसिंग की स्थिति में वापस आ गए। नॉरिस ने शानदार रीस्टार्ट किया क्योंकि पियास्ट्री ऑर्डर में वापस आने के लिए संघर्ष कर रहे थे। वेरस्टैपेन ने नॉरिस पर दबाव बनाए रखने की पूरी कोशिश की जबकि अल्बोन चौथे स्थान के लिए एंटोनेली से जूझते रहे।

मर्सिडीज ड्राइवर को 5 सेकंड की पेनल्टी दी गई और नॉरिस द्वारा चेकर्ड फ्लैग लेने के बाद एल्बोन ने चौथा स्थान प्राप्त किया। हैमिल्टन अंत में वह गुस्से में थे क्योंकि पियास्ट्री ने उन्हें पीछे छोड़ते हुए नौवां स्थान प्राप्त किया। अगली रेस 23 मार्च को होगी क्योंकि ड्राइवर अब चीनी ग्रैंड प्रिक्स के लिए तैयार होंगे।

धोनी का वीडियो देख फैंस ने कहा, लगता हैं बाबा माही ने बॉलर्स को वॉर्निंग दे डाली

मुंबई । आईपीएल 2025 का आगाज होने वाला है। इसके साथ ही एमएस धोनी के प्रशंसकों का इंतजार बढ़ चुका है। सीएसके नेट्स सेशन से धोनी का ताजा वीडियो सामने आया है। वीडियो को देखकर लगा रहा इस साल भी धोनी अपना अंदाज बदलने वाले नहीं है। ऐसा लग रहा हैं कि माही ने आईपीएल शुरू होने से ही बॉलर्स को वॉर्निंग दे डाली है कि इस सीजन भी उनकी खैर नहीं। वहीं, वीडियो देखकर फैंस का एक्साइटमेंट बढ़ गया है। लोगों के रिएक्शन से साफ जाहिर है कि उन्हें धोनी को खेलते हुए देखने का किस कदर इंतजार है। धोनी के प्रैक्टिस सेशन का वीडियो एक्स पर आते ही फैंस के कमेंट्स की बहार आ गई है। लोगों ने तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे है। एक यूजर ने लिखा है, सीएसके की पारी का 20वां ओवर। एक अन्य यूजर ने लिखा है कि आईपीएल के अंतिम साल में हम सभी को शायद धोनी की बल्ले से कोई कमाल और देखने को मिले है। कुछ यूजर ने लिखा है थाला दर्शनम और वहीं, एक यूजर ने लिखा है अच्छे टच में नजर आ रहे हैं। बता दें कि धोनी पूरे साल क्रिकेट से दूर रहते हैं। आईपीएल शुरू होने से कुछ कुछ हफ्ते पहले वे नेट्स पर पहुंचते हैं और प्रैक्टिस शुरू करते हैं। पिछले साल आईपीएल में धोनी अंत के कुछ ओवरों में उतरते थे और बेहद आक्रामक अंदाज में छक्के उड़ाते थे। जिस भी ग्राउंड पर चेन्नई सुपरकिंग्स की टीम खेलने पहुंचती थी वहां धोनी के फैंस का जमावड़ा देखने को मिलता था।

इस बार आईपीएल-2025 में बदले नजर आएंगे कई टीमों के कप्तान

-चेन्नई ने ऋतुराज तो लखनऊ ने ऋषभ पंत को सौंपी है कमान

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इस बार कई टीमों ने कप्तान बदले हैं। चेन्नई सुपरकिंग्स की कमान ऋतुराज गायकवाड़ के हाथ में सौपी गई है। चेन्नई ने पिछले सीजन में ही ऋतुराज को कप्तानी सौंपी थी। जब सभी टीमों के कप्तान फोटो सेशन के लिए आए तब जाकर इसके बारे में पता चला था। वहीं लखनऊ सुपरजायंट्स ने इस सीजन में अपना कप्तान बदला है। लखनऊ ने ऋषभ पंत को टीम कप्तान बनाया है। पंत को एलएसजी की टीम ने 27 करोड़ रुपए की भारी-भरकम रकम चुकाकर अपने साथ किया है।

मुंबई इंडियंस ने पिछले साल ही रोहित शर्मा की जगह हार्दिक पांड्या को कप्तान दिया था। हालांकि पिछले सीजन में हार्दिक की खूब आलोचना हुई थी। इसके बाद हार्दिक ने टी20 वर्ल्डकप और चैंपियंस ट्रॉफी में अपने अच्छे खेल से प्रशंसकों का दिल जीता है। उन्हें इस सीजन में समर्थन की उम्मीद है। सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल में काफी संघर्ष किया है। हालांकि पिछले सीजन में उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस को कमान सौंपी थी। इसके बाद कमिंस एसआरएच को फाइनल तक ले गए थे।

वहीं कोलकाता नाइट राइडर्स ने भी नेतृत्व परिवर्तन किया है। पिछले साल केकेआर को चैंपियन बनाने वाले श्रेयस अय्यर को रिटेन नहीं किया। अब इस साल उन्होंने अजिंक्या रहाणे को कप्तान बनाया है। उम्मीद है रहाणे के अनुभव का फायदा केकेआर को मिलेगा।

पिछले साल जब हार्दिक पांड्या गुजरात का साथ छोड़कर गए थे तो टीम ने उनकी जगह गिल को कप्तान बनाया था। हालांकि गिल के लिए बतौर कप्तान पहला सीजन यादगार नहीं रहा, लेकिन इस साल टीम इंडिया में अच्छे प्रदर्शन के बाद वह अपनी फ्रेंचाइजी के लिए इसे दोहराना चाहेंगे। पंजाब किंग्स ने भी अपना कप्तान बदल दिया है। अभी तक टीम की कप्तानी शिखर धवन कर रहे थे। इस साल पंजाब ने श्रेयस को कप्तानी सौंप दी है।

दिल्ली कैपिटल्स का इस सीजन में कप्तान कौन होगा, इसको लेकर काफी ऊहापोह की स्थिति थी। वजह, उनके खेमे में लखनऊ के कप्तान रहे केएल राहुल भी थे और आरसीबी की कमान संभालने वाले फाफ डू प्लेसिस भी, लेकिन दिल्ली की बागडोर अक्षर पटेल को मिली है। संजू सैमसन लंबे अरसे से राजस्थान रॉयल्स के कप्तान हैं। उनकी कप्तानी में टीम का अच्छा प्रदर्शन रहा है। अब उन्हें कोच के रूप में राहुल द्रविड़ का साथ मिला है। हालांकि टीम से बटलर, चहल और ट्रेंट बोल्ट के जाने की कमी खलेगी, लेकिन सैमसन चाहेंगे कि इस बार वह अपनी टीम से बेस्ट निकालकर दें। फाफ डु प्लेसिस के जाने के बाद आरसीबी के फैन्स चाहते थे कि कप्तानी एक बार फिर विराट कोहली को सौंप दी जाए, लेकिन आरसीबी टीम मैनेजमेंट ने युवा खून के साथ जाने का फैसला किया। ऐसे में रजत पाटीदार को नया कप्तान बनाया है।

आईपीएल 2025: इम्पैक्ट प्लेयर नियम से बदलेगी टीमें, रणनीतियों में होगा बड़ा बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 की शुरुआत 22 मार्च से हो रही है, और इस बार भी इम्पैक्ट प्लेयर नियम सुर्खियों में रहने वाला है। आईपीएल 2023 में पहली बार लागू किए गए इस नियम ने टीमों को एक नई रणनीतिक बढ़त दी थी, जिससे मैच के दौरान किसी भी खिलाड़ी को बदला जा सकता है। इस नियम ने न सिर्फ टीमों के संतुलन को बदला बल्कि कप्तानों को नई रणनीतियां बनाने पर मजबूर कर दिया। इम्पैक्ट प्लेयर नियम के तहत, टॉस के बाद हर टीम प्लेइंग इलेवन के अलावा पांच और खिलाड़ियों के नाम देती है। मैच के दौरान इनमें से कोई भी एक खिलाड़ी इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में किसी भी खिलाड़ी की जगह ले सकता है। यह नियम पहले से सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग में लागू हो चुका था, लेकिन आईपीएल में इसे पहली बार 2023 में आजमाया गया था। इस नियम से कप्तानों को यह लाभ मिला कि वे टॉस के बाद भी अपनी टीम की रणनीति को मैच की परिस्थितियों के अनुसार बदल सकते हैं।

इस नियम का सबसे बड़ा फायदा यह है कि टॉस का प्रभाव कम हो जाता है। कप्तानों को टॉस के समय टीम शीट देने की जरूरत नहीं होती, जिससे वे मैच की परिस्थिति के अनुसार रणनीति बना सकते हैं। हालांकि, इस नियम के कुछ सीमित उपयोग भी हैं। टीमें इस नियम का उपयोग विदेशी खिलाड़ियों की संख्या बढ़ाने के लिए नहीं कर सकतीं। अगर मैदान पर पहले से ही चार विदेशी खिलाड़ी खेल रहे हैं, तो इम्पैक्ट प्लेयर सिर्फ भारतीय खिलाड़ी ही हो सकता है। लेकिन अगर किसी टीम ने अपने प्लेइंग इलेवन में चार से कम विदेशी खिलाड़ी उतारे हैं, तो वे एक विदेशी खिलाड़ी को इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं।

आईपीएल 2023 के पहले ही मैच में इस नियम का इस्तेमाल देखने को मिला था, जब गुजरात टाइटन्स ने चोटिल केन विलियमसन की जगह साई सुदर्शन को उतारा था, जबकि चेन्नई सुपर किंग्स ने अंबाती रायुडू की जगह तुषार देशपांडे को मैदान में भेजा था। इसके बाद से हर टीम ने इस नियम का भरपूर फायदा उठाया और इसे अपनी रणनीति का अहम हिस्सा बना लिया। आईपीएल 2025 में यह नियम एक बार फिर से मैचों के नतीजों पर बड़ा प्रभाव डाल सकता है। टीमों को इस नियम का बुद्धिमानी से उपयोग करना होगा ताकि वे अपनी रणनीति को और अधिक प्रभावी बना सकें और मुकाबले के दौरान मैच को अपने पक्ष में मोड़ सकें।

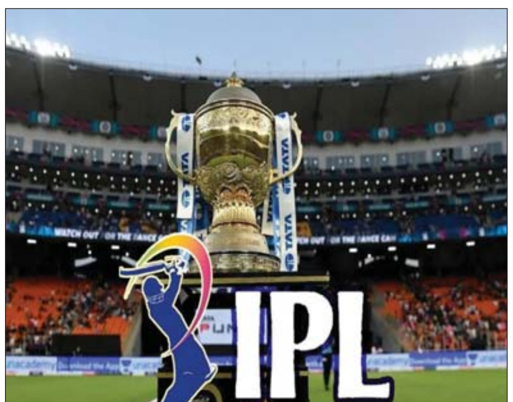

प्रेसवार्ता में बूम माइक्रोफोन ट्रंप के चेहरे से टकराया, डर से झुक गए राष्ट्रपति बंद कर ली आंखें

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आए दिन किसी न किसी वजह से चर्चा में हैं। इस बार उनका एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें ट्रंप के साथ प्रेस वार्ता में एक रिपोर्टर के साथ एक अजीब घटना घटी। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप पत्रकारों से बात कर रहे थे, तभी एक रिपोर्टर का बूम माइक्रोफोन ट्रंप के चेहरे से टकरा गया। इस पर ट्रंप की त्वरित प्रतिक्रिया हुई और वह अनजाने में पीछे झुक गए और अपनी आँखें बंद कर लीं। ट्रंप ने इस घटना को हंसी में टालने की कोशिश की, लेकिन उनके चेहरे पर नाराजगी साफ दिख रही थी। अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि वह बूम माइक ऑपरेटर उस समय किस मीडिया आउटलेट के लिए काम कर रहा था। बताया जा रहा है कि यह घटना उस समय हुई जब ट्रंप गाजा बंधक स्थिति पर चर्चा कर रहे थे। तभी माइक्रोफोन ट्रंप के चेहरे पर लगा, जिससे उनके चेहरे पर झुंझलाहट पैदा हो गई। बूम माइक्रोफोन को डेड कैट या विंड मफ्स भी कहा जाता है क्योंकि यह सिंथेटिक फर कवर से ढका होता है। ये फर माइक्रोफोन में हवा को प्रवेश करने से रोकने में इस्तेमाल किया जाता है जिससे रिकॉर्ड होने वाली हवा की आवाज़ कम हो जाती है। सामान्यतः संयुक्त बेस एंड्रयूज या किसी अन्य ऐसे प्रतिष्ठान में प्रेस के साथ बातचीत के दौरान जहां एयर फोर्स वन और मरीन वन द्वारा उत्पन्न शोर को खत्म करना जरुरी होता है, बूम माइक्रोफोन का उपयोग किया जाता है। इस घटना के बाद कई लोगों ने शक जताया कि कोई हानिकारक केमिकल माइक पर लगाकर ट्रंप तक पहुंचाने की कोशिश की गई। एक यूजर ने लिखा कि हमें पता नहीं कि उसके माइक्रोफोन में कोई पदार्थ डाला गया था या नहीं। मुझे उम्मीद है कि ट्रंप के डॉक्टर के जरिए जांच की जाएगी। एक यूजर ने लिखा कि अगर ट्रंप को कुछ हो जाता है तो मैं माइक्रोफोन को दोष दूंगा। एक अन्य यूजर ने लिखा कि उस माइक पर जहर या किसी तरह का जैविक वायरल हो सकता है। इस व्यक्ति को तुरंत गिरफ्तार किया जाए।

8 अमेरिकी राज्यों में 40 बवंडर, 34 मौतें

-10 करोड़ लोग प्रभावित, 2 लाख घरों में ब्लैक आउट

वॉशिंगटन। अमेरिका में अलबामा, मिसीसिपी, लुसियाना, इंडियाना, अरकंसास, मिसौरी, इलिनॉय और टेनेसी राज्य टॉरनेडो (बवंडर) की चपेट में हैं। इन राज्यों में अब तक 40 टॉरनेडो आ चुके हैं। मौसम विभाग ने हालात और ज्यादा गंभीर होने की आशंका जाहिर की है। शनिवार और रविवार को अब तक 34 लोगों की जान जा चुकी है। मिसौरी में सबसे ज्यादा 12 मौतें हुई हैं। 10 करोड़ अमेरिकी आबादी प्रभावित है। 2 लाख घरों में बिजली गुल हो गई है। कैनसस में धूलभरी आंधी के चलते हाईवे पर लगभग 50 गाडियां टकरा गई। इसमें 8 लोगों की मौत हुई। मिसिसिपी में 6 लोगों की मौत हो गई और तीन लापता हैं। 100 किमी/घंटे की रफ्तार से धूलभरी आंधी चल रही है। अरकंसास में आंधी की रफ्तार 265 किमी/घंटे रिकॉर्ड की गई। इमारतें और सड़कें तबाह हो गई हैं। कनाडाई बॉर्डर पर बर्फीले तूफान और गर्म इलाकों में जंगलों में आग लगने की आशंका जाहिर की जा रही है।

बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी को बड़ा झटका, चीफ बशीर जेब की हत्या

पेशावर। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) को बड़ा झटका लगा है। संगठन के प्रमुख बशीर जेब की इराक में हत्या कर दी गई। यह हत्या ऐसे समय हुई जबकि बीएलए ने जाफर एक्सप्रेस ट्रेन का अपहरण कर पूरी दुनिया को चौंका दिया था। बीएलए प्रमुख बशीर जेब की हत्या इराक में हुई है। उन्हें उसी जगह गोली मारी गई, जहां वे छिपे हुए थे। उन्होंने इस बात अंदेशा पहले ही जताया था। दो दिन पहले जेब ने कहा था कि उन्हें बिना किसी को पता चले मार दिया जाएगा। अभी तक किसी संगठन ने हत्या की जिम्मेदारी नहीं ली और न ही हत्या क्यों की गई यह स्पष्ट हो पाया है।

कौन थे बशीर और कैसे बने बीएलए चीफ?

-2018 में बने प्रमुख- इससे पहले बीएलए की कोर कमेटी के सदस्य थे।

-बीएलए की गतिविधियां बढ़ाईं- उनके नेतृत्व में बलूचिस्तान में संगठन की सक्रियता बढ़ी।

-इंजीनियरिंग की पढ़ाई- क्वेटा के डिग्री कॉलेज से इंजीनियरिंग की पढ़ाई की थी।

-पिता हैं डॉक्टर- बलूचिस्तान के प्रसिद्ध चिकित्सक परिवार से ताल्लुक रहा है, उनके पिता एक मशहूर डॉक्टर हैं।

बीएलए और सरकार के बीच बढ़ता संघर्ष

बीएलए पाकिस्तान से बलूचिस्तान की आज़ादी के लिए लड़ने वाला संगठन है। पाकिस्तान सरकार ने इसे आतंकी संगठन घोषित कर रखा है, जबकि बीएलए इसे स्वतंत्रता संग्राम मानता है।

ट्रेन हाईजैक का वीडियो आया सामने, जगह-जगह शव और हथियार आ रहे नजर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने जाफर एक्सप्रेस ट्रेन हाईजैक कर ली थी। इस ट्रेन के कुछ वीडियोज सामने आए हैं जिसमें दावा किया जा रहा है कि ये वीडियोज ट्रेन के पैसेंजर्स ने रिकॉर्ड किए हैं। इनमें जगह-जगह शव और हथियार पड़े नजर आ रहे हैं। यह शव बीएलए लड़ाकों के माने जा रहे हैं। पाकिस्तानी सेना के मुताबिक हाईजैक संकट करीब 36 घंटे चला था। सेना का दावा है कि सभी बलूच विद्रोही मारे गए और सभी बंधकों को छुड़ा लिया गया है। दावों के मुताबिक पूरे ऑपरेशन में पाक सेना के 28 सैनिक और 33 बलूच लड़ाके मारे गए हैं। वीडियोज में ट्रेन के पास पड़े शव के पास पाकिस्तानी सेना के सैनिक खड़े नजर आ रहे हैं। माना जा रहा है कि यह सभी शव ट्रेन हाईजैक करने वाले बीएलए लड़ाकों के हैं। वीडियो से ली गई तस्वीर में ट्रेन की पटरी के पास पड़ा एक शव। वीडियो में एक पैसेंजर इस शव को अपशब्द कहता है और कुछ लोग पत्थर मारते हैं। पैसेंजर कहता है कि वह 36 घंटे से ट्रेन में फंसा है।

ट्रेन हाईजैक मामला: अपनी नाकामियों को छिपाने भारत पर दोष मढ़ रहा पाकिस्तान

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान का पुराना इतिहास रहा है कि वो अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए सीधे तौर पर भारत को दोषी मानता है। इसके लिए अनर्गल बातें करता है और भारत पर कीचड़ उछालता है। ट्रेन हाईजैक मामले में भी पाकिस्तान भारत पर ही ठीकरा फोड़ दिया है।

पाकिस्तानी सेना के मीडिया विंग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के डायरेक्टर जनरल लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने बलूचिस्तान में विद्रोहियों को मदद के पीछे भारत को मेन स्पॉन्सर बताया। उन्होंने कहा कि जफर एक्सप्रेस पर हालिया हमला इसी नीति की निरंतरता है। डीजी ने बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगटी के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस की। पूरी दुनिया में आतंकवाद फैलाने वाले पाकिस्तान ने बलूचिस्तान में आतंकवाद के लिए भारत पर मनगढ़ंत आरोप मढ़े।

आईएसपीआर ने कहा कि बलूचिस्तान में हालिया हमला और अतीत में हुए अन्य आतंकी घटनाएं को लेकर हम मानते हैं कि इन हमलों का मुख्य प्रायोजक आपका पूर्वी पड़ोसी (भारत) है। इससे पहले पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने भारत पर इसी तरह के आरोप लगाए थे, जिस पर भारतीय विदेश मंत्रालय ने करारा जवाब दिया था। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने कहा, 'पाकिस्तान की ओर से लगाए गए आरोप निराधार हैं और हम इन्हें खारिज करते हैं। पूरी दुनिया जानती है कि वैश्विक आतंकवाद का केंद्र कहां है। पाकिस्तान को दूसरों पर उंगली उठाने की जगह अपनी खुद की विफलताओं का आत्मनिरीक्षण करना चाहिए। पाकिस्तान बलूचिस्तान राज्य के लोगों पर अत्याचार करता है। बलूच लोग खुद का एक स्वतंत्र देश बनाना चाहते हैं।

भारतीय मीडिया पर निकाला गुस्सा

आईएसपीआर डीजी ने बताया कि पहाड़ी इलाके में आईईडी विस्फोट के जरिए जाफर एक्सप्रेस को रोका गया। इसके अलावा वह भारतीय मीडिया पर भी भड़कते दिखे। उन्होंने कहा कि भारतीय मीडिया आतंकियों के समर्थन में रही। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भारतीय मीडिया ने हमले को लेकर दुर्भावनापूर्ण प्रचार करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल से फर्जी वीडियो बनाए। उन्होंने कहा कि स्थिति को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि आतंकी अफगानिस्तान में अपने हैंडलर्स के संपर्क में थे। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री अपनी जनता की जगह पाकिस्तान का समर्थन करते दिखे। उन्होंने भारत के खिलाफ जहर उगलते हुए कहा कि हम अफगानिस्तान के जरिए इंटेलिजेंस युद्ध में हैं। उन्होंने दावा किया कि आतंकी कमांडरों को अफगान जेलों से रिहा कर दिया गया। उनका यह भी दावा था कि आतंकी समूह जैसे टीटीपी और बीएलए समेत अन्य के बीच विभाजन था, लेकिन भारत ने इन्हें एकजुट कर दिया।

सुनीता विलियम्स वापसी को तैयार, आईएसएस में प्रवेश किया नासा का क्रू-10

वॉशिंगटन। नासा और स्पेसएक्स द्वारा संयुक्त रूप से लॉन्च किया गया क्रू-10 मिशन अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) में प्रवेश कर चुका है। शुक्रवार को स्पेसएक्स ने क्रू-10 मिशन को लॉन्च किया। विलमोर और विलियम्स को आखिरकार घर लौटने की संभावना बढ़ गई। फाल्कन 9 रॉकेट में क्रू ड्रैगन कैप्सूल था। न्यूयॉर्क समय के अनुसार शाम 7 बजे फ्लोरिडा के नासा के केनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च हुआ। लॉन्च के लगभग 10 मिनट बाद कैप्सूल रॉकेट के ऊपरी चरण से अलग हो गया। स्पेसएक्स ने पुष्टि की कि क्रू आईएसएस की ओर बढ़ रहे हैं। अंतरिक्ष में फंसे अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और विलमोर को वापस लाने का उद्देश्य से इस मिशन को लॉन्च किया गया है। नासा के कार्यक्रम के अनुसार, भारतीय समयानुसार 16 मार्च को रात 11:30 बजे डॉकिंग का समय निर्धारित है। सुबह 10:30 बजे हैच खोला जाएगा। स्पेसफ्लाइट में रेंडेवस का मतलब होता है दो अंतरिक्ष यानों का एक कक्षा में सटीक नेविगेशन के माध्यम से मिलना। डॉकिंग तब होती है जब वे शारीरिक रूप से एक-दूसरे से जुड़ते हैं। क्रू-10 मिशन में डॉकिंग तब होती है जब क्रू ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट आईएसएस से जुड़ता है। यह स्वचालित या मैन्युअल रूप से हो सकता है। एक बार सुरक्षित डॉक हो जाने के बाद अंतरिक्ष यात्री हवा की लीक की जांच करते हैं। फिर हैच खोलते हैं।

रूस सुमी क्षेत्र पर हमले की बना रहा योजना, यूक्रेन भी पूरी ताकत से देगा जवाब: जेलेंस्की

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने दावा किया है कि यूक्रेनी सैनिक अब भी रूस के कुर्स्क क्षेत्र में रूसी और उत्तर कोरियाई सेनाओं से मुकाबला करर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि रूस सुमी क्षेत्र पर हमले की योजना बना रहा है। सोशल मीडिया पर जारी बयान में जेलेंस्की ने कहा कि कीव के सैनिक कुर्स्क में घिरे नहीं हैं, लेकिन रुस एक अलग हमले के लिए अपनी सेना इकट्ठा कर रहा है। उन्होंने कहा कि रूस की सुमी क्षेत्र पर हमला करने की योजना है। हमें इसकी जानकारी है और हम पूरी ताकत से इस हमले का मुकाबला करेंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हजारों यूक्रेनी सैनिकों ने 2024, अगस्त में रूस के कुर्स्क क्षेत्र के करीब 1300 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पर कब्जा कर रखा था। इस दौरान यूक्रेन ने कहा था कि यह कदम भविष्य की वार्ताओं में मोलभाव करने और रूस को पूर्वी यूक्रेन से पीछे हटने के लिए मजबूर करने का प्रयास था। हालांकि हाल के दिनों में रूसी सेना को इस इलाके में अहम सफलता मिली है। रूसी सेना के मुताबिक हालिया तेज बढ़त के कारण अब यूक्रेन के पास कुर्स्क में 200 वर्ग किलोमीटर से भी कम क्षेत्र बचा है। मॉस्को ने दावा किया है कि उसने इस क्षेत्र के अहम शहर सुदजा पर कब्जा कर लिया है।

जेलेंस्की ने कहा कि मैं चाहता हूं कि सभी हमारे साझेदार यह समझें कि पुतिन क्या योजना बना रहे हैं, वे किसके लिए तैयारी कर रहे हैं और वे किस बात को नजरअंदाज करेंगे। रुसी राष्ट्रपति पुतिन ने गुरुवार को कहा था कि वह यूक्रेन के साथ 30 दिन के युद्धविराम के ट्रंप के प्रस्ताव का समर्थन करते हैं। हालांकि उन्होंने कुछ मुद्दों पर स्पष्टीकरण की मांग की थी और कुछ शर्तें भी रखीं थी। शनिवार को ब्रिटिश पीएम कीर स्टारमर ने करीब 25 यूरोपीय नेताओं और अन्य सहयोगियों की बैठक में कहा था कि युद्धविराम को स्वीकार करने के लिए पुतिन पर दबाव बढ़ाने की जरूरत है।

जेलेंस्की ने कहा कि रूसी सेना की तैयारियां यह दर्शाती हैं कि मॉस्को कूटनीति को नजरअंदाज करना जारी रखना चाहता है। यह साफ है कि रूस युद्ध को लंबा खींच रहा है। अपने बयान में जेलेंस्की ने कहा कि रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण पूर्वी यूक्रेनी शहर पोक्रोवस्क के पास युद्ध की स्थिति अब स्थिर है और यूक्रेन ने जंग में अपनी नई घरेलू रूप से निर्मित लंबी दूरी की मिसाइल का इस्तेमाल किया है। कीव अपने घरेलू रक्षा उद्योग का विस्तार करने की योजना बना रहा है ताकि पश्चिमी सहयोगियों पर निर्भरता कम की जा सके जिन्होंने उसे तोपखाने, वायु रक्षा और लंबी दूरी की हमले की क्षमताएं प्रदान की हैं। जेलेंस्की के मुताबिक यूक्रेन की नई लॉन्ग नेप्च्यून मिसाइल की मारक क्षमता 1000 किलोमीटर है।

ईरानी लीडर खामेनेई ने ट्रंप की बातचीत की पेशकश को बताया धोखाधड़ी

-कहा- हमें पता है वे इसका सम्मान नहीं करेंगे, तो बातचीत का क्या मतलब?

तेहरान (एजेंसी)। ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्ला अली खामेनेई ने अमेरिका के साथ न्यूक्लियर डील पर किसी भी तरह की बातचतीत से इनकार कर दिया है। राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा भेजे गए पत्र के जवाब में खामेनेई ने बातचीत करने से इनकार कर दिया है। ट्रंप ने पिछले सप्ताह ऐलान किया था कि उन्होंने खामेनेई को एक पत्र भेजकर न्यूक्लियर डील का प्रस्ताव दिया है।

ट्रंप ने कहा था कि ईरान को या तो सैन्य बल से या फिर एक समझौते के जरिए से ही संभाला जा सकता है। यह पत्र बुधवार को ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराकची को संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति के सलाहकार ने सौंपा था। खामेनेई ने कुछ विश्वविद्यालय के छात्रों से बातचीत करते हुए ट्रंप की बातचीत की पेशकश को धोखाधड़ी करार दिया है।

मीडिया के मुताबिक खामेनेई ने कहा कि जब हमें पता है कि वे इसका सम्मान नहीं करेंगे, तो बातचीत करने का क्या मतलब है? खामेनेई ने कहा कि ट्रंप प्रशासन से बातचीत करने का मतलब होगा ईरान पर लगाए गए प्रतिबंधों को और सख्त करना और देश पर दबाव बढ़ाना। बता दें 2018 में ट्रंप ने विश्व शक्तियों के साथ तेहरान के 2015 के परमाणु समझौते से अमेरिका को वापस ले लिया था और प्रतिबंधों को फिर से लागू कर दिया था, जिससे ईरान की अर्थव्यवस्था पर गहरा प्रभाव पड़ा। खामेनेई ने साफ कर दिया है कि ईरान किसी भी तरह की धमकी के तहत बातचीत नहीं करेगा।

डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उन्होंने तेहरान के साथ एक परमाणु समझौते के लिए दरवाजा खुला रखा है, उन्होंने अपने राष्ट्रपति पद के पहले कार्यकाल में अपनाए गए प्रेशर कैंपेन को फिर से शुरू कर दिया है, जिसका उद्देश्य ईरान को वैश्विक अर्थव्यवस्था से अलग करना और इसके तेल निर्यात पर लगाम लगाए रखना है, ताकि तेल मार्केट में उसके मीडिल ईस्ट पार्टर और खुद का दबदबा कायम रहे।

डोनाल्ड ट्रंप को झटका, अदालत ने अवैध अप्रवासन पर रोक लगाई

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अमेरिकी कोर्ट से झटका लगा है। कोर्ट ने ट्रंप प्रशासन की तरफ से अवैध अप्रवासन को रोकने और निर्वासन में तेजी लाने की योजना के तहत 1798 के विदेशी शत्रु अधिनियम का इस्तेमाल करने पर रोक लगा दी है। कोर्ट का यह फैसला ऐसे समय में आया है, जब शनिवार को ही ट्रंप ने इस अधिनियम का इस्तेमाल करने की घोषणा करते हुए वेनेजुएला के एक संगठन ट्रेन डे अरागुआ पर निशाना साधा था। ट्रंप ने दावा किया था कि इस संगठन के कई सदस्य अवैध रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका में आ गए हैं और यह देश के खिलाफ साजिश कर रहे हैं। इसलिए इन्हें निकालना जरूरी है।

शनिवार को राष्ट्रपति ट्रंप के इस मामले में घोषणा करने के कुछ ही समय बाद कोलंबिया के मुख्य न्यायाधीश जेम्स ई बोसबर्ग ने ट्रंप के निर्वासन आदेश को रोकने का निर्देश जारी कर दिया। बोसबर्ग ने इस कानून के तहत 5 वेनेजुएलाई नागरिकों के निर्वासन पर रोक लगा दी। एपी की रिपोर्ट के मुताबिक बोसबर्ग ने इन नागरिकों की सुनवाई के दौरान अपनी राय रखते हुए कहा, मुझे नहीं लगता कि मैं अब और इंतजार कर सकता हूँ और मुझे कार्रवाई करने की आवश्यकता है। इसके बाद जज ने इन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

अदालत के आदेश के बाद ट्रंप प्रशासन ने इस प्रतिबंधात्मक आदेश को चुनौती दी। उन्होंने तर्क दिया कि अगर अदालत राष्ट्रपति के किसी काम को उसकी घोषणा के पहले ही रोक देती है तो यह कार्यकारी अधिकार को कमजोर करेगा। न्याय विभाग ने कहा कि अगर अदालत अपना आदेश बरकरार रखती है तो उसे (अदालत को) राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे मुद्दों पर किए गए उपायों को रोकने की शक्ति भी मिल जाएगी। इसलिए हमें इसे रोक देना चाहिए। वहीं हाल ही में इजरायल विरोधी प्रदर्शनों का नेतृत्व करने वाले फिलिस्तीनी छात्र महमूद खलील को निर्वासित करने के प्रयास वाले फैसले पर भी कोर्ट विचार कर रहा है। बता दें कि ट्रंप अपने चुनावी अभियान के दौरान लगातार अवैध अप्रवासियों से जुड़ा मुद्दा उठाते रहे हैं। वह लगातार अमेरिकी सीमाओं को सुरक्षित करने और अवैध रूप से देश में पहुंचे विदेशी नागरिकों को बाहर निकालने के लिए अपनी प्रतिबद्धता जताते रहे हैं। कोर्ट के इस फैसले के बाद ट्रंप प्रशासन की घोषणाओं को और भी अधिक कानूनी चुनौती का सामना करने की संभावना बढ़ गई है। ट्रंप द्वारा निर्वासन के लिए पहले की गई कई कार्रवाईयों पर पहले ही अमेरिकी अदालतें विचार कर रही हैं। ऐसे में एक और विरोधी फैसला ट्रंप प्रशासन के लिए मुश्किलें बढ़ाने वाला है। निर्वासन को लेकर ट्रंप प्रशासन ने इससे पहले जन्म के आधार पर नागरिकता वाले कानून पर रोक लगाने का आदेश जारी किया था, कोर्ट की तरफ से इस पर विचार किया जा रहा है।

बीएलए हमले के बाद अब पाकिस्तान को दहलाने टीटीपी चलाएगा अल खंदाक अभियान

-आधुनिक हथियारों से लैस प्रशिक्षित लड़ाकों को किया तैनात

इस्लामाबाद (एजेंसी)। बलूचिस्तान में बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) भीषण हमले के बाद अब देश के सबसे ताकतवर चरमपंथी समूह तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के खिलाफ आक्रामक अभियान चलाने की घोषणा की है। टीटीपी ने इस अभियान का नाम अल-खंदाक रखा है। मीडिया रिपोर्ट में टीटीपी के बयान के मुताबिक अभियान में आधुनिक हथियारों से लैस, प्रशिक्षित लड़ाकों को लक्षित हमलों, गुरिल्ला छापे, आत्मघाती और स्नाइपर हमलों को अंजाम देने के लिए तैनात किया जाएगा।

पाकिस्तान में विद्रोही समूहों की धमक पंजाब अब पंजाब में दिखाई देने लगी है। पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने पंजाब प्रांत में टीटीपी के एक हमलावर को गिरफ्तार किया है और एक अन्य को घायल कर दिया। गिरफ्तार संदिग्ध को पाकिस्तानी तालिबान का सदस्य और बलूचिस्तान का रहने वाला बताया जा रहा है। वे आत्मघाती हमले की योजना बना रहे थे। एक अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार संदिग्ध के दूसरे साथी को पकड़ा नहीं जा सका वह फरार हो गया।

मीडिया रिपोर्ट में टीटीपी से जुड़े चैनलों के हवाले से पुष्टि की है कि आत्मघाती हमलावर समूह का सदस्य था। समूह ने कहा कि उसे एक असफल हमले में गिरफ्तार किया गया। उसने विस्फोट करने की कोशिश की, लेकिन असफल रहा। समूह ने यह भी दावा किया कि उनका एक अन्य आत्मघाती हमलावर भागने में सफल रहा। पाकिस्तान के आतंकवाद रोधी विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि उन्हें आतंकियों की मौजूदगी की खुफिया रिपोर्ट मिली थी, जिसके बाद छापेमारी की गई।

संदिग्धों और सुरक्षा एजेंसियों के बीच मुठभेड़ हुए, जिसमें एक आतंकी घायल अवस्था में गिरफ्तार किया गया। काउंटर टेररिज्म विभाग के प्रवक्ता ने पुष्टि की कि पकड़ा गया सदस्य टीटीपी का सदस्य है। उसके पास से आत्मघाती जैकेट और विस्फोटक सामग्री बरामद हुई है।

तूफानी बवंडर से हिल गया अमेरिका, 27 की मौत, 10 करोड़ लोगों पर संकट

वाशिंगटन(एजेंसी)। अमेरिका में एक भयानक तूफान देखने को मिला है, जिसने भारी तबाही मचाई है। अमेरिका के कुछ हिस्सों में हिंसक बवंडर का खतरा जानलेवा और विनाशकारी साबित हुआ। शनिवार को मिसिसिपी वैली और डीप साउथ की ओर तेज हवाएं बढ़ीं, जिसमें कम से कम 27 लोगों की मौत हो गई और कई घर तबाह हो गए। मिसौरी, अर्कांसस, टेक्सास और ओक्लाहोमा सबसे बुरी तरह प्रभावित राज्य हैं।

देश भर में चल रहे एक विशाल तूफान प्रणाली के कारण हवाएं पैदा हुईं, जिसने घातक धूल भरी आंधी और 100 से अधिक जंगल की आग को भड़काया। कनाडाई सीमा से टेक्सास तक 80 मील प्रति घंटे (130 किमी प्रति घंटे) तक की हवाएं चलने की संभावना है, जो ठंडे उत्तरी क्षेत्रों में बर्फीले मौसम और गर्म, शुष्क क्षेत्रों में जंगल की आग के खतरे को बढ़ा सकती हैं। पूरे देश में 10 करोड़ लोगों पर इसका असर पड़ सकता है। ओक्लाहोमा में 130 से ज्यादा आग की घटनाएं दर्ज की गईं, जिस कारण कुछ इलाकों को खाली करने का आदेश दिया गया। ओक्लाहोमा में आग के कारण लगभग 300 घर क्षतिग्रस्त या नष्ट हो गए हैं। गवर्नर केविन स्टिट ने शनिवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि उनके राज्य में अब तक लगभग 69 हेक्टेयर इलाका जल चुका है। स्टेट हाईवे पेट्रोल ने कहा कि हवाएं इतनी तेज थीं कि उन्होंने कई ट्रैक्टर-ट्रेलरों को पलट दिया। एक्सपर्ट्स का कहना है कि मार्च में ऐसे मौसम के चरम देखना असामान्य नहीं है।

अधिकारियों ने बताया कि शनिवार सुबह तक सबसे ज्यादा मौतें मिसौरी में हुईं, जहां रातभर बवंडर ने कहर बरपाया और कम से कम 12 लोगों की जान ले ली। मिसौरी स्टेट हाईवे पेट्रोल ने यह भी बताया कि कई लोग घायल हुए हैं। मरने वालों में एक व्यक्ति शामिल था, जिसका घर बवंडर से तबाह हो गया। बटलर काउंटी के कोरोनर जिम एकर्स ने कहा कि यह घर जैसा नहीं लग रहा था। बस मलबे का ढेर था। फर्श उल्टा था। एकर्स ने बताया कि बचावकर्मियों ने घर में एक महिला को बचा लिया। अर्कांसस के अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि इंडिपेंडेंस काउंटी में तीन लोगों की मौत हो गई। रातभर तूफान राज्य से गुजरा, जिससे आठ काउंटियों में 29 अन्य घायल हो गए। अर्कांसस की गवर्नर सारा हकाबी सैंडर्स ने एक्स पर कहा कि हमारी टीमें कल रात को बवंडर के कारण नुकसान का सर्वे कर रही हैं। हमारे आपदा कोष से ढाई लाख डॉलर जारी किए गए हैं, ताकि प्रभावित लोगों की मदद की जा सके। शुक्रवार को, अधिकारियों ने बताया कि टेक्सास पैनहैंडल के अमरिलो में धूल भरी आंधी के दौरान कार दुर्घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई।

केदारनाथ में गैर-हिंदुओं के प्रवेश पर प्रतिबंध की तैयारी, बीजेपी विधायक का दावा

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के केदारनाथ धाम में गैर-हिंदुओं के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने की चर्चाएं तेज हो गई हैं। बीजेपी विधायक आशा नौटियाल ने दावा किया कि कुछ गैर-हिंदू लोग धार्मिक स्थल की पवित्रता को ठेस पहुंचा रहे हैं और मांस, मछली, शराब परोसने जैसी गतिविधियों में लिप्त हैं। विधायक नौटियाल ने कहा कि स्थानीय प्रशासन और प्रदेश सरकार इस मामले पर गंभीरता से विचार कर रही है। प्रभारी मंत्री सौरभ बहुगुणा ने अधिकारियों और स्थानीय लोगों के साथ बैठक कर इस मुद्दे पर चर्चा की। ऐसे लोगों की पहचान कर उनके प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की योजना बनाई जा रही है।

पूर्व सीएम रावत ने किया विरोध

उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने इस प्रस्ताव का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड पूरे देश के लिए धार्मिक और आध्यात्मिक केंद्र है और किसी को भी मंदिर में जाने से रोकना संकीर्ण मानसिकता दर्शाता है। उन्होंने कहा कि अगर शराब और मांस बेचा जा रहा है, तो सरकार को इसे रोकना चाहिए। प्रतिबंध लगाने का कोई औचित्य नहीं है। इस मुद्दे पर सियासी विवाद बढ़ सकता है, क्योंकि यह धार्मिक स्थल और आस्था से जुड़ा मामला है।

मेरठ के निजी विश्वविद्यालय में नमाज पर बवाल, मामला दर्ज

मेरठ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मेरठ में होली के दौरान एक निजी विश्वविद्यालय में नमाज पढ़ने और वीडियो वायरल करने को लेकर विवाद इस कदर बढ़ा कि पुलिस को मामला दर्ज करना पड़ गया है। उक्त घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। मामले के संबंध में एसएचओ अनूप सिंह ने मीडिया को बताया कि कार्तिक हिंदू की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया है। वहीं आईआईएमटी विश्वविद्यालय के प्रवक्ता सुनील शर्मा का कहना था कि मामले की प्रारंभिक जांच में पाया गया कि नमाज पढ़ने और फिर उसका वीडियो बनाकर वायरल करने से सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ने का खतरा उत्पन्न होता है। ऐसे में विश्वविद्यालय प्रशासन ने वीडियो अपलोड करने के आरोपी खालिद प्रधान के खिलाफ पुलिस और प्रशासनिक कार्रवाई का अनुरोध किया था। इस पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 299 और सूचना प्रौद्योगिकी (संशोधन) अधिनियम, 2008 के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। यहां बताते चलें कि उक्त घटना चर्चा में तब आई जबकि छात्र खालिद प्रधान मेवाती ने वीडियो फुटेज सोशल मीडिया पर अपलोड किया। इस वीडियो में छात्रों को विश्वविद्यालय परिसर में नमाज पढ़ते हुए दिखाया गया। वीडियो वायरल होने के बाद स्थानीय हिंदू समूहों ने विरोध प्रदर्शन किया। इसे देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने एक्शन लेते हुए प्रधान और तीन सुरक्षाकर्मियों को निलंबित भी कर दिया। इसके बाद भी हिंदू संगठन विरोध जताते रहे और गिरफ्तारी की मांग की। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और मामले की जांच कर रही है।

आवासीय विद्यालय के टीचर ने की खुदकुशी, सुसाइट नोट में लिखे 6 लोगों के नाम

बीड (एजेंसी)। महाराष्ट्र के बीड जिले में एक आवासीय विद्यालय के शिक्षक ने खुदकुशी कर ली। शिक्षक ने एक सुसाइड नोट भी छोड़ा है, जिसमें उसने छह लोगों पर उसे परेशान करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। जानकारी के मुताबिक पुलिस ने बताया कि शिक्षक ने शनिवार को महाराष्ट्र के बीड जिले में घर में छत से लटक कर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान धनंजय नागरगोजे के रूप में हुई है। नागरगोजे पिछले 18 सालों से बीड के केलगांव इलाके में एक आवासीय स्कूल में पढ़ाते थे। पुलिस ने बताया कि आत्महत्या करने से पहले अपने फेसबुक अकाउंट पर पोस्ट किए गए नोट में नागरगोजे ने कहा कि वह स्कूल से जुड़े छह लोगों द्वारा उत्पीड़न के कारण यह कदम उठा रहा हैं। शिवाजीनगर पुलिस ने फिलहाल आत्महत्या की रिपोर्ट दर्ज की है। अभी तक किसी के खिलाफ मामला दर्ज नहीं किया गया है, लेकिन अगर शिक्षक की मौत के संबंध में कोई शिकायत मिलती है तो पुलिस आगे की कार्रवाई करेगी। अधिकारी ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

अमृतसर में हुई घटना को लेकर पंजाब सरकार को अलर्ट होना चाहिए : मनोहर लाल

- सरकार अलर्ट नहीं रहती है तो जनता उसे सबक सिखाएगी

करनाल (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने हरियाणा के करनाल में मीडिया से बातचीत के दौरान पंजाब के अमृतसर में मंदिर पर हुए ग्रेनेड हमले पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि पंजाब में जो यह घटना हुई है इसे लेकर वहां की सरकार को अलर्ट रहना चाहिए। अगर सरकार अलर्ट नहीं रहती है तो जनता उसे सबक सिखाएगी। सोनीपत में भाजपा नेता सुरेंद्र जवाहरा की हत्या पर केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि ये मेरी जानकारी में नहीं है, पर मैं इस बारे में जानकारी लूंगा और जो भी दोषी होंगे उनके साथ सख्ती से निपटा जाएगा। किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। प्रदेश में इस तरह के क्राइम करने वाले अपराधियों को छोड़ा नहीं जाएगा। बता दें कि हरियाणा के सोनीपत जिले के जवाहरा गांव में होली के दिन भाजपा नेता सुरेंद्र जवाहरा की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस घटना के पीछे जमीनी विवाद बताया जा रहा है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, हत्या का कारण एक पुरानी रंजिश थी, जिसमें पड़ोसी से जमीन को लेकर आपसी मतभेद थे। आरोप है कि इसी विवाद को लेकर वारदात को अंजाम दिया गया।

गर्मी ने दी जल्दी दस्तक: ओडिशा और उप्र सहित कई राज्यों में हीटवेव शुरु

नई दिल्ली (एजेंसी)। होली खत्म होने के साथ ही गर्मी ने भी दस्तक दे दी है। पूर्वी और पश्चिमी हिस्सों में तापमान 40 डिग्री के पार जा रहा है। मौसम विभाग ने हीटवेव की चेतावनी जारी कर दी है। बीते साल से तुलना करें तो इस तरह की हीटवेव की शुरुआत अप्रैल की शुरुआत में हुई थी।

विदर्भ, मध्य महाराष्ट्र, ओडिशा, सौराष्ट्र, कच्च, तेलंगाना और रायलसीमा में हीटवेव की शुरात हो गई है। वहीं ओडिशा के झारसुगुडा में तापमान 41 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। शनिवार को ओडिशा को बौध में सबसे ज्यादा तापमान 42.5 डिग्री रिकॉर्ड किया गया।दिल्ली में बारिश के बाद बढ़ते तापमान से राहत मिली है। शनिवार को अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो कि 4.1 डिग्री से ज्यादा था। मौसम विभाग के अधिकारी ने बताया मध्य भारत के ऊपर उच्च दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। इसकी वजह से हवा गर्म हो रही है। इसके अलावा आसमान साफ होने की वजह से सूर्य का रेडिएशन बहुत ज्यादा है। आंध्र प्रदेश और ओडिशा में इसकी वजह से हीटवेव का असर देखा जा रहा है।

लेकिन इस बार मार्च की शुरुआत से ही गर्मी का अहसास होने लगा और मार्च खत्म होते-होते हीटवेव की स्थिति बन रही है। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि बीते साल 5 अप्रैल को इतना तापमान दर्ज किया गया था। उन्होंने कहा, इस बार गंभीर हीटवेव की शुरुआत जल्दी हो गई है। कभी-कभी ऐसा होता है कि मार्च में इस तरह की स्थित बन जाती है। वरना आम तौर पर अप्रैल में ही इतना तापमान दर्ज किया जाता है। शुक्रवार को दिल्ली के सफदरजंग में अधिकतम तापमान 36.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो कि सामान्य तापमान से 7.5 डिग्री ज्यादा था। मौसम विभाग का कहना है कि ओडिशा में 18 मार्च और सौराष्ट्र में 17 मार्च तक हीटवेव की स्थिति बनी रहने का अनुमान है। झारखंड, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, विदर्भ, उत्तरी तेलंगाना में भी 16 मार्च से हीटवेव का अनुमान है। बता दें कि इस साल जनवरी और फरवरी ने भी तापमान ने रिकॉर्ड तोड़ दिया था। फरवरी का अधिकतम तापमान 1901 के बाद पहली बार इतना ज्यादा दर्ज हुआ। विदर्भ और मध्य महाराष्ट्र में अधिकतम तापमान 40 से 42 डिग्री के बीच पहुंच गया है। सौराष्ट्र, कच्छ और तेलंगाना में 38 से 40 डिग्री तक अधिकतम तापमान बना हुआ है।

उत्तर प्रदेश में भी पड़ने लगी गर्मी

उत्तर भारत में भी तापमान सामान्य से लगभग 5 डिग्री ऊपर बना हुआ है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, झारखंड, ओडिशा, में तापमान सामान्य से 3 से 5 डिग्री तक ज्यादा दर्ज किया गया। पूर्वी उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, पूर्वी मध्य प्रदेश, मारठवाड़ा और मध्य महाराष्ट्र में भी लोग उमस से बेहाल होने लगे हैं। पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी और बारिश की वजह से तापमान सामान्य से कम हो गया है। जम्मू-कश्मीर, गिलगित, बालिस्टान, मुजफ्फराबाद और तमिलनाडु, पुदुच्चेरी, केरल और माहे का तापमान सामान्य से करीब 5 डिग्री सेल्सियस कम दर्ज किया गया।

भारत की 5 दिवसीय यात्रा पर न्यूजीलैंड के पीएम क्रिस्टोफर लक्सन

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन आज रविवार को पांच दिन की यात्रा पर भारत आ रहे हैं। पदभार संभालने के बाद उनकी यह पहली आधिकारिक यात्रा होगी। पीएम लक्सन के साथ एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आएगा, जिसमें वरिष्ठ अधिकारी, मंत्री, व्यापारिक नेता, मीडिया प्रतिनिधि और न्यूजीलैंड में भारतीय समुदाय के सदस्य शामिल होंगे। भारत में उनका यात्रा कार्यक्रम दोनों देशों के बीच संबंधों को गहरा करने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण राजनयिक बैठकों से भरा हुआ है। विदेश मंत्रालय द्वारा साझा किए गए कार्यक्रम के अनुसार, पीएम लक्सन भारत पहुंचे के बाद विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर से मुलाकात करेंगे। 20 मार्च तक चलने वाली पांच दिवसीय यात्रा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर हो रही है। पीएम लक्सन की यात्रा का उद्देश्य भारत और न्यूजीलैंड के बीच दीर्घकालिक संबंधों को मजबूत करना है, तथा विभिन्न क्षेत्रों में अपने द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने के लिए दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि करना है। 19-20 मार्च को न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री मुंबई की यात्रा करेंगे, जहां वे भारतीय व्यापार जगत के नेताओं और विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करेंगे तथा दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार, पीएम लक्सन की यात्रा भारत और न्यूजीलैंड के बीच स्थायी और बहुआयामी संबंधों को रेखांकित करती है। यह यात्रा व्यापार, प्रौद्योगिकी और सांस्कृतिक आदान-प्रदान जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए दोनों देशों की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है। विदेश मंत्रालय ने कहा, प्रधानमंत्री लक्सन की यात्रा भारत और न्यूजीलैंड के बीच दीर्घकालिक और स्थायी संबंधों को रेखांकित करती है।

मौसम का बदला मिजाज: 12 जिलों में बारिश और वज्रपात का अलर्ट, तेज हवाएं चलने की संभावना

पटना (एजेंसी)। बिहार के मौसम में अचानक बदलाव देखने को मिल रहा है। रविवार को पटना, बक्सर, नालंदा समेत कई जिलों में सुबह से ही घने काले बादल छा गए। बक्सर और मुजफ्फरपुर में हल्की बारिश भी हुई। मौसम विभाग ने 12 जिलों में बारिश और बिजली गिरने का अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा, अगले एक हफ्ते तक तेज हवाएं और धूल भरी आंधी चलने की संभावना है।

मौसम विभाग के अनुसार, बिहार के पटना, बक्सर, मुजफ्फरपुर, नालंदा, बेगूसराय, वैशाली, सारण, भोजपुर, समस्तीपुर, दरभंगा, मधुबनी और सीवान में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। पटना में रविवार और सोमवार को हल्की बारिश के आसार हैं, जिससे मौसम ठंडा रहेगा। अधिकतम तापमान 24 से 30 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। बारिश के बावजूद तेज हवाओं के कारण वातावरण में हल्की नमी बनी रहेगी।

अगले हफ्ते तक चलेगी धूल भरी आंधी

मौसम वैज्ञानिक कुमार गौरव के अनुसार, हिमालय क्षेत्र में पश्चिमी विक्षोभ के कारण बर्फबारी हो रही है, जिसका असर बिहार के मैदानी इलाकों में बारिश के रूप में दिखाई दे रहा है। सोमवार को भी कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश और वज्रपात की संभावना है। 18 मार्च के बाद ही तापमान में वृद्धि होगी, दिन में गर्मी बढ़ेगी, लेकिन सुबह और शाम हल्की ठंड महसूस होगी।

खगड़िया बना सबसे गर्म जिला

बीते 24 घंटों में खगड़िया बिहार का सबसे गर्म जिला रहा, जहां अधिकतम तापमान 39.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने बिहार के 10 सबसे गर्म जिलों की सूची भी जारी की है। बदलते मौसम के चलते बिहार के लोगों को अगले कुछ दिनों तक सतर्क रहने की जरूरत है।

एच5एन1 वैक्सीन से किशोरों और बच्चों के लिए लाभप्रद, शोधकर्ताओं ने क्यों कहा ऐसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नए अध्ययन में सामने आया हैं कि एच5एन1 वैक्सीन से किशोरों और बच्चों को अधिक लाभ हो सकता है, भले ही यह वैक्सीन मौजूदा वायरस के लिए विशेष रूप से न बनी हो। अमेरिकी शोधकर्ताओं ने बताया कि कुछ खास प्रकार के मौसमी फ्लू वायरस से पहले हुए संक्रमण, एच5एन1 बर्ड फ्लू के खिलाफ शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत कर सकते हैं। अध्ययन में पता चला कि 1968 से पहले के फ्लू वायरस के संपर्क में आए बुजुर्गों में एच5एन1 वायरस से लड़ने वाली एंटीबॉडी अधिक पाई गईं।

शोधकर्ताओं ने बताया, बचपन में हुए फ्लू संक्रमण से बनी रोग प्रतिरोधक क्षमता जीवन भर रहती है। शोधकर्ताओं ने पाया कि दशकों पहले एच1एन1 और एच3एन2 वायरस के संपर्क में आने से बनी एंटीबॉडी अब एच5एन1 वायरस से भी प्रतिक्रिया कर सकती हैं। हालांकि ये एंटीबॉडी संक्रमण को पूरी तरह रोकने में सक्षम नहीं हैं, लेकिन अगर एच5एन1 का प्रकोप बढ़ा तब यह बीमारी की गंभीरता को कम कर सकती हैं। एच5एन1 वायरस कई सालों से पक्षियों में फैल रहा था, लेकिन हाल ही में इसका एक नया प्रकार (क्लेड 2.3.4.4बी) सामने आया है, जो अब मवेशियों में भी फैल रहा है। यह मौजूदा वायरस अभी तक मानव श्वसन तंत्र की कोशिकाओं से आसानी से नहीं जुड़ता, लेकिन यदि यह स्तनधारी जीवों में अधिक फैला, तब इसमें इसतरह के बदलाव हो सकते हैं जिससे यह इंसानों में तेजी से फैल सके। यदि ऐसा हुआ, तब एच5एन1 इंसानों के बीच भी फैल सकता है। मौजूदा फ्लू वैक्सीन मुख्य रूप से वायरस के हीमैग्लुटिनिन प्रोटीन को पहचानने वाली एंटीबॉडीज बनाती हैं, जो वायरस को शरीर की कोशिकाओं में प्रवेश करने से रोकती हैं।

शोधकर्ताओं ने 1927 से 2016 के बीच जन्मे 150 से अधिक लोगों के खून के नमूनों की जांच की, ताकि यह देखा जा सके कि उसमें एच5एन1 सहित विभिन्न फ्लू वायरस से लड़ने वाली एंटीबॉडी कितनी हैं। उन्होंने पाया कि 1968 से पहले जन्मे लोगों में, जिन्हें बचपन में एच1एन1 या एच2एन2 वायरस का सामना करना पड़ा था, उसमें एच5एन1 वायरस से लड़ने वाली एंटीबॉडी अधिक थीं। अध्ययन में सामने आया कि किसी व्यक्ति के जन्म वर्ष का उसके शरीर में एच5एन1 वायरस से लड़ने वाली एंटीबॉडी की मात्रा से गहरा संबंध है। छोटे बच्चे, जिन्हें अभी तक मौसमी फ्लू वायरस का सामना नहीं करना पड़ा, उनमें इस वायरस से लड़ने वाली एंटीबॉडीज बहुत कम मिली।

म्यांमार में साइबर ठगी कराने के लिए गिरोह में होती है भर्ती ऐसे खुला राज

लखनऊ (एजेंसी)। म्यांमार के म्यावाडी में नौकरी दिलाने के नाम पर साइबर ठगी कराने वाले गिरोह से जुड़े दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इनके खिलाफ म्यांमार से लौटे एक पीड़ित ने मुकदमा दर्ज कराया था। दोनों आरोपी मासूम लोगों को बैंकॉक में डेटा इंट्री ऑपरेटर की नौकरी दिलाना का झांसा देते थे। फिर इन्हें म्यांमार ले जाकर ठगी करवाते थे। इस गिरोह ने लखनऊ के 5 युवकों को म्यांमार म्यावाडी के एक अपार्टमेंट में बंधक बनाकर रखा था। इस गिरोह को बैंकॉक से ऑपरेट किया जाता है। पुलिस यूपी में रहने वाले इस गिरोह के 5 सदस्यों की तलाश कर रही है।

इंस्पेक्टर मदेयगंज राजेश सिंह ने म्यांमार से साइबर ठगी गिरोह से छूट कर आए मशालची टोला निवासी सुल्तान सलाउद्दीन की शिकायत पर खदरा निवासी मोहम्मद अहमद खान उर्फ भैया और जानकीपुरम निवासी जावेद इकबाल के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने विदेश में नौकरी के लिए सोशल साइट पर संपर्क करने वालों के साथ ही विदेश जाने वालों की तलाश करते थे। इसी दौरान पक्का पुल स्थित एक कैफे पर जावेद को सुल्तान सलाउद्दीन मिला था। उसने विदेश में अच्छी नौकरी खोजने की बात कही, जिसके बाद जावेद ने उसे बैंकाक में डॉटा इंट्री ऑपरेटर की जॉब दिलाने का भरोसा दिलाया। सुल्तान प्रतिमाह 30 हजार थाई भात (77 हजार रुपये) में नौकरी मिलने की बात पर राजी हो गया।

आरोपी ने बताया कि बैंकॉक का वीजा और हवाई टिकट देने के बदले एजेंट जावेद ने पांच लाख रुपये लिए थे। वहां पहुंचते ही एक अपार्टमेंट में इन लोगों को बंधक बना लिया, जहां साइबर ठगी की ट्रेनिंग देने के बाद ठगी करवाई। हमारा गैंग बैंकाक से ऑपरेट होता है। भारत से वह लोग युवकों को बैंकॉक भेजते हैं, जबकि गिरोह के अन्य सदस्य बैंकॉक से म्यांमार तक युवकों के भेजने का काम करते हैं। उनके लोगों को रफात राही नाम का युवक डील करता है।

पंजाब में आप सरकार के तीन साल पूरे, केजरीवाल ने पत्नी और भगवंत मान के साथ स्वर्ण मंदिर में मत्था टेका

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार के तीन साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर आप नेता अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान रविवार को अमृतसर पहुंचे और स्वर्ण मंदिर में मत्था टेका। केजरीवाल के साथ उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल और पंजाब सरकार के मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल समेत आम आदमी पार्टी के कई नेता स्वर्ण मंदिर पहुंचे। बता दें, आप ने 2022 में पंजाब में कुल 117 विधानसभा सीटों में से 92 सीटें जीतकर सरकार बनाई है।

केजरीवाल ने अमृतसर में संवाददाताओं से बात की। उन्होंने कहा, 'मान साहब ने 16 मार्च 2022 को पंजाब के मुख्यमंत्री का पद संभाला था। आज हम यहां गुरु महाराज का आशीर्वाद लेने आए हैं। तीन वर्षों में उन्होंने (गुरुओं ने) हमारा मार्गदर्शन किया और लोगों की सेवा करते रहने की शक्ति प्रदान की।'

केजरीवाल ने इस दौरान नशा और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर भी बात की। उन्होंने कहा, 'आज पंजाब की सबसे बड़ी समस्या नशा और भ्रष्टाचार है। हमने नशा और भ्रष्टाचार के खिलाफ जंग छेड़ दी है। यह न्याय की लड़ाई है, हम राज नहीं, लोगों की सेवा करने के लिए आए हैं।'

आप प्रमुख से पहले भगवंत मान ने दावा किया कि पिछले तीन वर्षों में जो काम हुआ है, वह पिछले 70 वर्षों में भी नहीं हुआ। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'इन तीन वर्षों में जो काम हुआ है, वह पिछले 70 वर्षों में भी नहीं हुआ। हम पंजाबियों से किए गए हर वादे को पूरा करेंगे। हम पंजाब से नशे की बुराई को खत्म करने के लिए जारी लड़ाई को उसके तार्किक निष्कर्ष तक ले जाएंगे। पंजाब के तीन करोड़ लोगों को आपके समर्थन और उन पर विश्वास के लिए धन्यवाद।'

नदी नालों के पास रहने वाले लोगों को कैंसर का खतरा अधिक

-आईसीएमआर की नई स्टडी में आया सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। कैंसर जैसी बीमारी मरीज ही नहीं, पूरे परिवार को बर्बाद कर देती है। ताजा रिपोर्ट आई है, इसमें कहा गया है कि नदी नालों के पास रहने वाले लोगों को कैंसर होने का खतरा अधिक होता है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) की स्टडी रिपोर्ट की लिखित जानकारी केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने राज्यसभा में दी है। उन्होंने बताया कि अध्ययन के नतीजों में सामने आया है कि सीसा (लेड), लोहा (आयरन) और एल्युमिनियम केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की तय सीमा से ज्यादा मिले हैं।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि मोदी सरकार कैंसर के इलाज की बेहतर सुविधाएं देने के लिए काम कर रही है। इसके लिए स्ट्रेंग्थनिंग ऑफ टर्शियरी केयर कैंसर फैसिलिटीज स्कीम लागू है। इस योजना के तहत 19 स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट (एससीआई) और 20 टर्शियरी केयर कैंसर सेंटर (टीसीसीसीएस) को मंजूरी दी गई है। हरियाणा के झज्जर में राष्ट्रीय कैंसर संस्थान और कोलकाता में चित्तरंजन राष्ट्रीय कैंसर संस्थान का दूसरा कैंपस भी तैयार हो रहा है। इन संस्थानों में कैंसर की जांच और इलाज की आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। सभी 22 नए एम्स में भी कैंसर के इलाज की सुविधाएं दी जा रही हैं। इसमें जांच, दवा और सर्जरी की सुविधाएं शामिल हैं।

मंत्री अनुप्रिया ने बताया कि सरकारी अस्पतालों में गरीब और जरूरतमंद लोगों का इलाज मुफ्त या बहुत कम कीमत पर होता है। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी पीएमजेवाय) के तहत भी कैंसर का इलाज करवाया जा सकता है। योजना में हर परिवार को हर साल 5 लाख रुपये तक का इलाज मुफ्त मिलता है। इससे देश के 12.37 करोड़ परिवारों के 55 करोड़ लोग (आबादी का सबसे गरीब 40 प्रतिशत हिस्सा) फायदा उठा रहे हैं। हाल ही में, पीएम-जेवाय ने 70 साल से ज्यादा उम्र के सभी बुजुर्गों को स्वास्थ्य बीमा दिया है।

उन्होंने बताया कि एबी पीएमजेवाय के तहत, कैंसर के इलाज के लिए 200 से ज्यादा पैकेज हैं। इन पैकेज में मेडिकल ओंकोलॉजी, सर्जिकल ओंकोलॉजी, रेडिएशन ओंकोलॉजी और पैलिएटिव मेडिसिन के 500 से ज्यादा प्रक्रियाएं शामिल हैं। ये सभी नैशनल हेल्थ बेनिफिट पैकेज (एचबीपी) मास्टर में दिए गए हैं। प्रधानमंत्री जनऔषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) के तहत प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि केंद्र (पीएमबीजेके) खोले गए हैं। इन केंद्रों पर अच्छी क्वॉलिटी की जेनेरिक दवाइयां सस्ती कीमतों पर मिलती हैं। 28 फरवरी तक देश में कुल 15,057 पीएमबीजेके खोले जा चुके हैं।